हिंदी दैनिक
कोयलांचल संवाद
रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित
YouTube Subscribe Koylanchal samvad news
रांची, मंगलवार, 05 अगस्त, 2025 वर्ष : 13 अंक : 77 मूल्य : 3 रुपए
www.koylanchalsamvad.com

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

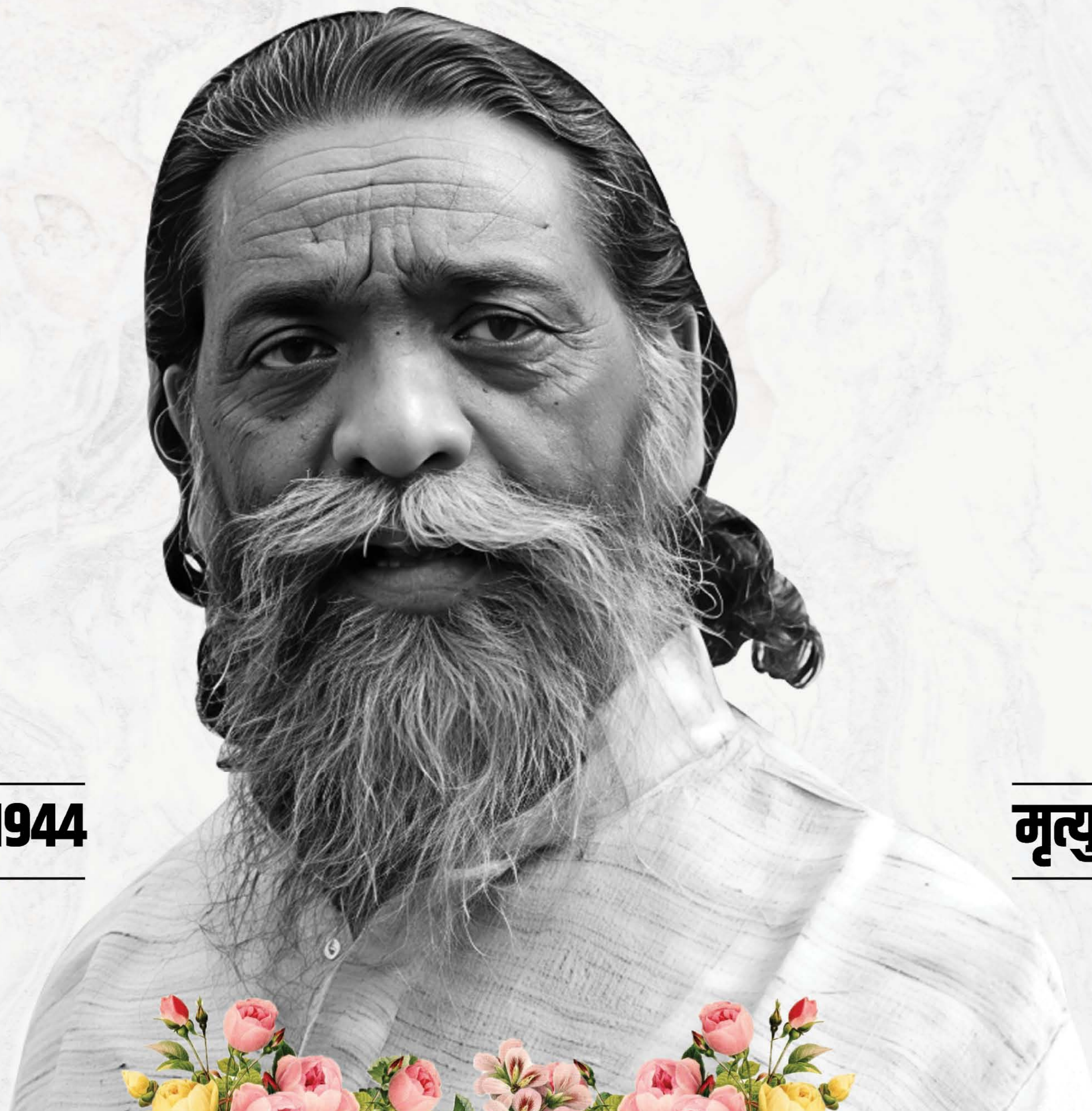

जन्म- 11 जनवरी 1944

मृत्यु- 04 अगस्त 2025

विनम्र श्रद्धांजलि

दिशोम गुरु शिबू सोरेन

समस्त राज्यवासियों की तरफ से

हूल जोहार

प्रात: 9.00 बजे विधानसभा में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी

अंतिम संस्कार - पैतृक गाँव नेमरा, रामगढ़ में

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR No. 358880 (IPRD) 2025-26

बिहार में शिक्षक भर्ती में डोमिसाइल लागू

अब बिहार के लोगों को ही नौकरी में मिलेगी प्राथमिकता; चुनाव से पहले नीतीश का बड़ा फैसला

पटना : चुनाव साल में नीतीश कुमार ने एक और बड़ी घोषणा की है। इसे बिहार सरकार का मास्टर स्ट्रोक बताया जा रहा है। नीतीश सरकार ने ऐलान किया है कि शिक्षक भर्ती में डोमिसाइल लागू किया जाएगा। ये व्यवस्था TRE-4 से ही लागू की जाएगी।

नीतीश कुमार ने सोमवार को X पर लिखा- 'नवम्बर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही हम लोग शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं।'

'शिक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण हेतु बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। शिक्षकों की बहाली में बिहार के निवासियों (DOMICILE) को प्राथमिकता देने हेतु शिक्षा विभाग को संबंधित नियम में आवश्यक संशोधन करने का निर्देश दिया गया है।'

'यह TRE-4 से ही लागू किया जाएगा। वर्ष 2025 में TRE-4 एवं वर्ष 2026 में TRE-5 का आयोजन किया जाएगा। TRE-5 के आयोजन के पूर्व STET का आयोजन करने का भी निदेश दिया गया है।'

डोमिसाइल लागू होने पर क्या होगा

किसी भी भर्ती में डोमिसाइल नीति लागू होने का मतलब है कि इस भर्ती में उस प्रदेश के लोग ही अप्लाई कर सकते हैं और नौकरी देने में सिर्फ उस राज्य के निवासियों को ही प्राथमिकता दी जाएगी। जो भी संबधित राज्य का वोटर होगा, वो ही इस भर्ती में अप्लाई कर पाएगा। इसके अलावा माता-पिता के निवासी होने, पति के निवासी होने, घर होने आदि कई शर्तों से डोमिसाइल की कैटेगरी में शामिल हो सकते हैं।

सरकारी नौकरी में डोमिसाइल पॉलिसी लागू, राज्य की महिलाओं को 35% आरक्षण मिलेगा

इसके पहले बिहार सरकार ने महिलाओं के लिए डोमिसाइल पॉलिसी लागू कर दी है। अब सरकारी नौकरियों में महिलाओं को इसका फायदा मिलेगा। बिहार की बाहर की महिलाओं को जनरल कैटेगरी में जोड़ा जाएगा। पहले दूसरे राज्यों की महिलाओं को भी 35% आरक्षण का लाभ मिलता था। अब सिर्फ बिहार की महिलाओं को फायदा मिलेगा।

1. आशा और ममता मानदेय बढ़ाया

चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने बिहार में आशा और ममता कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ा दिया है। मुख्यमंत्री ने ऐलान करते हुए कहा था- आशा कार्यकर्ताओं को अब 1 हजार रुपए की जगह 3 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही ममता कार्यकर्ताओं को प्रति प्रसव 300 रुपए की जगह 600 रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इससे उनका मनोबल और बढ़ेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत होंगी।'

सरकार के इस फैसले से बिहार में 1 लाख आशा कार्यकर्ताओं, 5 हजार आशा फैसिलिटेटर और 5 हजार से अधिक ममता कार्यकर्ताओं को लाभ मिलेगा। जानकारी के मुताबिक, बिहार में करीब 1 लाख आशा कार्यकर्ता हैं। ऐसे में अगर एक आशा कार्यकर्ता के परिवार में 5 सदस्य होंगे, तो सरकार ने करीब 5 लाख परिवारों को सिर्फ टारगेट किया है।

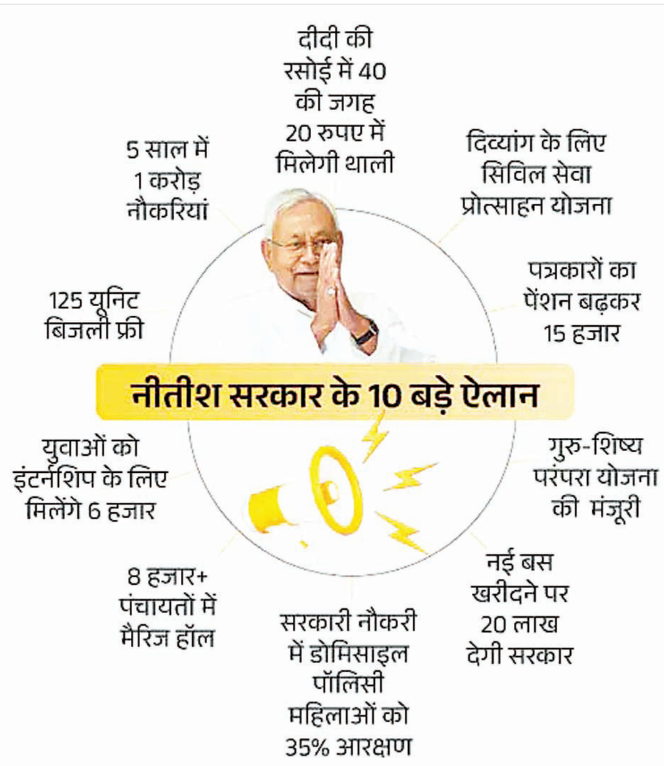

2. बिहार में 125 यूनिट बिजली फ्री मिलेगी

बिहार के लोगों को 125 यूनिट बिजली मुफ्त में मिलेगी। साथ ही अगले तीन वर्षों में घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा का भी लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को X पर इसका ऐलान किया। CM ने X पर बताया- 'हम लोग शुरू से ही सस्ती दरों पर सभी को बिजली उपलब्ध करा रहे हैं। अब हमने तय कर दिया है कि 1 अगस्त, 2025 से,यानी जुलाई माह के बिल से ही राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली का कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा।

3. 5 साल में 1 करोड़ नौकरियां और रोजगार देगी सरकार

बिहार सरकार ने फैसला किया है कि आने वाले 5 सालों (2025 से 2030 तक) में 1 करोड़ नई नौकरियां और रोजगार के मौके बनाए जाएंगे। इसके लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाई जाएगी, जिसकी अध्यक्षता विकास आयुक्त करेंगे। यह समिति देखेगी कि रोजगार बढ़ाने के लिए और क्या-क्या किया जा सकता है और सरकार को सलाह देगी। इससे राज्य के युवाओं को आर्थिक मजबूती मिलेगी और उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। उद्योग बढ़ने से राज्य में निवेश के नए अवसर भी आएंगे। बिहार वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन में लगे BLO-सुपरवाइजर को सालाना मानदेय के अलावा 6000 रुपए देने के फैसले को मंजूरी मिली है।

4. 8 हजार से ज्यादा पंचायतों में मैरिज हॉल बनेंगे

चुनावी साल में नीतीश सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह कार्यक्रम में सुविधा के लिए करीब 8 हजार से ज्यादा पंचायतों में विवाह भवन का निर्माण कराने का फैसला लिया है।

इसका नाम विवाह मंडप योजना दिया गया है। इसके लिए सरकार ने 40 अरब 26 करोड़ 50 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। इन विवाह भवनों का संचालन जीविका दादियों की तरफ से किया जाएगा।

5.. बिहार के 1 लाख युवाओं पर 686 करोड़ रुपए खर्च होंगे, इंटर्नशिप के लिए मिलेंगे 6 हजार

बिहार सरकार ने 18 से 28 साल के एक लाख से ज्यादा युवाओं को मंथली 4 से 6 हजार रुपए मंथली इंटर्नशिप दी जाएगी। इन युवाओं को आर्थिक सहायता के साथ-साथ बिजनेस की ट्रेनिंग देने के लिए नीतीश कैबिनेट मुख्यमंत्री-प्रतिज्ञा योजना को मंजूरी दी है।

6. 'दीदी की रसोई' में 40 की जगह 20 रुपए में मिलेगी थाली

सरकार की तरफ से सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय, अस्पतालों और सरकारी संस्थानों में 'दीदी की रसोई' से 40 रुपए प्रति थाली में भोजन उपलब्ध कराया जाता है। बिहार सरकार ने चुनाव साल में इसका रेट कम कर दिया। 40 रुपए की थाली अब 20 रुपए में देने का फैसला लिया गया है। 20 रुपए प्रति थाली की क्षतिपूर्ति राज्य सरकार की तरफ से जीविका को उपलब्ध कराई जाएगी।

7. नई बस खरीदने पर 20 लाख देगी सरकार

राज्य सरकार ने फैसला किया है कि अगर कोई निजी बस ऑपरेटर अन्तरराज्यीय मार्गो के लिए नई AC बस खरीदेगा, तो सरकार उसे हर बस पर 20 लाख रुपए प्रोत्साहन राशि देगी।

150 बसों के लिए कुल 30 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। साथ ही योजना को सही तरीके से चलाने के लिए 60 लाख रुपए अतिरिक्त खर्च करने की मंजूरी भी दी गई है। कुल खर्च 30.60 करोड़ रुपए होगा।

8. गुरु-शिष्य परंपरा योजना भी मंजूर की गई

कैबिनेट ने विलुप्त हो रही लोक कलाओं को बचाने के लिए मुख्यमंत्री गुरु-शिष्य परंपरा योजना को भी मंजूरी दी है। गुरु को 15000, संगीतकार को 7500 और शिष्य को 3000 मासिक मानदेय दिया जाएगा। सरकार ने विलुप्त हो रही लोक कलाओं को बचाने के लिए योजना बनाई है। इसके तहत लोक गाथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य, लोक संगीत, वाद्य यंत्र, शास्त्रीय कला और चित्रकला जैसी विधाओं को संरक्षित करने के लिए परंपरागत तरीके से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

9. दिव्यांग के लिए सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना

चुनावी साल में बिहार सरकार ने एक नई योजना शुरू की है, जिसका नाम दिव्यांगजन सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना है। इसका लाभ दिव्यांग पुरुष पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) अभ्यर्थियों को मिलेगा।

हालांकि, ये सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें राज्य की किसी दूसरी सिविल सेवा तैयारी योजना से कोई आर्थिक मदद नहीं मिल रही है। ऐसे में BPSC या UPSC की प्रारंभिक परीक्षा पास कर लेते हैं, तो उन्हें मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए 50 हजार रुपए और इंटरव्यू की तैयारी के लिए 1 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी।

10. बिहार में पत्रकारों का पेंशन बढ़कर 15 हजार हुआ

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पत्रकारों के पेंशन बढ़ाने की घोषणा की। बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना" के तहत अब पत्रकारों को 6,000 की जगह 15,000 रुपए प्रतिमाह पेंशन मिलेगी। मुख्यमंत्री ने इसे तुरंत लागू करने के निर्देश भी दे दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि जिन पत्रकारों की मृत्यु हो चुकी है, उनके आश्रित पति या पत्नी को भी जीवन भर 10,000 रुपए प्रति माह की पेंशन दी जाएगी। पहले यह राशि केवल 3,000 रुपए थी। यह फैसला उनके सम्मानजनक जीवन-यापन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

संक्षिप्त खबरें...

पटना के निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात

पटना : बिहार में मानसून एक्टिव है। रविवार को पटना समेत 13 जिलों में भारी बारिश हुई। पटना में लगातार हो रही बारिश से पटना जंक्शन, पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन और दर्जनों मोहल्लों में जलजमाव की समस्या बन गई है। गंगा नदी के जलस्तर बढ़ने से निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए है। भागलपुर के गांवों में नदी का पानी घुस गया है। वहीं, बक्सर में हाईवे पर नदी बह रही है। किशनगंज में पानी के तेज बहाव में डायवर्जन और बांका में पुल बह गया है।

बेगूसराय में तालाब में कूदा CA का स्टूडेंट, मौत

बेगूसरायः बेगूसराय में रविवार की देर शाम पोखर में कूदे युवक की लाश आज बरामद कर ली गई है। घटना लाखो थाना क्षेत्र में खातोपुर मदरसा के समीप स्थित पोखर की है। मृतक युवक लाखो थाना क्षेत्र के ही वाजिदपुर गांव के रहने वाले रामनारायण पासवान का पुत्र विकास कुमार (28 वर्ष) है। सीए की तैयारी कर रहे विकास की मानसिक हालत करीब 2 वर्षों से ठीक नहीं थी। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि रात करीब 8:00 बजे युवक आया और पोखर के मुहाने पर चप्पल खोल कर रखने के बाद पोखर में छलांग लगा दिया। हम लोग देखे तो स्थानीय नगर पार्षद को सूचना दी। नगर पर्षद के सूचना के आधार पर लाखो थाना की पुलिस और पूर्व मेयर संजय सिंह मौके पर पहुंचे। रात में स्थानीय लोगों ने पोखर में उतरकर खोजबीन किया, लेकिन कुछ पता नहीं चला। आज लोगों ने पोखर में तैरती लाश देखकर जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को सूचना दिया, तब उसे निकाला गया। मृतक के चचेरे भाई नंदन कुमार ने बताया कि विकास चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) की तैयारी कर रहा था। 2 साल के पहले उसकी तबीयत अचानक बिगड़ी और मानसिक असंतुलित हो गया। जिसका इलाज डॉक्टर से चल रहा था। कल शाम में हुआ घर से निकला तो लोगों को लगा कि कहीं गया होगा।

किशनगंज में आगजनी से दर्जनभर मवेशी जिंदा जले

किशनगंजः किशनगंज में सोमवार को आगजनी से एक घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। इस घटना में दर्जनभर मवेशियों की जलकर मौके पर ही मौत हो गई। आग से लाखों रुपए की संपत्ति स्वाहा हो गई है। घटना कोचाधामन प्रखंड स्थित गमहरिया चुनामारी गांव की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घर में अचानक आग लगी, जो तेजी से फैलती चली गई। जिस घर में आग लगी थी, वहां मवेशी-घर और जलावन घर एक ही स्थान पर था। इससे आग की लपटें तेजी से फैल गईं और वहां बंधे सभी मवेशी जलकर मर गए। आग की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक भारी नुकसान हो चुका था। घटना की जानकारी मिलते ही सोमवार शाम को राजस्व कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। स्थानीय प्रशासन मामले की जांच में जुटा हुआ है।

गर्लफ्रेंड से की 25 मिनट बात फिर भाई-बहन का मर्डर

पटनाः पटना के जानीपुर नगवां में प्रेमी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर प्रेमिका और उसके भाई की हत्या कर बेड पर लाशों को जला दिया। हत्या के बाद आरोपी प्रेमी शुभम की मां सांत्वना देने दोनों मृतक के घर पहुंची थी। बाद में उसे पता चला कि बेटा ही हत्यारा है। हत्या करने से पहले आरोपी शुभम ने अंजली से करीब 25 मिनट तक बात की। उस वक्त अंजली का भाई अंशु सोया हुआ था। गेट अंजली ने ही खोला था। दोनों आरोपी एक बोतल में केरोसिन और माचिस लेकर गए थे। शुभम ने बातचीत में अंजली को उलझाए रखा। इसी बीच रौशन ने केरोसिन की बोतल को छिपा दिया। बाद में रौशन भी शुभम के पास पहुंच गया और तीनों बातचीत करने लगे। दोनों ने अंजली को भरोसा में लिया। दोनों हत्या करने की योजना बनाकर वहां पहुंचे थे। इसी बीच शुभम ने अंजली के सिर पर डंडा से मारा।

राजगीर में राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

12 जिलों की टीमें लेंगी हिस्सा, 5 दिनों तक चलेगा खेल महाकुंभ

राजगीरः राजगीर में सोमवार को एक नया खेल अध्याय शुरू हुआ जब राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल अंडर-15 बालक प्रतियोगिता 2025 का भव्य उद्घाटन किया गया। जवाहर नवोदय स्कूल , राजगीर के मैदान में आयोजित इस समारोह में जिलाधिकारी कुंदन कुमार और पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर और नारियल फोड़कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

खेल विभाग, बिहार सरकार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना और जिला प्रशासन नालंदा के संयुक्त देखरेख में आयोजित यह प्रतियोगिता राज्य के युवा फुटबॉल प्रतिभाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगी। 4 अगस्त से 8 अगस्त तक चलने वाली इस पांच दिवसीय प्रतियोगिता में बिहार के 12 जिलों की टीमें भाग ले रही हैं।

तीन प्रमुख स्थानों पर होंगे मैच

प्रतियोगिता के मैच तीन अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे - स्टेडियम आर.डी. उच्च विद्यालय राजगीर, जवाहर नवोदय विद्यालय राजगीर और सरस्वती विद्या मंदिर राजगीर। यह व्यवस्था न केवल अधिक से अधिक मैचों के आयोजन में सहायक होगी, बल्कि राजगीर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों को भी खेल गतिविधियों से जोड़ने का काम करेगी।

उद्घाटन मैच में दरभंगा-सिवान की टक्कर

प्रतियोगिता की शुरुआत दरभंगा और सिवान की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले से हुई। उद्घाटन समारोह के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने इस अवसर पर कहा कि सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता युवाओं में न केवल खेल भावना का विकास करती है, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए भी तैयार करती है। उन्होंने कहा कि राजगीर जैसे ऐतिहासिक स्थान पर इस प्रतियोगिता का आयोजन इसकी गरिमा को और भी बढ़ाता है।

खेल विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने कहा कि यह प्रतियोगिता बिहार में फुटबॉल के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस प्रतियोगिता से निकलने वाले खिलाड़ी भविष्य में राज्य और देश का नाम रोशन करेंगे।

प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में अनुमंडल पदाधिकारी राजगीर, जिला खेल पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। सभी ने इस आयोजन की सफलता के लिए अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

थार ने सड़क किनारे खड़े 4 लोगों को रौंदा, रोहतास में महिला की मौत

रोहतासः रोहतास में बेकाबू थार ने 4 लोगों को रौंद दिया। हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। 3 साल की बच्ची और 2 लोगों की हालत गंभीर है। हादसा काराकाट थाने के जमुआ पेट्रोल पंप के पास रविवार को शाम 6 बजे हुआ।

मृतका की पहचान जमुआ गांव निवासी इंदु देवी (47) के रूप में हुई है। पेट्रोल पंप के CCTV में पूरा हादसा कैद हुआ है। इसमें सड़क पर तेज रफ्तार थार आती दिख रही है। थार पहले महिला को टक्कर मारती है फिर दीवार पर बैठे लोगों को। इसके बाद वो सड़क किनारे गिर जाती है। बताया जा रहा है कि गाड़ी में सवार लोग नशे में थे।

ये हादसा पेट्रोल पंप के CCTV में कैद हुआ है। इसमें सड़क किनारे खड़ी एक महिला दिखाई दे रही है। साइड में बनी दीवार पर 2 लोग बैठे नजर आ रहे हैं।

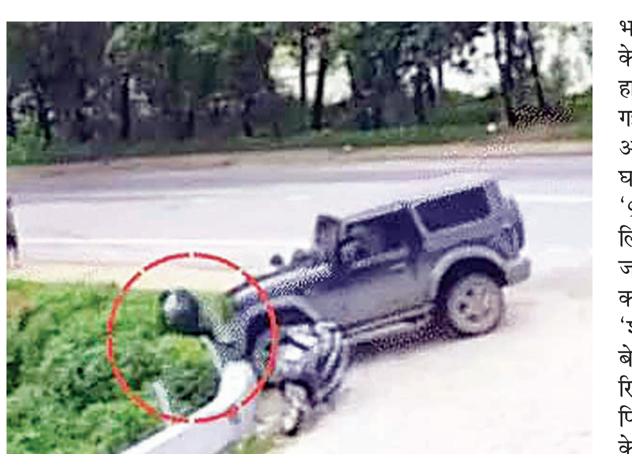

इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार में एक थार आई और महिला को उड़ाते हुए दीवार को तोड़कर सड़क किनारे गिर गई। दीवार पर बैठे लोग भी हादसे का शिकार हो गए। इसके बाद आसपास में मौजूद लोग वहां इकट्ठा हो गए।

घायलों को गोड़ारी सीएचसी में ले जाया गया, लेकिन उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बिक्रमगंज रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने थार में सवार 2 लोगों को पकड़ लिया।

थार का ड्राइवर मौके से फरार हो गया। इसके बाद गुस्साई भीड़ ने थार में बैठे दोनों युवक को जमकर पीटा। ग्रामीणों का आरोप है कि तीनों लोग शराब के नशे में थे।

कांवड़ियों की गाड़ी में दौड़ा करंट,तालाब में कूदे, 5 मौतें

भागलपुरः भागलपुर में सुल्तानगंज के करीब रविवार देर रात हुए एक हादसे में 5 कांवड़ियों की मौत हो गई। 4 घायल हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल कांवड़िए अभिषेक ने बताया, '9 लोग पिकअप से गंगा स्नान के लिए सुल्तानगंज जा रहे थे। वहां से जल भरकर जेठौर नाथ मंदिर में पूजा करने वाले थे।'

'शाहकुंड-सुल्तानगंज सड़क पर बेलथू के महतो स्थान के पास ऑटो रिक्शा को ओवरटेक करते समय पिकअप में करंट फैल गया। बचने के लिए वे 30 फीट नीचे पानी में कूद गए। ऊपर से उनके ऊपर गाड़ी गिर गई।'

सभी मृतक एक ही गांव के रहने वाले थे। घटनास्थल पर मृतकों के चप्पल और कपड़े बिखरे पड़े हैं। जल भरने के लिए ले जा रहे 5 डब्बे भी घटनास्थल पर पड़े हुए हैं।

थाने के सामने लोगों ने किया हंगामा हादसे के बाद लोगों ने सड़क जाम कर दिया। शाहकुंड थाने के मेन गेट पर शवों को रखकर जाम कर दिया। थाने के सामने आगजनी भी की। SDO विकास और DSP नवनीत कुमार मौके पर पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने लोगों को समझाने की कोशिश की, लेकिन लोग हंगामा करने लगे। जिसके बाद SDO ने कहा- 'शांत रहिए, नेता नहीं बनिए। घटना किसी के साथ भी हो सकती है।'

मौके पर सुल्तानगंज से जदयू विधायक प्रोफेसर ललित नारायण मंडल और सामाजिक कार्यकर्ता अजीत कुमार यादव सहित कई जनप्रतिनिधि भी पहुंचे।

साढ़े 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस और प्रशासन ने जाम खुलवाया। इसके लिए भागलपुर से पुलिस फोर्स बुलाया गया था।

दृश्यम मूवी देखकर कराया कांट्रेक्टर पति का मर्डर

बॉयफ्रेंड संग क्राइम सीरियल से सीखे बचने के तरीके, बेटी ने पिता को बताया था- मां का अफेयर है

पटना : हरियाणा के गुरुग्राम में बिहार के नवादा के गारमेंट एक्सपोर्ट कंपनी के कांट्रेक्टर विक्रम की हत्या में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक पत्नी सोनी किडनैपिंग से लेकर हत्या करने और शव को दफनाने तक बॉयफ्रेंड रविंद्र के संपर्क में थी। दोनों के बीच लगातार मोबाइल पर बात होती रही। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि दोनों को अवैध संबंधों के खुलने का डर सता रहा था, क्योंकि विक्रम की बेटी ने रविंद्र के मोबाइल में अपनी मां के साथ उसके अश्लील वीडियो देख लिए थे।

बेटी ने यह बात पापा विक्रम को भी बता दी थी। इससे पत्नी और उसका प्रेमी, दोनों डर गए थे कि अब उनका भेद खुल जाएगा और सारे समाज के सामने बेइज्जती होगी, घर टूटेगा वो अलग। इसी वजह से दोनों ने विक्रम को रास्ते से हटाने का पूरा प्लान बनाया।

हत्या कैसे करनी है और कैसे बचे रहना है? इसकी प्लानिंग दोनों ने बॉलीवुड मूवी दृश्यम के साथ क्राइम पेट्रोल के कई एपिसोड कई-कई बार देखकर की। दोनों हर वो लूज पॉइंट खत्म करना चाहते थे, जिससे उन पर किसी का शक ना जाए।

मगर, पत्नी सोनी की एक गलती ने इस सनसनीखेज का भंडाफोड कर दिया। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी पत्नी सोनी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया, जबकि शव को दफनाने के लिए गड्ढा खोदने वाले संतरपाल को पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है, ताकि आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत जुटा सके।

पुलिस ने मेरठ में दबिश देकर दो आरोपियों को पकड़ा

रविंद्र से पूछताछ के बाद यूपी के मेरठ के हस्तिनापुर क्षेत्र के दो युवकों मनीष और फरियाद के नाम सामने आने बाद उद्योग विहार थाने की पुलिस ने शनिवार को उनके गांव बस्तौरा नारंग में दबिश दी। पुलिस ने पहले अपनी शिकायत आमद हस्तिनापुर थाने में दर्ज कराई, फिर लोकल पुलिस को साथ लेकर दोनों युवकों के घरों में दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। हस्तिनापुर थाना प्रभारी शशांक द्विवेदी ने बताया कि गुरुग्राम पुलिस के दर्जनों पुलिसकर्मी पांच गाड़ियों में सवार होकर आए थे।

उद्योग विहार थाने के एसएचओ बलराज ने बताया कि रविंद्र के बाद मनीष और फरियाद को भी गिरफ्तार किया गया। मनीष गांव में ही मोमोज की रेहड़ी लगाता है, जबकि फरियाद बाइक रिपेयरिंग का काम करता है। फरार आरोपी इन दोनों का दोस्त है, जो रविंद्र को भी जानता था। रविंद्र के कहने पर ही मनीष और फरियाद इस वारदात में शामिल हुए।

हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, मंगलवार, 05 अगस्त, 2025 वर्ष : 13 अंक : 77 मूल्य : 3 रुपए

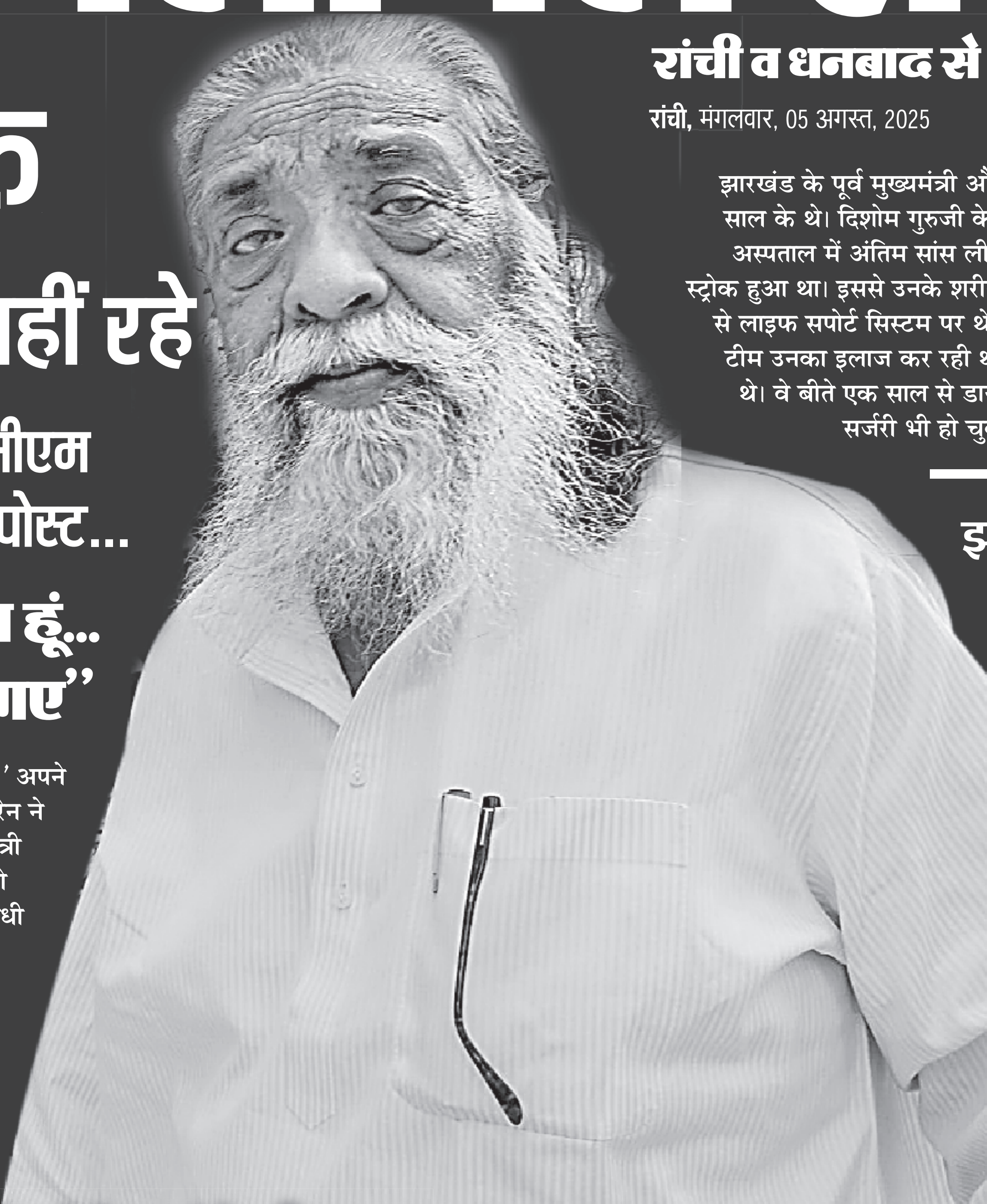

दिशोम गुरु शिबू सोरेन नहीं रहे

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन का निधन हो गया है। वे 81 साल के थे। दिशोम गुरुजी के नाम से प्रसिद्ध सोरेन ने आज सुबह दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में अंतिम सांस ली। सोरेन पिछले डेढ़ महीने से अस्पताल में भर्ती थे। उन्हें ब्रेन स्ट्रोक हुआ था। इससे उनके शरीर के बाईं ओर पैरालिसिस हो गया था। वे पिछले एक महीने से लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर थे। न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और नेफ्रोलॉजी के डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही थी। शिबू सोरेन लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे। वे बीते एक साल से डायलिसिस पर थे। उन्हें डायबिटीज थी और हार्ट की बायपास सर्जरी भी हो चुकी थी। बीते कुछ दिनों से उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी।

शिबू सोरेन के निधन पर सीएम हेमंत सोरेन ने की भावुक पोस्ट...

"आज मैं शून्य हो गया हूं... गुरु जी छोड़कर चले गए"

''आज मैं शून्य हो गया हूं...गुरु जी छोड़कर चले गए'।' अपने पिता शिबू सोरेन के निधन के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने X पर ये भावुक पोस्ट लिखी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन को 'दिशोम गुरु' के नाम से जाना जाता है। वे किडनी संबंधी समस्या से जूझ रहे थे। उन्हें करीब डेढ़ महीने पहले स्ट्रोक भी आया था। इसके बाद वे एक महीने से लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर थे। दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में नेफ्रोलॉजी विभाग के चेयरमैन डॉ. एके भल्ला और न्यूरोलॉजी की टीम सोरेन का इलाज कर रही थी। लंबी बीमारी के बाद सोमवार को दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में आखिरी सांस ली।

झारखंड में 3 दिन का राजकीय शोक

झामुमो सुप्रीमो दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से देशभर में शोक की लहर दौड़ पड़ी है. देशभर से लोग उनको श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं. गुरु जी के निधन के बाद झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र अनिश्चित काल के लिए स्थगित किया गया है. साथ ही तीन दिनों का राजकीय शोक घोषित किया गया है. झारखंड के भी तमाम नेता-मंत्री गुरु जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जताया दुःख

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन को बड़ी क्षति बताते हुए दुःख व्यक्त किया और गुरु जी को श्रद्धांजलि अर्पित की. उन्होंने कहा "जनता, विशेषकर आदिवासी समुदायों के कल्याण के लिए किये उनके कामों को सदैव याद रखा जाएगा,"

शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि देने पहुंचे पीएम मोदी, फूट-फूट कर रोये सीएम हेमंत सोरेन

दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने आज दुनिया को अलविदा कह दिया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिबू सोरेन के अंतिम दर्शन करने दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल पहुंचे. यहां उन्होंने शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित कर परिवार को ढांढस बंधाया. इस दौरान पिता के निधन से दुखी सीएम हेमंत सोरेन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिम्मत देते नजर आये.

पीएम मोदी ने गले लगाकर दी सांत्वना

पिता के निधन के बाद सीएम हेमंत सोरेन की पहली तस्वीर सामने आयी है, जिसमें वह फूट-फूट कर रोते नजर आ रहे हैं. वहीं प्रधानमंत्री गले लगाकर सीएम को सांत्वना दे रहे हैं. बहू कल्पना सोरेन के आंखों से भी आंसू छलक रहे हैं. इस दुःख की घड़ी में पीएम मोदी की आंखे भी नम दिखी.

राज्यपाल ने अर्पित की श्रद्धांजलि

राज्यपाल संतोष गंगवार ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा "पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है. राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा. शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें."

पूर्व सीएम रघुवार दास ने दी श्रद्धांजलि

झारखंड की पूर्व मुख्यमंत्री रघुवार दास ने पोस्ट कर कहा "झारखंड आंदोलन के अगुआ, दिशोम गुरु आदरणीय श्री शिबू सोरेन जी के निधन से मर्माहत हूं, स्तब्ध हूं. उनका जाना मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है. वह मेरा पिता तुल्य रहे हैं. सदैव उनका सानिध्य मुझे मिला. उनके मार्गदर्शन में मुझे उपमुख्यमंत्री के पद पर रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ."

राहुल गांधी ने जताया दुःख

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा, "झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के वरिष्ठ नेता शिबू सोरेन जी के निधन का समाचार सुनकर गहरा दुख हुआ. आदिवासी समाज की मजबूत आवाज़, सोरेन जी ने उनके हक़ और अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। झारखंड के निर्माण में उनकी भूमिका को हमेशा याद रखा जाएगा. हेमंत सोरेन जी और पूरे सोरेन परिवार के साथ-साथ गुरुजी के सभी समर्थकों को गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं."

बाबूलाल मरांडी ने जताया दुःख

झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा, "झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं झामुमो के संरक्षक श्री शिबू सोरेन जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है. उनका जाना झारखंड के लिए एक अपूरणीय क्षति है. मैं ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना करता हूं."

खरगे ने अर्पित की श्रद्धांजलि

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरु जी के निधन पर दुःख जताते हुए लिखा "झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, शिबू सोरेन जी के निधन से मैं दुःखी हूं. उन्होंने अलग झारखंड प्रदेश और वहां के लोगों के जल, जंगल, जमीन के अधिकार और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए आजीवन संघर्ष किया."

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने दी श्रद्धांजलि... *बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने पोस्ट कर कहा "झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के संस्थापक एवं आदिवासी समाज के जाने-माने दिग्गज नेता श्री शिबू सोरेन का आज इलाज के दौरान निधन हो जाने की खबर अति-दुखद. उनके पुत्र तथा वर्तमान में झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व उनके परिवार के साथ-साथ उनके समस्त समर्थकों एवं अनुयाइयों के प्रति मेरी गहरी संवेदना. कुद्‌रत उन सबको इस दुख को सहन करने की शक्ति दें."*

शिबू सोरेन अमर रहे के नारे से गूंजी विधानसभा, सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद सोमवार को विधानसभा में चल रहे मानसून सत्र की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गयी. सोमवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही 'शिबू सोरेन अमर रहे' के नारे लगे. सबसे पहले विधायक प्रदीप यादव ने शिबू सोरेन अमर रहे के नारे लगाये. इसके बाद सत्ता पक्ष के अलावे कई विधायकों ने अपने सीट पर खड़े होकर शिबू सोरेन अमर रहे के नारे लगाये.

स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने पढ़ा शोक संदेश

स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने अपने शोक संदेश में कहा कि आज का ये दिन हम सभी के लिए अत्यंत दुख और शोक का दिन है. झारखंड के महान नेता, मार्गदर्शक, झारखंड आंदोलन के पुरोधा, पूर्व सीएम, पूर्व केंद्रीय मंत्री और वर्तमान राज्यसभा सांसद गुरुजी शिबू सोरेन का सोमवार की सुबह स्वर्गवास हो गया.

शिबू सोरेन का नहीं रहना संपूर्ण भारत के लिए क्षति

रवींद्रनाथ महतो ने कहा कि शिबू सोरेन झारखंड के वंचित समाज को अंधकार से निकालकर हक-हुकूक के प्रकाश से उज्ज्वल करने वाले शिबू सोरेन का नहीं रहना झारखंड ही नहीं, संपूर्ण भारत के लिए अपूरणीय क्षति है. राजनीतिक और सामाजिक जगत में अन्याय के खिलाफ प्रतिवाद के लिए वे जाने जाते थे. हम बहुत दुखित हैं कि बाबा नहीं रहे.

इसके बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी. सोमवार को सदन की कार्यवाही 11:07 बजे शुरू हुई थी. विधानसभा का मानसून सत्र 1 अगस्त से 7 अगस्त तक आहूत किया गया था.

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर पहुंचा रांची, सबकी आंखें हुईं नम

रांचीः झारखंड के आंदोलनकारी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरू शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर सोमवार की शाम को दिल्ली से रांची लाया गया. रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर उनके अंतिम दर्शन के लिए हजारों लोग जुटे. दिशोम गुरु' को अंतिम विदाई देने पहुंचे हर व्यक्ति की आंखें नम थीं, माहौल गमगीन था और 'गुरुजी अमर रहें' के नारे गूंज रहे थे. बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से फूलों से सजे वाहन से उनके पार्थिव शरीर को मोरहाबादी स्थित गुरुजी आवास के लिए रवाना किया गया. -विस्तृत पेज 12 पर

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से झारखंड में गहरा दुख, लोगो ने किया शोक व्यक्त

संक्षिप्त खबरें...

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर संजीव बेदिया ने किया शोक व्यक्त

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य सह जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया मैं गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा की गुरु जी हमारे अभिभावक एवं मार्गदर्शक थे। राज्य ने एक अनमोल हीरा खो दिया है ,राज के लिए यह बहुत बड़ा नुकसान है इनकी भरपाई कर पाना असंभव है। झारखंड अलग राज्य दिलाने में शिबू सोरेन की योगदान को हम झारखंडी कभी भूल नहीं सकते। गुरुजी बड़कागांव अनेकों बार दौरा किया जिसमें जिसमें 2002 ,2012एवं 2014 के अलावा अन्य कई बार विशेष यादगार रहा है।शोक व्यक्त में जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया जिला सचिव नीलकंठ महतो,केंद्रीय सदस्य सोनाराम मांझी, गौरव पटेल, सुनील शर्मा ,विकास राणा,राजा खान,झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह झारखंड श्रमिक संघ जिला सचिव संजय सिंह संजय करमाली झामुमो मीडिया प्रभारी सह सोशल मीडिया आईआईटी सेल सदस्य संजय भुईयां मोहन सोरेन,नंदकिशोर भुईयां गणेशाराम सफीउल्लाह अंसारी, हेमंत भुइयां ,सरोज मेहता ,इलियास अंसारी, इंद्रदेव राम, शंकर साव दीपन साव,बसंत ठाकुर रश्मि टुडू के अलावा बड़कागांव प्रखंड और हजारीबाग जिला में कार्यकर्ताओं शोक व्यक्त किया ।

पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर संत तुलसीदास कॉलेज में शोक सभा आयोजित

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : रेहला संत तुलसीदास इंटर कॉलेज के सभागार में पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर शोकसभा का आयोजन किया गया। सभा में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। इसके अलावा दिशोंम गुरु के सम्मान में दो मिनट का मौन भी रखा गया। प्रभारी प्राचार्य अर्चना कुमारी ने शिबू सोरेन के जीवन पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। मौके पर राजीव चौबे,इरफान अहमद,रेणु कुमारी,रूपा कुमारी,सुशील यादव,इबरार खलीफा,लक्ष्मीकांत शुक्ला,अमित चौबे,प्रभाकर सिंह,अंजना कुमारी,सुभाष पांडेय,रामा तिवारी सहित कई लोग मौजूद थे।

बुढ़वा महादेव में सावन की अंतिम सोमवारी के दिन भारी संख्या में श्रद्धालु ने किया जल अभिषेक

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। झारखंड में प्रसिद्ध 751 फीट बड़कागांव महुदी पहाड़ स्थित बुढ़वा महादेव में सावन की अंतिम सोमवारी पर शिवलिंग में जलाभिषेक 50000 से अधिक श्रद्धालुओं ने जल चढ़ाया I प्रखंड से 26 अखाड़े से भारी संख्या में रजरप्पा छिन्नमस्तीके भैरवी नदी से जल उठाकर 108 किलोमीटर पैदल यात्रा कर बुढ़वा महादेव मंदिर शिवलिंग में जलाभिषेक कियाI सभी अखाड़ों के द्वारा एक से बढ़कर एक झांकी निकाली गई जिसमें हजारों लोग शामिल हुवे हर हर महादेव की जय घोष से गुंजमान हो रहा है।बुढ़वा महादेव में तकरीबन 50000 से अधिक श्रद्धालु जलाभिषेक एवं प्रसाद वितरण हेतु भंडारा का आयोजन किया गया.

घर से लापता हुए बच्चे का शव कुआं से बरामद

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बंडासिंघा में घर से लापता हुए बच्चे का शव कुआं से बरामद किया गया है। जानकारी हो कि ग्राम बंडासिंघा निवासी बीरेंद्र साव का छह वर्षीय पुत्र प्रेम राज रविवार तीन अगस्त की दोपहर एक बजे से लापता हो गया था। जिसके परिजनों ने काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चलने पर गोरहर थाना को इसकी सूचना दी थी। प्रेम राज का शव रविवार की रात 10 बजे के करीब उसके घर के समीप स्थित एक कुआं में लोगों ने पड़ा देखा।जिसके पश्चात काफी मशक्कत के बाद लोगों ने उसे कुआं से मृत अवस्था में बाहर निकाला।घटना के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है वहीं गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

अलग-अलग जगहों पर हुई सड़क दुर्घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र में हुई अलग-अलग जगहों पर सड़क दुर्घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सोमवार को हुई हादसे में ग्राम गोरहर निवासी छट्टू सिंह 50 वर्ष पिता सोबरन सिंह तथा दूसरी घटना में ग्राम बरकट्ठा निवासी हिमेश कुमार राम 18 वर्ष घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए बरकट्ठा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहाँ से चिकित्सक ने बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

मनोहरपुर में सर्पदंश से बुजुर्ग महिला की मौत

चाईबासाः पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर प्रखंड के तोरमुंडा गांव में सोमवार को सांप काटने से से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई. मिली जानकारी के अनुसार, तोरमुंडा गांव निवासी मुगली अमात (61 वर्ष) अपने घर में काम कर रही थी. इसी दौरान एक जहरीले सांप ने उसके बांए हाथ में काट लिया. उसकी तबीयत बिगड़ने लगी. इसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए मनोहरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. डॉक्टरों ने कहा कि अगर महिला को समय पर अस्पताल लाया गया होता, तो उसकी जान बचाई जा सकती थी.

शिबू सोरेन 'गुरुजी' के निधन पर सांसद मनीष जायसवाल ने जताया गहरा शोक

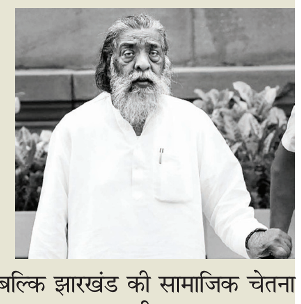

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और तीन बार मुख्यमंत्री रहे दिशोम गुरु शिबू सोरेन 'गुरुजी' के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि गुरुजी के जाने की खबर सुनकर मन अत्यंत दुखी है।सांसद जायसवाल ने शिबू सोरेन को सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि झारखंड की सामाजिक चेतना और आदिवासी समाज के संघर्षशील अध्याय का प्रतीक बताया। उनका जाना झारखंड के लिए एक बड़ी और अपूरणीय क्षति है। सांसद मनीष जायसवाल ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि वे गुरुजी की पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके शोक-संतप्त परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

शिबू सोरेन के निधन पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने व्यक्त की गहरी शोक संवेदना

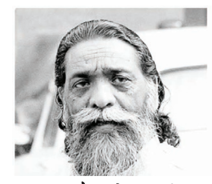

हजारीबाग। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद वरिष्ठ नेता एवं जननायक शिबू सोरेन 'गुरुजी' के निधन पर हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप प्रसाद ने गहरा शोक व्यक्त किया है।उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा कि गुरुजी का जाना केवल एक राजनेता की नहीं, बल्कि एक युग की समाप्ति है। उन्होंने जिस साहस, समर्पण और संघर्ष के साथ आदिवासी समाज की आवाज को राष्ट्रीय मंच तक पहुँचाया, वह हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। वे झारखंड के राजनीतिक इतिहास के एक स्तंभ थे, और उनके योगदान को शब्दों में समेटना असंभव है।विधायक प्रदीप प्रसाद ने आगे कहा व्यक्तिगत रूप से मैं उन्हें एक प्रेरणादायी जननायक के रूप में मानता रहा हूँ। वे सादगी, संघर्ष और सेवा की प्रतिमूर्ति थे। उनका जीवन जनसेवा और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा। प्रभु से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवार को यह असीम दुःख सहने की शक्ति दें। गुरुजी के निधन से न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश की राजनीति में एक गहरी रिक्तता उत्पन्न हुई है, जिसे भर पाना कठिन है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से झारखंड ने एक अनमोल हीरा खो दिया- जय शंकर पाठक

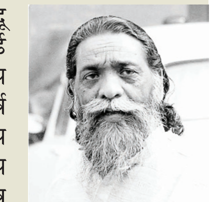

हजारीबाग। हिन्दू धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जय शंकर पाठक ने पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्य सभा के सदस्य दिशोम गुरु सिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। जय शंकर पाठक ने अपने शोक संदेश में कहा कि दिशोम गुरु सिबू सोरेन के निधन से झारखंड ने एक अनमोल हीरा खो दिया है । उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलन के पुरोधा और आदिवासी अस्मिता के प्रतिक और जन-जन के नेता सिबू सोरेन के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है उनका संपूर्ण जीवन संघर्ष, न्याय और अधिकार की लड़ाई को समर्पित रहा।वे केवल एक राज नेता नही बल्कि एक विचार थे, जो जल,जंगल और जमीन की रक्षा के लिए सदैव खड़े रहे।उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और इस कठीन समय में शोकाकुल परिवार को धैर्य व सहन शक्ति प्रदान हो इसके लिए ईश्वर से प्रार्थना की की है ।

दिशोम गुरु जनता के प्रति अटूट समर्पण रखने वाले नेता थे- जोबा माझी

चाईबासाः सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है. सांसद ने अपने शोक संदेश में कहा कि झारखंड आंदोलन के महानायक दिशोम गुरु बाबा शिबू सोरेन जी के निधन से झारखंड में एक युग का अंत हो गया. हमने गुरुजी के रूप में एक जमीनी नेता खो दिया. गुरुजी जनता के प्रति अटूट समर्पण रखने वाले नेता थे. वे जीवनपर्यंत आदिवासी समुदाय, गरीबों, वंचितों के हक के लिए लड़ते रहे. ज्ञात हो कि शिबू सोरेन के मुख्यमंत्रित्व काल में जोबा माझी मंत्री थीं. गुरुजी ने वर्ष 2014 में मोरहाबादी स्थित अपने आवास पर जोबा माझी को झामुमो की सदस्यता दिलाई थी. वह कई बार देवेंद्र माझी की श्रद्धांजलि सभा में भाग लेने गोइलकेरा आये थे. वह गोइलकेरा के सेरेंगदा भी भी कई बार शहीदों को श्रद्धांजलि देने आए थे. 2014 और 2019 के विधानसभा चुनाव में शिबू सोरेन ने पार्टी प्रत्याशी जोबा माझी के पक्ष में सेरेंगदा और लोढ़ाई में चुनावी सभा को भी संबोधित किया था. 2024 के लोकसभा चुनाव में सिंहभूम से प्रत्याशी बनाये जाने पर उन्होंने अपने हाथों से जोबा माझी को टिकट सौंपा था. चुनाव में विजयी होने के बाद जोबा माझी अपने बेटे जगत माझी और उदय माझी के साथ रांची पहुंचकर गुरुजी का आभार जताया था.

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर यासीन खान ने किया गहरा शोक व्यक्त, झारखंड ने एक अनमोल हीरा खो दिया - यासीन खान

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष यासीन खान ने पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्य सभा के सदस्य दिशोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। यासीन खान ने अपने शोक संदेश में कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से झारखंड ने एक अनमोल हीरा खो दिया है । उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलन के पुरोधा और आदिवासी अस्मिता के प्रतिक और जन-जन के नेता सिबू सोरेन के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। उनका संपूर्ण जीवन संघर्ष, न्याय और अधिकार की लड़ाई को समर्पित रहा।वे केवल एक राज नेता नही बल्कि एक विचार थे, जो जल,जंगल और जमीन की रक्षा के लिए सदैव खड़े रहे। यासीन खान ने दिवंगत आत्मा की शांति और इस कठीन समय में शोकाकुल परिवार को धैर्य व सहन शक्ति प्रदान हो इसके लिए ईश्वर से प्रार्थना भी की है ।

गुरुजी के निधन पर जादूगोड़ा में शोक की लहर

जमशेदपुरः दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर मिलते ही पूरा नरवा पहाड़ क्षेत्र शोक में डूब गया. जादूगोड़ा में सोमवार को विभिन्न संगठनों व शिक्षण संस्थानों में शोक सभा आयोजित कर गुरुजी को श्रद्धांजलि दी गई. अपनी मांगों के समर्थन में हड़ताल पर कर रहे यूसिल नरवा पहाड़ के ठेका मजदूरों ने कंपनी गेट के सामने शोक सभा आयोजित कर दिशोमगुरु को श्रद्धांजलि दी. ठेका मजदूरों ने जब तक सूरज चांद रहेगा, गुरुजी आपका नाम रहेगा के नारे लगाए. इस अवसर पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सुधीर सोरेन ने कहा कि 1980 के दशक में दिशोम गुरु शिबू सोरेन इस क्षेत्र में आए थे. आंदोलन कर कैसे हक हासिल किया जाता है. इसे गुरुजी ने सिखाया और युवाओं को आंदोलन के लिए आवाज दी. उनकी बदौलत ही झारखंड अलग राज्य बना. उनके विचार झारखंडी जनता के मन में युगों तक जीवंत रहेगा. मौके पर झामुमो के शिवचरण मुर्मू, जेएलकेएम के भागीरथी हांसदा सहित बड़ी संख्या में ठेका मजदूर मौजूद थे. सिदो-कान्हू मेमोरियल स्कूल के प्राचार्य बनवारी दास व डिवाइन मिशन स्कूल के प्राचार्य विवेक विशाल ने अपने-अपने स्तर से शोक भा आयोजित कर गुरुजी को श्रद्धांजलि दी.

गुरुजी के निधन पर समाहरणालय में शोकसभा

लातेहारः झारखंड आंदोलन के महानायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से लातेहार जिला वासी मर्माहत हैं. जिला समाहरणालय सभागार में सोमवार को शोक सभा का आयोजन किया गया. शोकसभा में पदाधिकारियों व कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर गुरुजी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और श्रद्धांजलि दी. डीसी उत्कर्ष गुप्ता ने कहा कि दिशोम गुरु का जीवन संघर्ष से भरा रहा. वे आदिवासी समाज के अधिकार व सम्मान के लिए समर्पित रहे. उन्होंने झारखंड राज्य की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उनका निधन संपूर्ण राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है. इस अवसर पर डीडीसी सैयद रियाज अहमद, आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, अपर समाहर्ता रामा रविदास समेत जिला स्तरीय कई पदाधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे. सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की.

शिबू सोरेन के निधन पर जीडीएम बालिका उच्च विद्यालय बड़कागांव में शोक सभा का आयोजन

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव प्रखंड में संचालित जीडीएम बालिका उच्च बड़कागांव में झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। सोकसभा का आयोजन विद्यालय के प्रधानाध्यापक राम लखन महतो के नेतृत्व में किया गया। वहीं प्रधानाध्यापक ने कहा कि झारखंड राज्य को एक अलग राज्य बनाने में पूर्व सीएम का बहुत बड़ा योगदान रहा । साथ ही झारखंड राज्य के लिए इन्होंने जो अपना योगदान दिए हैं इसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। वरिष्ट शिक्षिका विमली कुमारी ने कहां की जीडीएम बालिका उच्च विद्यालय में पूर्व सीएम शिबू सोरेन का आगमन सन 2002 ईस्वी में हुआ था।पूर्व सीएम का इस विद्यालय में शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान रहा है । उनके इन कृतियों को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। मौके पर प्रधानाध्यापक राम लखन महतो, वरिष्ट शिक्षिका विमली कुमारी, अशोक कुमार, अख्तर हुसैन, शोभा कुमारी, कुलदीप कुमार, शंकर कुमार महतो ,शंकर कुमार राणा, कुमारी मीना वर्मा, जितेंद्र कुमार, प्रमिला देवी, अर्जुन सिंह एवं छात्राएं उपस्थित थे।

आईआईटी-आईएसएम में खनन में बिजली सुरक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

धनबादः आईआईटी-आईएसएम धनबाद में सोमवार को खनन में बिजली की सुरक्षा व रख-रखाव विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (EDP) शुरू हुआ. विद्युत एवं अभियांत्रिकी विभाग की ओर से सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया सेमिनार हॉल अकादमिक परिसर में यह कार्यक्रम 5 दिनों तक चलेगा. उद्घाटन संस्थान के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने किया. उन्होंने कहा कि सस्टेनेबिलिटी की परिभाषा समय और संदर्भ के साथ बदलती रही है. यह केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि समग्र विकास से जुड़ी अवधारणा है. दुनिया के सभी देश सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) की दिशा में कार्य कर रहे हैं. खनन क्षेत्र में पर्यावरण संतुलन बनाए रखना अनिवार्य है.

विभागाध्यक्ष प्रो. सुकांता दास ने बताया कि यह विभाग का इस वर्ष दूसरा ईडीपी है. पिछले वर्ष पांच कार्यक्रम आयोजित किए गए थे. कार्यक्रम में प्रतिभागियों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान, बल्कि प्रायोगिक अनुभव भी दिया जाएगा. ताकी वे कार्यक्षेत्र में सुरक्षित और दक्षतापूर्वक कार्य कर सकें. कार्यक्रम के सह-अन्वेषक प्रो. प्रदीप कुमार साधु ने इसे ज्ञान-साझाकरण का उत्कृष्ट मंच बताया. कहा कि खनन में एहतियाती रख-रखाव उतना ही जरूरी है जितना उत्पादन. दुर्घटनाओं से बचाव और निरंतर संचालन के लिए यह प्रशिक्षण अत्यंत उपयोगी होगा. हर दिन शाम को प्रयोगशाला सत्र होंगे, जिनमें प्रतिभागियों को विद्युत सुरक्षा से जुड़ी तकनीकी जानकारियां सिखाई जाएंगी.

मुख्य अन्वेषक प्रो. निताई पाल ने कहा कि खनन में उत्पादन जितना जरूरी है, सुरक्षा उससे कम नहीं. मशीनों का नियमित और एहतियाती रख-रखाव एक तरह का सुरक्षा टीका है, जो भविष्य की दुर्घटनाओं से बचाने में मदद करता है. इस पांच दिवसीय कार्यक्रम में खदानों में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, माइनिंग स्विचगियर्स व सुरक्षा उपकरण, विद्युत झटके से सुरक्षा उपाय, उपकरणों की स्वस्थ निगरानी, खतरनाक दुर्घटनाओं की केस स्टडॉ, विद्युत सुरक्षा ऑडिट, लाइटनिंग प्रोटेक्शन, इमरजेंसी लाइटिंग और संचार प्रणाली विषयों पर सत्र आयोजित किए जा रहे हैं.

धोरधोरा धाम में सावन के अंतिम सोमवारी पर कई कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

बुढ़मू : ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के ऐतिहासिक धोरधोरा धाम में श्रावण माह के अंतिम सोमवारी के अवसर पर सोमवार को कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा, महाआरती, भंडारा समेत अन्य कार्यक्रम किये गये। मौके पर समिति के अध्यक्ष मोतीराम महतो के नेतृत्व में धाम में पूजा के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं के बीच चना,खिचड़ी, शर्बत आदि का भी वितरण किया गया। विदित हो कि धाम में अहले सुबह से ही बुढ़मू, कांके,मांडर,खलारी, ओरमांझी,रातू,रामगढ़ समेत अन्य जगहों से श्रद्धालुओं की भीड़ देर शाम तक पूजा के लिए आती रही। मौके पर समिति के सुरेंद्र महतो,मोतीराम महतो,शिवशंकर महतो,अशोक सम्राट, बिहारी महतो,फुलेश्वर महतो समेत अन्य सदस्य मौजूद थे।

मंत्री रामदास सोरेन के लिए जाहेरथान में हुई पूजा

जमशेदपुर : झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन गंभीर स्थिति में दिल्ली के अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती हैं. जमशेदपुर के घोड़ाबांधा के ग्रामीणों ने जाहेरथान में पूजा-अर्चना कार रामदास सोरेन लंबी उम्र व जल्द स्वस्थ होने की कामना की. नायके बाबा विक्टर सोरेन ने पारंपरिक रीति-रिवाज से पूजन-अनुष्ठान कराए. मरांगबुरू, जाहेरआयो, लिटा-मोणे व तुरूईको का आह्वान कर रामदास सोरेन के जल्द स्वस्थ होकर लौटने के लिए प्रार्थना की. ग्रामीणों ने अपने इष्ट देवता से कहा कि वे रामदास सोरेन को सकुशल देखना चाहते हैं. वे क्षेत्र समेत पूर झारखंड के लोगों की उन्नति व प्रगति के लिए प्रयासरत रहते हैं. नायके बाबा विक्टर सोरेन ने कहा कि उन्हें अपने इष्ट देवी-देवताओं में पूरी आस्था है. वे रामदास सोरेन को जल्द स्वस्थ कर जनता की सेवा के लिए सकुशल भेजेंगे. पूजा-अर्चना में राम टुडू, दुबराज बास्के, सरकार मार्डी, जीतू मुर्मू, बंसी बेसरा, जगदीश बास्के, कांतो मुर्मू समेत काफी संख्या में ग्रामीण शामिल थे.

विधायक प्रदीप प्रसाद के प्रयास से जबरा में लगा 200 केवीए का नया ट्रांसफार्मर, लोगो ने जताया आभार

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के जबरा गांव में ट्रांसफार्मर के खराब हो जाने से बीते कुछ दिनों से स्थानीय लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद ने तत्परता दिखाते हुए बिजली विभाग से संपर्क साधा।विधायक प्रदीप प्रसाद के प्रयासों से क्षेत्र में सोमवार को 200 केवीए क्षमता का नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया और बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई। उनके इस त्वरित हस्तक्षेप और संवेदनशीलता से अब जबरा के नागरिकों को नियमित और स्थायी बिजली सुविधा मिलने की उम्मीद है।इस जनहितकारी कार्य को लेकर जबरा समेत आसपास के ग्रामीणों ने विधायक प्रदीप प्रसाद के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बिहार सरकार

न्यायालय अपर समाहर्ता सिवान

-:आम सूचना:-

एतद् द्वारा नीचे अंकित विपक्षी/प्रतिवादी/वाहन स्वामी को सूचित किया जाता है कि सिवान जिलान्तर्गत सिवान नगर थाना एवं सिवान मु0 थाना से संबंधित बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत जप्त वाहनों के अधिहरण/राजसात की कार्यवाही अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में चल रही है। उक्त वादो मे विभिन्न माध्यमो से विवक्षी/प्रतिवादी/वाहन स्वामी को सुचना भेजी गई है परन्तु वे न्यायालय में अनुपस्थित है, जिनकी विवरणी निम्नवत हैः-

क्र0	वाद सं0	थाना का नाम	थाना कण्ड सं0	वाहन का निबंधन सं0	वाहन का प्रकार	वाहन स्वामी का नाम एवं पता
1	2	3	4	5	6	7
1	02/25-26	नगर थाना सिवान	737/2024	JH-10AC9100, इंजन न0:- 10AB5Z113120030, चेचिस न0:- MA6BFBLNBB081012,	कार	अनिकेश कुमार, पिता-गुरूगोविंद GEWARI SARAN,SARAN BIHAR Pin code-826001

अतः समाचार पत्रो के माध्यम से संबंधित वाहन मालिक को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित रूप मे अपना पक्ष रखे, कि क्यो नहीं कंडिका 5 में अंकित वाहन का राजसात कर दिया जाय। निर्धारित तिथि 18.08.2025 तक पक्ष प्रस्तुत नहीं करने पर यह समझा जायेगा कि संबंधित वाहन मालिक को इस संबंध में कुछ नहीं कहना है और तद्नुसार अभिलेख में उपलब्ध कागजातो/साक्ष्यों के आधार पर बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत विधिपूर्वक आदेश पारित किया जा सकेगा। विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट **www.state.bihar.gov.in/prdbihar also** पर देखा जा सकता है।

उक्त सूचना **www.state.bihar.gov.in/prdbihar** पर भी देखी जा सकती है।

अपर समाहर्ता
सिवान

PR. No. 010509 (Excise) 25-26

बिहार में शराब का व्यापार, बिक्री एवं सेवन अवैध है।
इससे संबंधित शिकायत इस नंबर पर दर्ज करायें, आपकी जानकारी गुप्त रखी जाएगी।
टॉल फ्री नं- 15545 या 1800 345 6268

गुरूजी को अपने पिता से विरासत में मिला संघर्ष और जुझारूपना

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के संघर्ष करने का स्वाभाव और जुझारूपना उन्हें उनके पिता सोबरन मांझी से विरासत में मिला था। सोबरन मांझी नेमरा क्षेत्र के सबसे पढ़े-लिखे व्यक्तियों में से एक थे और समाज में शिक्षा की अलख जगा रहे थे। उस समय झारखंड में महाजनी प्रथा चरम पर थी। लोगों को उनकी उपज का एक तिहाई ही मिलता था। बाकी महाजन ले लेते थे, जो लोग ब्याज नहीं दे पाते थे उन्हें और भी ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता था। हालांकि शिबू सोरेन के पिता सोबरन मांझी इसके खिलाफ आवाज उठाते रहे और उनकी आवाज इतनी जोरदार थी कि महाजन डर जाते थे।

ऐसे बने दिशोम गुरु

शिबू सोरेन का प्रभाव इतना बढ़ गया था कि महाजनी प्रथा और उस समय के समाज को ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बिहार में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। अगर झारखंड में ढोल की आवाज सुनाई देती तो झारखंड के लोग जान जाते कि गुरुजी का संदेश आया है। धनकटी आंदोलन ने शिबू सोरेन को आदिवासियों का नेता बना दिया। बाद में आदिवासी उन्हें दिशोम गुरु कहने लगे। दिशोम का मतलब है जंगल या जमीन। आदिवासी संस्कृति में इसका गहरा संबंध है। दिशोम गुरु का मतलब है जंगल या जमीन का नेता।

पिता की हत्या के बाद शुरू किया आंदोलन

गुरूजी के पिता का महाजनों में खौफ था। यही वजह थी कि 1957 में महाजनों के इशारे पर शिबू सोरेन के पिता की हत्या कर दी गई, लेकिन शिबू सोरेन में इतनी हिम्मत, बहादुरी और जुनून था कि उन्होंने अपनी मेहनत से पूरे परिवार को अपने पैरों पर खड़ा कर दिया। शिबू सोरेन ने महाजनी प्रथा के खिलाफ भी आवाज उठानी शुरू कर दी थी। वे इसके खिलाफ आंदोलन में कूद पड़े। उन्होंने महाजनी आंदोलन शुरू किया। इस आंदोलन में महिलाएं हाथों में दरांती और पुरुष हाथों में धनुष-बाण लेकर रहा करते थे। जमींदारों के खेतों से महिलाएं फसल काटकर ले जाती थीं। इस कारण इसे धनकटी आंदोलन भी कहा जाता था। आंदोलन में कई लोग मारे गए। शिबू सोरेन को पारसनाथ के जंगलों में भागना पड़ा। लेकिन उन्होंने आंदोलन बंद नहीं किया।

अलग राज्य बनाने में गुरूजी की रही अहम भूमिका

शिबू सोरेन का राजनीतिक सफर झारखंड को अलग राज्य बनाने में शिबू सोरेन की अहम भूमिका रही है। उनकी कहानी संघर्ष से भरी रही है। वे जीवन पर्यंत झारखंड के सबसे बड़ा आदिवासी के सबसे बड़े नेता रहे। शिबू सोरेन ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत वर्ष 1977 में की जब उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ा, लेकिन वे लोकसभा चुनाव हार गए। 1980 में उन्होंने दूसरी बार चुनाव लड़ा। इस चुनाव में उन्हें सफलता मिली और वे जीते। इसके बाद वे लगातार चुनाव जीतते गए। वर्ष 2002 में थोड़े समय के लिए शिबू सोरेन राज्यसभा के सदस्य भी रहे। गुरुजी का राष्ट्रीय राजनीति में काफी प्रभाव था और झारखंड का मामला गुरुजी के बिना दिल्ली तक नहीं पहुंचता था। अलग झारखंड राज्य। बनने के बाद शिबू सोरेन झारखंड के तीसरे मुख्यमंत्री बने थे।

अलग राज्य झारखंड के लिए आंदोलन

धनकटी आंदोलन ने झारखंड आंदोलन को भी जोर दिया। चार फरवरी 1972 को बिनोद बिहारी महतो, शिबू सोरेन और एके राय ने बैठक कर तय किया कि एक पार्टी बनाई जाएगी। जो अलग राज्य झारखंड की मांग करेगी। इस पार्टी का नाम पड़ा झारखंड मुक्ति मोर्चा। झारखंड को अलग राज्य बनाने की मांग पहले से की जा रही थी, लेकिन झामुमो के गठन के बाद इसने और जोर पकड़ लिया। उनकी मेहनत रंग भी लाई और 15 नवंबर 2000 को अलग राज्य झारखंड का गठन हुआ। 1972 में झारखंड मुक्ति मोर्चा का जब गठन हुआ, उस समय बिनोद बिहारी महतो झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष बने और शिबू सोरेन महासचिव बने। बाद में झारखंड मुक्ति मोर्चा की कमान शिबू सोरेन के हाथों में आ गई और तब से झारखंड मुक्ति मोर्चा का झारखंड में दबदबा है और शिबू सोरेन इसकी धुरी रहे। उनके निधन से आदिवासी समाज ने एक बड़ा नेता खो दिया है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से पूरे देश में शोक की लहर है। उनके पैतृक गांव नेमरा और उनके दुमका के खजुरिया गांव स्थित आवास पर सन्नाटा पसरा हुआ है। शिबू सोरेन के निधन की खबर ने सभी को स्तब्ध कर दिया है।

वे हमेशा हमारे नेता रहेंगे

नेमरा गांव के स्थानीय लोगों ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने हमें आदिवासी पहचान दिलाई। वे हमारे नेता थे और हमेशा रहेंगे। हम उनके किए गए कार्यों से हमेशा प्रेरित रहेंगे। शिबू सोरेन एक सच्चे नेता थे, जिन्होंने हमेशा आदिवासी समाज की आवाज उठाई। उनका जाना न केवल उनके परिवार के लिए बल्कि पूरे झारखंड के लिए एक बड़ी क्षति है। नेमरा गांव शिबू सोरेन का पैतृक गांव है, जो तीन तरफ से पहाड़ों से घिरा हुआ है। चंदवा टुंगरी पहाड़, ढेंकाकोचा पहाड़ और बड़े कोचा पहाड़ यहां स्थित है। यह झारखंड की आदिवासी संस्कृति का प्रतीक है। यहां के लोग सादा जीवन जीते हैं और अपनी परंपराओं को बनाए रखते हैं। दिशोम गुरु शिबू सोरेन की कड़ी मेहनत और संघर्ष ने इस गांव को पहचान दिलाई।

दुमका आवास पर पसरा सन्नाटा

झारखंड राज्य आंदोलन के अगुआ रहे दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद उनके दुमका के खजुरिया गांव स्थित आवास पर भी सन्नाटा पसरा हुआ है। आमतौर पर यहां उनके आवास पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भीड़ रहती है। लोगों की आवाजाही लगी रहती है पर जैसे ही उनके निधन की सूचना मिली लोगों में शोक व्याप्त है। वे काफी दुख में है, क्योंकि उनके दिल में बसने वाले गुरुजी अब इस दुनिया में नहीं रहे। इस खबर के आने के बाद उनके आवास पर जो झामुमो का झंडा है उसे झुका दिया गया है।

खिजुरिया आवास से चलती थी अलग राज्य के आंदोलन की गतिविधियां

उल्लेखनीय है कि 70 के दशक में शिबू सोरेन दुमका आए थे। यहां के खिजुरिया स्थित उनके आवास में अलग झारखंड राज्य के आंदोलन की रणनीति बनती। पूरे संथालपरगना और अन्य जिलों से उनके समर्थक, झामुमो के कार्यकर्ता इस आवास में एकत्रित होते, मीटिंग में विचार विमर्श होता कि कैसे इस राज्य को बिहार से अलग करना है। आने वाले लोगों से गुरुजी शिबू सोरेन जो बात करते उसे लोग एक संदेश के तौर पर लेते और फिर गांव-गांव जाकर अलग झारखंड राज्य के आंदोलन की गतिविधियां चलाते। आम लोगों में इसके प्रति अलख जगाते कि इस राज्य का अलग होना क्यों जरूरी है। आखिरकार उनका यह प्रयास रंग भी लाया था और सन 2000 में झारखंड राज्य अस्तित्व में आया।

आठ बार दुमका से रहे सांसद

दुमका से शिबू सोरेन का काफी गहरा संबंध रहा। पहली बार वे 1980 में दुमका लोकसभा सीट जीतकर संसद पहुंचे थे। वे कुल आठ बार दुमका संसदीय चुनाव जीते। साथ ही इस लोकसभा क्षेत्र के जामताड़ा और जामा से विधायक भी रहे। कुल मिलाकर दुमका के लोगों ने उन्हें हमेशा अपना नेता माना। जनप्रतिनिधि बनाया और उन्हें अपनी पलकों पर बिठा कर रखा।

वहीं गुरूजी के निधन पर दुमका के वर्तमान सांसद और झामुमो के वरिष्ठ नेता नलिन सोरेन ने शिबू सोरेन के निधन पर शोक जताया है। उनका कहना है कि शुरू से ही अलग झारखंड राज्य के आंदोलन को लेकर हम गुरुजी के साथ रहे और उनके बताए गए मार्ग पर चलते रहे। उनके निर्देश को हम लोग संदेश के रूप में लेते थे। उन्होंने कहा कि उनका हमेशा आशीर्वाद मुझे प्राप्त रहा। वे गरीब-गुरबा और समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज रहे। उनका निधन झारखंड ही नहीं पूरे देश के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है, जिसकी भरपाई मुश्किल है।

झामुमो का भावुक संदेश

आज झारखंड की हवा शांत है

आदिवासियों के प्रणेता शिबू सोरेन के निधन पर देशभर से शोक संदेश आ रहे हैं. वहीं अपने मुखिया के निधन पर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भी शोक संदेश जारी किया है, लिखा है -

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से पूरा झामुमो शोक में डूब गया है. झामुमो ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि आज झारखंड की हवा शांत है...जंगल सिसक रहा है...नदियां-पहाड़ मौन हैं और... हमारी आत्मा रो रही है....झारखंड निर्माता दिशोम गुरु अब हमारे बीच नहीं रहे! आगे लिखा है कि हमारे बीच से सिर्फ एक नेता नहीं गए - एक युग पुरुष, दिशोम गुरु, मार्गदर्शक, झारखंड की आत्मा - आदरणीय शिबू सोरेन जी हम सभी को छोड़कर प्रकृति की गोद में समा गए हैं. ये सिर्फ शोक नहीं, एक युग का अंत है.

वो हमारे लिए पहाड़ की तरह अडिग और नदी की तरह सहज थे: दिशोम गुरु कोई नाम नहीं था, वो हमारे आंदोलन की रगों में बहता हुआ एक विश्वास था. वो हमारे लिए पहाड़ की तरह अडिग और नदी की तरह सहज थे. एक ऐसा नेतृत्व, जो न कभी झुका, न कभी थका. उन्होंने हमें सिर्फ राजनीति करना नहीं सिखाया, बल्कि उन्होंने हमें अपने लोगों से प्यार करना, उनकी तकलीफ को महसूस करना और उनके हक-अधिकारों के लिए पूरे हौसले से लड़ना सिखाया.

वे पिता स्वरूप थे: हममें से कई लोगों के लिए वे पिता स्वरूप थे. हमारे सपनों में उनका खून-पसीना लगा था. उन्होंने हमसे कहा था- झारखंड केवल एक भूगोल नहीं, यह हमारी पहचान है. इसे बचाना, संवारना और मजबूत करना ही हमारा कर्म है.

हमें हाथ पकड़कर चलना सिखाया: उन्होंने हमें हाथ पकड़कर चलना सिखाया. जब हम पहली बार गांव-गांव में संगठन बनाने निकले थे. जब डर था, संसाधन नहीं थे, तब उनका विश्वास हमारे साथ था. उन्होंने हमें कहा था - हमारे लोगों को कभी मत छोड़ना. उनकी आवाज बनो. सत्ता आएगी-जाएगी, लेकिन अपनी मिट्टी और अपने लोग नहीं बदलने चाहिए. और यही उन्होंने खुद भी करके दिखाया.

उनका जीवन एक संघर्ष था: उनका जीवन एक संघर्ष था - पहले जमींदारों से, फिर व्यवस्था से, फिर इस देश की राजनीतिक सोच से - जो आदिवासियों, शोषितों और वंचितों को हाशिये पर रखती थी. लेकिन उन्होंने हर मोर्चे पर डटकर लड़ाई लड़ी. संघर्ष करते हुए जेल गए, जान को खतरा हुआ, लेकिन डिगे नहीं. और आखिरकार उन्होंने झारखंड का सपना साकार किया और एक उन्नत झारखंड की नींव रखी. आज की पीढ़ियां उनके संघर्षों की गाथाएं सुनकर बड़ी हुई हैं. और अब, जब वे हमारे बीच नहीं हैं, हमें उनके अधूरे सपनों को पूरा करना है - एक समतामूलक, स्वाभिमानी, स्वशासी और उन्नत झारखंड का.

झारखंड को दिशा दी, नाम दिया, पहचान दी: दिशोम गुरु जी ने झारखंड को दिशा दी, नाम दिया, पहचान दी. हम सबको परिवार की तरह पाला. आज आपके जाने से हमारा हृदय निर्जीव हो गया है, लेकिन आपकी प्रेरणा में ही हमारा संकल्प है. आपका जीवन दीपक की तरह था - खुद जलते रहे, लेकिन सबको रोशनी देते रहे. आपकी कमी कोई नहीं भर सकता, लेकिन आपके मार्ग पर चलना ही अब हमारा कर्तव्य है. झारखंड मुक्ति मोर्चा परिवार की ओर से, हम आपको विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं.

आपका आशीर्वाद सदा बना रहे..... आपका सपना - हमारा संकल्प बने... झारखंड निर्माता दिशोम गुरु सदैव अमर रहें... वीर दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहें.... अंतिम जोहार दिशोम गुरुजी!

गुरुजी पिता तुल्य थे, उनका जाना अभूतपूर्व क्षति : मंत्री

रांची: मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह झारखंड ही नहीं, पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि गुरुजी झारखंड के निर्माता, आदिवासी समाज के पुरोधा और गरीबों के सच्चे मसीहा थे। उन्होंने न केवल झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाया, बल्कि आदिवासी समाज को अंधकार से निकालकर अधिकार और आत्मसम्मान के उजाले की ओर ले गए। इरफान अंसारी ने कहा कि गुरुजी उनके लिए पिता तुल्य थे। उन्होंने बताया कि जब भी उनसे भेंट होती थी, वे मुझे गरीबों और वंचितों के हक में काम करने के लिए प्रेरित करते थे। स्नेहपूर्वक कहते थे, इरफान, अगर कभी किसी चीज़ की ज़रूरत हो तो निःसंकोच बताना। उनकी ये बातें और आशीर्वाद हमेशा मेरे लिए प्रेरणा रहेंगे। मंत्री ने मरांगबुरू से प्रार्थना किया कि गुरुजी की दिवंगत आत्मा को शांति मिले और शोकसंतप्त परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य और संबल प्रदान हो।

शिबू सोरेन के निधन पर दो दिन बंद रहेगा झारखंड पुलिस मुख्यालय, डीजीपी ने जारी किया आदेश

रांची : झारखंड सरकार ने दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन पर तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है. इस दौरान दो दिन झारखंड पुलिस मुख्यालय बन्द रहेगा. इसको लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता के द्वारा सोमवार को एक आदेश जारी किया गया है. जारी आदेश में कहा गया है कि पूर्व मुख्यमंत्री, सह-राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर सरकार के द्वारा चार अगस्त से छह अगस्त तक राजकीय शो घोषित किया है. इस दौरान कोई भी सरकारी कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जाएंगे.

शोक की अवधि तक राष्ट्रीय झंडा आधा झंडा झुका रहेगा. इस दौरान डीजीपी ऑफिस चार और पांच अगस्त को बन्द रहेंगे.

संक्षिप्त खबरें...

सिविल सोसायटी के सदस्यों ने दिया दिशोम गुरु को विनम्र श्रद्धांजलि

दुमकरःझारखण्ड अलग राज्य आन्दोलन के प्रनेता राज्यसभा सदस्य,पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व कोयला मंत्री भारत सरकार परम दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से हम सभी अत्यंत शोकाकुल और मर्माहत है।दिशोम गुरु का व्यक्तिगत प्रारम्भिक जीवन काफी संघर्षपूर्ण रहा ।अलग राज्य गठन को लेकर इनके नेतृत्व में वर्षों तक लड़ाई लड़ने के बाद ही हम आज अपने अलग राज्य में रह रहे हैं।उनका सम्पूर्ण जीवन संघर्ष, बलिदान और आदिवासी अस्मिता की बुलंद आवाज रहा। उन्होंने न केवल झारखण्ड की आत्मा को स्वर दिया बल्कि अपने चिंतन,कर्म और नेतृत्व से उसे दिशा भी प्रदान की।वे सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि जनजातीय चेतना के पुरोधा, सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर और जनआंदोलनों के प्रेरणास्रोत थे।उन्होंने हर वर्ग की आवाज को सशक्त करने का कार्य किया।झारखण्ड और देश की राजनीति में उनका योगदान अमिट और युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगा।1980 में पहली बार दुमका लोकसभा से निर्वाचित हुए, केन्द्रीय कोयला मंत्री के साथ झारखंड में तीन तीन बार मुख्यमंत्री की शपथ दिलाई गई।झारखंड आज एक जमीनी आंदोलनकारी और स्वयं को स्थापित कर नेता बने जननायक की उपाधि भी जिनके लिए कम है ऐसे धरती पुत्र को खो दिया।मनावता के इस महामानव को सिविल सोसायटी दुमका के अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा,उपाध्यक्ष प्रेम केशरी,सचिव संदीप कुमार जय बमबम,कोषाध्यक्ष सूरज केशरी,कार्यकारिणी सदस्य लक्ष्मी नारायण साह,अशोक कुमार राउत,रामानंद मिश्र बाबा,रामाकांत साह,राजेश कुमार राउत,अरुण कुमार सिन्हा,डॉ कुंदन झा,डॉ शम्भू कुमार सिंह, डॉ विनय कुमार सिन्हा,मनोज भालोटीया,प्रिया रक्षित,पूनम भगत,सुमिता सिंह, अरबी खातून,राजेश कुमार चौरसिया,मनोज कुमार साह,मुकेश कुमार,सचिन नंदी, चंद्रदेव राउत,चंद्रशेखर राउत अखिलेश झा, संतोष गोस्वामी सहित दुमका की आम जनता विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

सर्पदंश से बच्ची की हुई मौत, परिवार में मचा कोहराम, गांव में पसरा मातम

कोयलांचल संवाद संवाददाता

हंटरगंज(चतरा) चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के डुमरीकला पंचायत अंतर्गत बेला गांव के बरूण टोला में दस वर्षीय बच्ची की सर्पदंश से मौत हो गई है। बच्ची चौथी कक्षा की छात्रा थी। इस घटना के बाद गांव में मातम पसरा है। जानकारी के अनुसार बेला निवासी सोनू भारती के 10 वर्षीय पुत्री पूजा कुमारी रविवार देर रात्रि घर के कमरे में भूमि पर सोई थी तभी उसे सांप ने डस लिया। बच्ची को हाथ में कुछ काटने का अहसास हुआ तुरंत बच्ची शोरगुल की इसके बाद परिजन जग गए। आनन फानन में घायल बच्ची को परिजनों ने एक निजी अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर खबर सुनते ही पूरे गांव में मातम पसर गया। परिजनों के चीख चीत्कार से आसपास का माहौल गमगीन है।पीड़ित परिवार ने सरकार से उचित मुआवजा की मांग की है। लोगों से अपील है कि जमीन पर सोने से बचें, खासकर रात में चूंकि अधिकतर सांप रात के समय ही घर के दरारों की ओर से प्रवेश करते हैं.

दुमका के लकड़ी मीलो को खुलवाने को लेकर बैठक आयोजित

दुमकरःझारखण्ड प्रदेश विश्वकर्मा समाज जिला दुमका की कोर कमेटी की बैठक जिला कार्यालय ग्रांट स्टेट में जिला अध्यक्ष गंगाधर शर्मा के अध्यक्षता में किया गया। जिला अध्यक्ष गंगाधर शर्मा ने कहा कि दुमका के लकड़ी मिलो को खुलवाने एवं लकड़ी की अन्य समस्याओं को लेकर 1 जुलाई को विश्वकर्मा समाज द्वारा विशाल रैली का आयोजन किया गया था। जिसमें हजारों की संख्या में समाज के लोग सड़क पर उतरे थे. 1 महीने से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी वन विभाग से किसी तरह की राहत का आश्वासन नहीं मिला है। डी.एफ.ओ से मिलने पर उन्होंने कहा कि मैं 25 सेफ्टी लकड़ी लाने, ले जाने का छूट नहीं दे सकता हूं। परमिट का ही लकड़ी चिराना पड़ेगा, टीपी परमिट को भी सरल नहीं कर सकते है ।लेकिन जरमुंडी के सभी लकड़ी मिलो में धड़ल्ले से बिना परमिट वाले लकड़ी की चिराई किया जा रहा है। और हजारों सेफ्टी लकड़ी दुमका जिला से बाहर अन्य राज्यों में भेजा जा रहा है ।इस पर वन विभाग कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है। इधर दुमका के बढई कारीगर लकड़ी के अभाव में बेरोजगार हो गए हैं और भुखमरी का सामना कर रहे हैं। यह बढई कारीगरों के साथ घोर अन्याय है। अगर जल्द ही हमारी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया और दुमका का लकड़ी दुमका जिला से बाहर जाने से नहीं रोका गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। हम लोग लकड़ी की समस्याओं को लेकर दुमका जिला के अगल-बगल के सभी विधायकों को ज्ञापन देंगे ।ताकि हमारी समस्याओं को विधानसभा में उठाया जा सके और इसका निदान हो सके। बैठक में प्रदेश महासचिव जयप्रकाश शर्मा, प्रदेश सचिव पवन शर्मा, जिला कार्य समिति सदस्य नीलू मारिया, मुकेश शर्मा, नागेंद्र शर्मा एवं अन्य सदस्य गण उपस्थित थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोकसभा आयोजित, उपायुक्त अभिजीत सिन्हा सहित जिले के वरीय पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने दिवंगत आत्मा को अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि

दुमकाः झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर उपायुक्त आवास परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया।इस अवसर पर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा सहित जिले के वरीय पदाधिकारी एवं कर्मियों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। उपस्थित सभी ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की एवं दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

चिकनियां एवं कुरुमटांड़ गांव के ग्रामवासियों ने शिविर लगाकर की डाक बम कांवरियों की सेवा

दुमकाःहर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जामा प्रखंड क्षेत्र के चिकनियां एवं कुरुमटांड़ गांव के ग्रामवासियों द्वारा रविवार की रात से सोमवार की सुबह तक सावन महीने के प्रत्येक सोमवारी पर डाक बम सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। मौके पर राजवीर प्रीमियम वाटर द्वारा निशुल्क पानी की व्यवस्था की जाती है। मुख्य रूप से दर्द निवारक दवाई, स्प्रे, लोशन, पानी, शरबत, नींबू पानी, फ्रूटी, माजा, लस्सी, पंचमेवा, केला, सेब, नासपती, नवरत्न तेल इत्यादि सामग्री से डाक बमों की बम भोले डाक सेवा समिति के सेवकों द्वारा निस्वार्थ भावना से सेवा की गई। बम भोले डाक सेवा समिति के दिनेश कुमार यादव के अगुवाई में मनोज चौधरी, प्रदीप महारा, भैरो मंडल, रमेश कुमार, कौशल कुमार मंडल, पवन महारा, गौतम कुमार, अमित कुमार, नीतीश रंजन, अभिषेक आलोक, राम कुमार, अजय ,जयराम, कुंदन कुमार, दीपक, राजेश, जिवेश, निर्मल, बादल, नीतीश, बिमल, मोनू, सरोज, गौरव, विशाल, समर, बंधन, शिवम, उदय व अन्य उपस्थित थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय दुमका के सभागार में शोकसभा का आयोजन

दुमकाःप्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय दुमका के सभागार में सोमवार को झारखंड की राजनीति, समाज और संस्कृति के अप्रतिम शिल्पकार, दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहन शोक व्यक्त करते हुए शोक सभा का आयोजन किया गया। इस शोकसभा की अध्यक्षता प्रमंडलीय आयुक्त लालचन्द डाडेल ने की।शोक सभा की शुरुआत दिशोम गुरुजी शिबू सोरेन जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दो मिनट के मौन धारण करते हुए श्रद्धांजलि के साथ की गई। उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मियों ने इस दुखद घड़ी में राष्ट्र, राज्य एवं विशेष रूप से आदिवासी समाज एवं झारखण्ड को हुई इस अपूरणीय क्षति पर शोक प्रकट किया।प्रमंडलीय आयुक्त लालचन्द डाडेल ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक आंदोलन के प्रतीक थे। उन्होंने झारखंड के आदिवासी समाज समेत सभी वंचित समाज के लोगों को पहचान, अधिकार और स्वाभिमान दिलाने के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष किया। उनका पूरा जीवन समाज के वंचित, शोषित एवं उपेक्षित वर्गों की सेवा में समर्पित रहा। उनके विचार और सिद्धांत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत रहेंगे। शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल के रामगढ़ जिला क्षेत्र के नेमरा गाँव में हुआ था।उन्होंने सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज बुलंद की और आदिवासियों के भूमि अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वशासन के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया। झारखण्ड राज्य के निर्माण में उनके कृत योगदान को कभी भूलाया नहीं जा सकता है।

वे तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने और भारत सरकार में कोयला मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे। लोकसभा एवं राज्यसभा में भी उन्होंने झारखंड की बात को पूरे देश के सामने दृढ़ता से रखी।

शोक सभा में उपस्थित अधिकारियों ने अपने-अपने विचार साझा किए।आयुक्त के सचिव अमित कुमार ने कहा कि दिशोम गुरुजी के नेतृत्व में झारखंड की आत्मा को आवाज मिली। शिबू सोरेन का जीवन आदिवासी अस्मिता का प्रतीक रहा। उन्होंने संथाली, मुंडारी, उरांव, हो और अन्य जनजातीय समाजों के साथ-साथ सभी वंचित समाजों के सांस्कृतिक गौरव को पुनर्जीवित करने का कार्य किया। उनकी भाषा, वेशभूषा और परंपराओं को मान्यता दिलाने में उनकी अग्रणी भूमिका रही।

क्षेत्रीय विकास पदाधिकारी विभूति मंडल ने कहा कि उनके निधन से न केवल झारखंड बल्कि संपूर्ण भारत ने एक युगद्रष्टा नेता और समाज सुधारक को खो दिया है

सभा का समापन करते हुए प्रमंडलीय आयुक्त डाडेल ने दिवंगत आत्मा की शांति हेतु सभी से सामूहिक प्रार्थना करने का आग्रह किया। इस दौरान प्रशाखा पदाधिकारी राजेश कुमार, मो अमजद हुसैन, प्रमोद कुमार मुर्मू, सहायक प्रशाखा पदाधिकारी सह आयुक्त के निजी सहायक सौरभ कुमार तिवारी, नाजिर आदित्य अभिषेक, विधान चक्रवर्ती, भादू देहरी, शुभम सौरभ, राहुल हांसदा, बाबूराम हेम्ब्रम, बाबुचाँद मुर्मू, आलम हांसदा, राजकिशोर मांझी, कुंदन कुमार, पंचानंद झा, प्रकाश राम, परमानंद रजक, परीक्षित शील, जलधर महाता आदि उपस्थित थे।

दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए तोकीपुर शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान में शोक सभा का आयोजन

दुमकाःसर गंगा राम हॉस्पिटल, नई दिल्ली में श्री शिबू सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्य सभा सांसद का निधन हो गया। इस दुखद समाचार को सुनते ही तोकीपुर शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षणार्थियों की आंखें नम हो गई। सभी शिक्षक एवं शिक्षाकेत्तर कर्मचारी भी समाचार सुनते ही दुःखी हो गए। उनके निधन पर महाविद्यालय के सचिव नोरेन कुमार मोदी ने झारखंड की अपूर्णीय क्षति बताते हुए, उनके शोक सभा मनाने का आदेश दिया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ कल्पना कुमारी की अध्यक्षता में सभी शिक्षक एवं शिक्षाकेत्तर कर्मचारियों के साथ-साथ सभी प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा महाविद्यालय में शोक सभा का आयोजन किया गया। महाविद्यालय में उपस्थित सभी ने ईश्वर से उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की। झारखंड राज्य अलग करने में शिबू सोरेन का बहुमूल्य योगदान रहा है। झारखंड सरकार के पत्रांक-02/2012833 दिनांक-04-08-2025 के आलोक में उनके निधन पर महाविद्यालय में दो दिवसीय अवकाश की घोषणा कर दी गई है।

चौपारण थाना के 40 वें थाना प्रभारी के रूप में एएसआई सूरज सिंह चौधरी ने दिया योगदान

थाना क्षेत्र को अपराध मुक्त बनाना मेरी पहली प्राथमिकता- थाना प्रभारी

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग) चौपारण थाना के नवनियुक्त थाना प्रभारी के रूप में एएसआई सूरज सिंह चौधरी ने अपना कार्यभार संभाल लिया है। एएसआई सूरज सिंह चौधरी 2018 बैच के अधिकारी हैं। चौपारण थाना आने से पूर्व टाटी झरिया थाना प्रभारी के रूप में अपना योगदान दे रहे थे। शनिवार को श्री सिंह ने चौपारण थाना में अपना कार्यभार संभाल लिया।

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि से बातचीत करते हुए नवनियुक्त थाना प्रभारी सूरज सिंह चौधरी ने बताया कि थाना क्षेत्र में विधि व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। थाना क्षेत्र को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में मेरा हर संभव प्रयास होगा। एनडीपीएस के कानून का शख्ती से पालन करना मेरी प्राथमिकता होगी। दनुवा घाटी जैसे दुर्घटना प्रभावित क्षेत्र के लिए मैं हमेशा तत्पर रहूंगा। चौपारण थाना क्षेत्र को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में ठोस एवं कारगर कदम उठाए जाएंगे।

नव नियुक्त थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस और पब्लिक के बीच एक समन्वय बनाकर थाना क्षेत्र को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में सार्थक कदम उठाए जाएंगे।

थाना प्रभारी ने कहा कि आम लोगों की समस्याओं का त्वरित निदान किया जाएगा। आम जनता अपनी समस्या लेकर निः संकोच थाना से संपर्क करें उनकी समस्याओं का त्वरित निदान करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। आम जनता से नवनियुक्त थाना प्रभारी ने अपील करते हुए कहा कि आम जनता के सहयोग के प्रति मैं सदैव तत्पर रहूंगा।

थाना क्षेत्र में विधि व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने में कोई कमी नहीं की जाएगी।

सावन की अंतिम सोमवारी पर केसरियामय हुआ बासुकीनाथ धाम,हर-हर महादेव एवं बोल बम के जयघोषों से गूंजा सम्पूर्ण मेला क्षेत्र

दुमकाः सावन की अंतिम सोमवारी पर बासुकीनाथ धाम आज केसरिया आस्था से सराबोर हो गया। हर हर महादेव और बोल बम के गगनभेदी नारों ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। श्रद्धालुओं की कतारें भक्ति की लय में थीं, और अर्घा के माध्यम से जलार्पण करते हुए हर भक्त शिवत्व की अनुभूति कर रहे हैं।इस अवसर पर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर संपूर्ण व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कंट्रोल रूम के माध्यम से मेला क्षेत्र के प्रत्येक गतिविधि पर सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने प्रतिनियुक्त अधिकारियों को अलर्ट मोड में कार्यरत रहने का निर्देश देते हुए कहा श्रद्धा के इस महासागर में अगर व्यवस्था की नाव डगमगाए नहीं, तो वही सच्ची सेवा है।मेला क्षेत्र में सुरक्षाबलों की तैनाती सुनिश्चित की गई है, जो श्रद्धालुओं को कतारबद्ध रूप से सहजता से दर्शन एवं जलार्पण में सहयोग कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरे मेला क्षेत्र में व्यापक प्रबंधन किया गया है।उपायुक्त द्वारा स्वास्थ्य शिविर का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने चिकित्सा कर्मियों को संवेदनशील और सतर्क रहने के निर्देश दिए ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके। अंतिम सोमवारी पर बासुकीनाथ धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है| बासुकीनाथ का आज का दृश्य देखकर कहा जा सकता है कि जब शासन और श्रद्धा मिलकर चलते हैं, तो व्यवस्था भी भक्ति में बदल जाती है।यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्म-अनुशासन, समर्पण और सेवा का जीवंत उदाहरण बना। जैसे शिव सृष्टि के केंद्र हैं, वैसे ही यह आयोजन व्यवस्था और आस्था के संतुलन का केंद्र बन गया।

दिसोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस दुमका में शोक सभा का आयोजन

दुमकाः दिसोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन हो जाने पर डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका में प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस की अध्यक्षता में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गुरु जी के आत्मा की शान्ति के लिए विद्यालय परिवार के सदस्यों द्वारा दो मिनट का मौन भी रखा गया। दिसोम गुरु के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस ने कहा कि गरीबों के मसीहा धरती पुत्र दिसोम गुरु शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन से झारखण्ड में जो शून्यता आई है उसे पूरा नही किया जा सकता। राजहंस ने कहा कि दिसोम गुरु के अचानक चले जाने से झारखंड की राजनीति के पुरोधा एवं सबसे बड़े स्तंभ का अवसान हो गया है।कहा कि झारखण्ड राज्य के निर्माण में गुरु जी की प्रमुख भूमिका रही है।मौके पर उपस्थित पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ दिलीप कुमार झा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि दिसोम गुरु के आकस्मिक निधन से झारखण्ड राज्य के एक अभिभावक का अवसान हो गया है।डॉ दिलीप ने कहा कि हमने आज एक प्रेरणास्रोत मार्गदर्शक खो दिया है।शोक सभा मे उपस्थित इंटर संकाय प्रभारी मुदस्सर सुल्तान, शिक्षक अमित कुमार पाण्डेय, संजीव कुमार सिंह, रूपेश कुमार झा, संजय कुमार सिन्हा, प्रदीप कुमार, अर्चना कुमारी, सुशीला किस्कू, प्रकाश कुमार घोष, शिवराम सिमोन टुडू एवं तरन्नुम परवीन के अलावे विद्यालय के सभी सदस्यों ने दिसोम गुरु के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए गहरी सम्बेदना व्यक्त की।

लीलाजन नदी से जल भरकर हजारों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक

कोयलांचल संवाद संवाददाता

हंटरगंज(चतरा) सावन माह की चौथी एवं अंतिम सोमवारी को श्रद्धालुओं ने लीलाजन नदी से जल भरकर पैदल विश्व ख्याति प्राप्त तीन धर्मो के संगम स्थल सुप्रसिद्ध कौलेश्वरी स्थित बाबा भोलेनाथ पर जलाभिषेक किया। शिव भक्तों ने लीलाजन नदी से विधिवत पूजा अर्चना कर गाजे- बाजे के साथ बोल बम की जयकारे लगाते हुए कौलेश्वरी पहाड़ पर स्थित भगवान भोले का जलाभिषेक किया। जल यात्रा में प्रखंड के विभिन्न गांव से शिव भक्त श्रद्धालु पहुंचे थे।

इस जल यात्रा में हंटरगंज के गोदोवार स्थित सरस्वती कोचिंग सेंटर के सैकड़ो छात्र एवं छात्राएं बड़ी संख्या गेरुआ पोशाक पहनकर फल्गु नदी से जल भरकर पैदल यात्रा करते दिखे। पैदल यात्रा कर रहे शिव भक्तों की सहायता एवं सुरक्षा को लेकर प्रखंड के दर्जनों समाजसेवी तत्पर दिखे। समाजसेवियों द्वारा सभी शिव भक्तों के लिए कालेश्वरी पहाड़ पर खाने-पीने एवं फल की व्यवस्था की गई थी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अभय सिंह, भवानी सिंह, परशुराम जी, कुंदन कुमार सिन्हा ,राजीव रंजन, पंकज सिंह, दिलीप कुमार विश्वकर्मा के साथ विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल जैसे हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता मौजूद थे।

पटमदा के बोटा में अंतिम सोमवार को भोले बाबा का भव्य श्रृंगार एवं रुद्राभिषेक पूजा किया गया ,सैकड़ों लोग भोग ग्रहण किए

जमशेदपुर । पटमदा बोड़ाम चौक पर बोटा स्थित श्री श्री शिव दुर्गा बजरंग मंदिर में सावन के अंतिम सोमवारी पर भोले बाबा का भव्य श्रृंगार कर धूमधाम से रुद्राभिषेक पूजा किया गया । इस अवसर पर मंदिर कमेटी की ओर से सैकड़ों लोगों के बीच भोग का वितरण किया गया । मौके पर मंदिर कमिटी के अध्यक्ष सुदामा यादव , मीना देवी , वरिष्ठ समाजसेवी रमेश राव , शिवानी राव , मनोज कुमार राजवंशी , अजय यादव, राम कुमार यादव , पूनम देवी , रेखा देवी , पूजा देवी , अनीता देवी , नीतू सिंह , नंदलाल मंडल , अनोज मंडल , कुसुम सिंह , विकास सिंह , नूतन पांडेय आदि उपस्थित रहे । रुद्राभिषेक पूजा पंडित विजय पांडेय द्वारा विधि विधान पूर्वक सम्पन्न कराया गया । इस दौरान उन्होंने कहा कि हिंदुओं में सावन महीने का बड़ा महत्व होता है और सोमवार का तो विशेष महत्व होता है। आज सावन के अंतिम सोमवार को मंदिर में भोले बाबा का भव्य श्रृंगार किया गया और धूमधाम से रुद्राभिषेक पूजा संपन्न हुआ। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच भोग का वितरण किया गया। वहीं कमेटी के अध्यक्ष सुदामा यादव ने कहा कि सुबह से ही मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही थी। हर भक्त सावन के अंतिम सोमवार को बाबा का जलाभिषेक एवं पूजन कर अपने परिवारजनों की मंगल कामना कर रहा था। मंदिर कमेटी की ओर से श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। भोग के रूप में श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी एवं खीर का वितरण किया गया ।

मायुमं के एचपीवी वैक्सीनेशन शिविर में 150 से अधिक लाभार्थियों को लगा पहला डोज़, सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु पहल

जमशेदपुर। मारवाड़ी युवा मंच, स्टील सिटी शाखा द्वारा समाज के लोगों के स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से साकची स्थित श्री अग्रसेन भवन में एचपीवी वैक्सीनेशन ड्राइव का पहला डोज़ शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अभियान में 150 से अधिक लाभार्थियों को स्वदेशी एचपीवी वैक्सीन (सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित) दी गई। यह जनकल्याणकारी पहल रिंगसिया परिवार द्वारा स्व. अर्णव अग्रवाल की पावन स्मृति में आयोजित की गई थी। आयोजन में श्याम सुंदर रिंगसिया, ओम प्रकाश रिंगसिया, बिमल रिंगसिया, अशोक रिंगसिया सहित परिजनों की सक्रिय भूमिका रही। इस अवसर पर किशनलाल अग्रवाल, बजरंग लाल अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल और मनोज अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मेहरबाई टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल की डॉक्टरों और नर्सिंग टीम ने वैक्सीनेशन प्रक्रिया का सुचारु संचालन किया। प्रमुख डॉक्टरों में डॉ. रुचिता अग्रवाल, डॉ. स्वाति सिंघल, डॉ. बिनोद एस. अग्रवाल और डॉ. रेणुका चौधरी शामिल रहे, जिन्होंने अपनी विशेषज्ञता और मार्गदर्शन से शिविर को सफल बनाने में योगदान दिया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष अनंत मोहंका ने सभी सहयोगियों, चिकित्सकों, प्रायोजकों और समाजसेवियों का आभार व्यक्त करते हुए घोषणा की कि द्वितीय और तृतीय डोज़ के शिविर भी निर्धारित समय पर आयोजित किए जाएंगे, ताकि सभी लाभार्थियों का टीकाकरण पूर्ण हो सके। यह शिविर समाज की बेटियों और बहनों की सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। मारवाड़ी युवा मंच ने भविष्य में भी इसी तरह के सामाजिक सेवा कार्यों को जारी रखने का संकल्प दोहराया। इसे सफल बनाने में शिविर के संयोजक निलय अग्रवाल, अनुज गुप्ता, अजय चेतानी आदि का योगदान रहा। इस अवसर पर समाजसेवी शंभु खन्ना, उमेश शाह, विवेक चौधरी, अरुण बकरेवाल, नरेश कांवटिया, सांवरमल अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, दीपक पारेख, कमलेश मोदी, संजीव बधान, पवन अग्रवाल, दिनबंधु अग्रवाल, किशन लाल अग्रवाल, छीत्तरमल धूत, बजरंग अग्रवाल, बबलू अग्रवाल, महावीर मोदी एवं अशोक गुप्ता आदि शामिल थे। मालूम हो कि यह शिविर 20 जुलाई को आयोजित जागरूकता कार्यक्रम की अगली कड़ी के रूप में आयोजित किया गया था, जिसमें एचपीवी वैक्सीन के महत्व और सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम पर जानकारी दी गई थी, साथ ही पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कराई गई थी।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद

रांची, मंगलवार, 05 अगस्त, 2025

5

www.ksnewsupdates.com

सुप्रीम चिंता : ई.डी. बन रहा राजनीति का अखाड़ा...?

सरकारी जांच एजेंसियों पर कथित रूप से राजनीति हावी होने पर सर्वोच्च न्यायालय ने चिंता जताई है, अपरोक्ष रूप से यह कहा जा रहा है कि सरकारी जांच एजेंसियां चाहे वह सीबीआई हो या सीआईडी या प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सभी अपनी निष्पक्षता त्याग कर सरकार के निर्देशन में काम कर रहे हैं और सरकार में विराजित सत्तादल अपने विरोधियों को निपटाने के लिए इनका दुरुपयोग कर रहा है। ताजा उदाहरण प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा वकीलों और नेताओं को समन जारी करना है, सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि ईडी की इस दादागिरी को रोकने के लिए इस पर नियंत्रण हेतु आवश्यक मार्ग निर्देशक सिद्धांत (गाईडलाइन) जरूरी है। इस उदाहरण के साथ सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि न्यायालयों को राजनीति का अखाड़ा बनाने की कोशिशों को रोका जाना चाहिए, वरना न सिर्फ न्याय व्यवस्था बल्कि प्रजातंत्र की भी जडे हिल जाएगी। सर्वोच्च न्यायालय ने चेतावनी दी कि ईडी सभी सीमाएं पार कर रहा है, ऐसा नही चल सकता, इसे रोकने के लिए तत्काल मार्गदर्शक सिद्धांत (गाईडलाइन) जारी करना चहिए।

नेताओं पर मामलों और अपीलों पर नाराज न्यायालय ने कहा कि राजनीतिक लड़ाइयां न्यायालय परिसर से बाहर जाकर लड़ी जानी चाहिए। न्यायालय परिसर को इसका अखाड़ा नहीं बनाया जाना चाहिए, मुवक्किलों से हुए संदेशों के आदान-प्रदान को लेकर वकीलों को ईडी द्वारा समन भेजना के स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश वीआर गवई ने कहा कि ईडी ऐसा कैसे कर सकता है? ईडी का विरोध कर रहे वकीलों ने भी इस प्रथा पर हमेशा के लिए रोक लगाने की मांग की है। मुख्य न्यायाधीश गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस एन.के. अजरिय की बैंच में सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता तथा अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने माना की ईडी ने गलत किया है और वकीलों के भेजे गए समन वापस ले लिए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने इंडिया बुल्स के मामले में नोटिस के बावजूद उपस्थित न होने पर सीबीआई को भी फटकार लगाई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जामाल्या बागची की बेंच इस मामले पर सुनवाई कर रही थी, याचिकाकर्ता के वकील की आपत्ती थी कि घोटाले की न तो सीबीआई ने शिकायत दर्ज की और न नोटिस के बावजूद कोर्ट में उपस्थिति दर्ज कराई, इस पर बेंच ने नाराजी जताई, जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हमें सीबीआई का यह रवैया पसंद नहीं है, अदालती नोटिस पर उपस्थिति जरूरी है। इस प्रकार कुल मिलाकर अकेले इस प्रकरण से नहीं बल्कि ऐसे अनेक प्रकरण है, जिनसे यह स्पष्ट हो रहा है कि सरकारी जांच एजेंसियां निष्पक्ष रूप से काम करने के बजाय सरकार की मर्जी के मुताबिक काम कर रही है और इस कारण से आमजन को निष्पक्ष न्याय नहीं मिल पा रहा है। यह मूल रूप से राजनीति की गुलाम बन चुकी है। आज के शासन-प्रशासन व राजनीति की मौजूदा दिशा जानने के लिए यह एक उदाहरण भी काफी है, यदि यही चलन चलता रहा तो हमारे प्रजातंत्र की भावी दिशा कैसी व कितनी जनहितकारी होगी? इसका अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है, साथ ही इस बात की भी गहन चिंता है कि प्रजातंत्र के यह स्तंभ एक दूसरे के काम में हस्तक्षेप करके आखिर क्या चाहते हैं? और देश को कौन से रास्ते पर ले जाना चाहते हैं?

शिव के ह्रदय में रामः भक्ति, त्याग और सरलता का संदेश

सरलता के सुगंध की वर्षा करने वाले शिव का प्रिय माह समापन की ओर अग्रसर है। भूत-भावन भोलेनाथ को राम नाम अत्यंत प्रिय है। वे माता पार्वती को भी राम नाम की कथा श्रवण के लिए प्रेरित करते है और माँ भी आतुर होकर जगतपति श्री राम की कथा श्रृद्धा पूर्वक श्रवण करती है। राम कथा की अमृत वर्षा में महेश और भवानी सदैव सराबोर होते है। भगवान होने के पश्चात् भी वे राम भक्ति में ही आनंद की अनुभूति करते है। शिव सदैव सरलता और त्याग से सुशोभित होते है और माँ भगवती जगदम्बा शिव के इसी स्वरुप का सदैव वरण करना चाहती है। श्रावण माह तो प्रभु की भक्ति के श्रवण का भी माह है, फिर भले ही वह राम कथा हो या शिवमहापुराण। रूद्र अवतार हनुमान भी तो राम कथा प्रेमी है। इसलिए जब भगवान राम ने अपनी लीला समाप्त की और हनुमान से चलने का आग्रह किया तो उन्होंने चलने से मना कर दिया, क्योंकि भगवान की कथा रूपी अमृत वर्षा तो केवल धरती पर ही होती है और वे सदैव इसी राम कथा के रसास्वादन में लीन रहते है। श्रावण माह हमें श्रवण अर्थात सुनने की ओर भी प्रेरित करता है। भगवान की कथा सुनने के पश्चात् हमें भक्ति करने में आनंद का अनुभव होता है और यह कथा श्रवण हमारी भक्ति को और भी दृढ़ता प्रदान करती है। कथाएँ हमें भगवान के स्वरुप को समझने में सहायक होती है और जीवन के संशय को समाप्त करती है। जीवन में श्रवण का महत्त्व सर्वाधिक है। राजा परीक्षित को कथा के द्वारा ही उद्धार प्राप्त हुआ था। हरि और हर की कथा श्रवण तो जीवन की उन्नति और उद्धार का मार्ग प्रशस्त करती है। जलधारा से प्रसन्न होने वाले शिव जल के अभाव में भी मात्र शिव मानस पूजा से प्रसन्न हो जाते है, अर्थात हम मन से भी विभिन्न शिव प्रिय द्रव्यावली अर्पित कर शिव कृपा प्राप्त कर सकते है। भगवत कथा श्रवण से हमारी मन की आँखें खुलती है। हम ह्रदय से कहाँ है यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी अपने ह्रदय में भगवान के स्वरुप को विराजमान कर सकते है। कथा हमें हमारे ह्रदय में ईश्वर के प्रति प्रेम और अनुराग को पल्लवित और पुष्पित करती है।

शिव अजन्मे है, इसलिए उनकी लिङ्ग रूपों में सर्वत्र पूजा होती है। यह उनका निराकार स्वरुप है। लिङ्ग पूजा का विधान आकाश, पाताल एवं पृथ्वी लोक सभी जगह है। स्वयं श्री हरि नारायण, माता लक्ष्मी, ब्रह्मदेव, देवता-दानव, यक्ष, गन्धर्व इत्यादि अपने-अपने मनोरथ के अनुरूप विभिन्न प्रकार के शिवलिंग का पूजन एवं अर्चन करते है। शिव अपना साकार स्वरुप भक्त को दर्शन देते वक्त प्रत्यक्ष करते है। सत्यम शिवम् सुंदरम रूप ही शिव का सर्वश्रेष्ठ स्वरुप है। शिव के जीवन और शिव की वेशभूषा में भी गहराई निहित है। शिव की ध्यान मुद्रा अंतर्मुखी होने को प्राथमिकता देती है, अर्थात हमें सर्वप्रथम अपने भीतर की उथल-पुथल को शांत करना है। भीतर की एकाग्रता हमें बाहर के परिवेश से प्रभावित नहीं होने देगी और तभी हम शिव के आनंद स्वरुप को प्राप्त कर सकते है।

शिव की वेशभूषा में सर्पो से श्रृंगार है। शिव के कुंडल भी विष के है। दुनिया हमें जहर रूपी विष प्रदान करेगी परन्तु हमें कथा के श्रवण से उस विष के प्रभाव को नष्ट कर देना है और जीवन में कुछ अच्छा ग्रहण एवं आत्मसात करना है। शिव के कंठ में विष और ह्रदय में राम है। इसलिए उन्होंने विष को कंठ में ही रोक दिया और नीलकंठ भगवान शिव ने अपने ह्रदय को अपने आराध्य श्री राम के लिए निर्मल एवं पवित्र रखा, इसीलिए सारी विषमताओं के बावजूद भी वे सदैव ध्यान में एकाग्र रहते है। शिव ने जटाधारी स्वरुप धारण किया है, वे अन्य देवताओं की तरह स्वर्ण एवं हीरे जड़ित मुकुट एवं आभूषण धारण नहीं करते है, क्योंकि यह सब माया का स्वरुप है और शिव योगी है। शिव ने अपनी जटाओं को बाँधकर यह सन्देश दिया है कि हमें जीवन के जंजालो एवं झंझटों को बांधना होगा। उनकों कभी सबके सामने प्रदर्शित न करें। उनको समेटने की कोशिश करें, क्योंकि यह जीवन का एक हिस्सा है। शिव के शीश से गंगा प्रवाहित होती है, इसका अर्थ है हमें भक्ति को जीवन में सर्वोच्च स्थान प्रदान करना चाहिए क्योंकि गंगा भक्ति का स्वरुप है। शिव के मस्तक पर चन्द्रमा सुशोभित है और यह चन्द्रमा शीतलता प्रदान करता है इसका तात्पर्य है हमें भी मस्तक पर शीतलता को धारण करना होगा अर्थात शांत चित्त रहना होगा तभी हम अपने जीवन को एक निश्चित ध्येय प्रदान कर सकते है। शिव परिवार की सबसे अनूठी विशेषता यह भी है की शिव परिवार का सदस्य पूजित है। माँ पार्वती, गणेश, कार्तिकेय, नंदी, रिद्धि सिद्धि, शुभ, लाभ यह सभी पूजित है। शिव परिवार में सांसारिक सुविधाओं की कमी है फिर भी आनंद और स्नेह की अविरल धारा कैलाश में प्रवाहित होती रहती है। यह शिव साक्षात् कल्याण का स्वरुप है, तो क्यों न श्रावण के अंतिम दिनों में शिव और शिव के आराध्य श्री राम की कथा श्रवण कर हम इस मनुष्ययोनि के उद्धार का मार्ग प्रशस्त करें।

वफादारी से मेहनत करने वालों को सैल्यूट!

> वर्क लाइक ए डॉग डे केवल वयस्कों के लिए नहीं, बल्कि युवाओं को श्रम के मूल्य और गरिमा सिखाने का एक सुनहरा अवसर है। (1) उन्हें छोटे-छोटे कार्य सौंपें। (2) घर के कामों में भागीदार बनाएं (3) उन्हें यह बताएं कि मेहनत केवल पैसा कमाने के लिए नहीं, बल्कि आत्मनिर्माण के लिए भी है।परंतु *कुछ आलोचक कहते हैं कि कुत्ते की तरह काम करना इंसानों के आत्म- सम्मान के विरुद्ध है।* इसमें मनुष्यता की उपेक्षा होती है। यह दलील तब सार्थक लगती है जब कार्य की मात्रा मनुष्य की सीमा से अधिक हो जाती है।इसलिए इस दिन को मनाते हुए हमें मेहनत और शोषण के बीच की महीन रेखा को पहचानना ज़रूरीहै। 5 अगस्त का नेशनल वर्कलाइक ए डॉग डे कोई तुच्छ मुहावरा नहीं बल्कि मेहनत करने वालों की आत्मा को श्रद्धांजलि है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर हर उस व्यवहार, कार्य और परिस्थितियों में जहां किसी व्यक्ति का अपमान करना हो, उसे नीचा दिखाना हो, उसे बदनाम करना हो तो, उसे बोलने वाले प्राथमिक अस्वस्थ्य भाषा ठठोली क्े प्रतीक के रूप में कुत्ता शब्द का प्रयोग किया जाता है, वैसे तो इस बोध में अनेक पशु-पक्षी व जानवरों का नाम जैसे गधा,उल्लू सांड गिरगिट, काला नाग जैसे अनेक जानवरों के नामों का प्रयोग किया जाता है, जिसे सुनकर वाद विवाद प्रतिवाद इतना बढ़ जाता है कि, हत्या तक हो जाती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इसे नकारात्मक पहलू से देखा जाता है, जबकि इनका सकारात्मक पहलू यह है कि गधा बहुत भारी बोझ उठाकर मेहनत के प्रति समर्पित रहता है,सांड खेतियों में हल जोतने क्ी मेहनत क्ा काम करता है, इस तरह हर ऐसे अपमान क्े सूचक बनें इन प्राणियों का हमारे जीवन को सुचारू रूप से चलाने में कुछ ना कुछ योगदान होता है, फिर भी हम उन्हें हास्यप्रद व अपमान सूचक शब्दों से व्यक्त करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते, आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 5 अगस्त 2025 को हम राष्ट्रीय कुत्ते की तरह काम करने (वर्क लाइक ए डॉग डे)के दिवस के रूप में मनाया जा रहा है जो अमेरिका सहित पश्चिम भारत सहित दक्षिण एशिया इत्यादि देश में मनाया जाता है, इस दिन का उद्देश्य उन सभी लोगों को सम्मान देना है जो इतना कठिन परिश्रम करते हैं,अपनी वफादारी व जिम्मेदारियों को निष्ठा व अनुशासन के साथ निभाते हैं और मानव समाज की प्रगति में योगदान देते हैं। इसमें दो बातें महत्वपूर्ण है, (1) यह दिन एक प्रतीक है-ऐसे श्रमिकों, कर्मचारियों व्यापारियों और हर उस व्यक्ति के लिए जो कुत्ते की तरह अथक, निःस्वार्थ और समर्पण भाव से कार्य करतें है। (2) पशुओं में कुत्ता वह प्राणी है जिसे सबसे अधिक वफादार, मेहनती और संरक्षक माना गया है। वह केवल आदेश मानने वाला प्राणी नहीं, बल्कि कई मामलों में नेतृत्वकर्ता, खोजी, सहायक और संकटमोचक भी होता है।पुलिस डॉग्स, थैरेपी डॉग्स, फॉर्म डॉग्स, रेस्क्यू डॉग्स और गाइड डॉग्स-हर क्षेत्र में इनकी मेहनत असाधारण है। ये विशेष प्रशिक्षित कुत्ते दिन-रात काम करते हैं, बिना शिकायत किए, बिना थके। यही भावना इस दिवस के पीछे की प्रेरणा है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग सेआर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वर्क लाइक ए डॉग डे,5 अगस्त 2025, वफादारी व समर्पण भाव से मेहनत करने वालों को सैल्यूट।

साथियों बात अगर हम मेहनतकश लोगों को सैल्यूट करने की करें तो,इस दिवस की एक और प्रासंगिकता है-यह आज की अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक और लक्ष्य-केंद्रित वर्क कल्चर की झलक देता है, ये सब हमें लगातार कुत्ते की तरह काम करने के लिए मजबूत करता हैं। लेकिन यह कब प्रगति का संकेत बनता है और कब शोषण, इसपर विचार करना भी उतना ही आवश्यक है।जिसमें इंसान को मशीन की तरह 24/7 काम करने की अपेक्षा की जाती है।इस दिन का मुख्य उद्देश्य उन लोगों को सम्मानित करना है जो अपने कार्यस्थल पर या जीवन में साधारण नहीं, बल्कि असाधारण मेहनत करते हैं। इसमें शामिल हैंः (1) कृषक जो सुबह 4 बजे खेतों में पहुंचते हैं।(2)डॉक्टर और नर्स जो महामारी या आपदा के दौरान 18-18 घंटे की शिफ्ट करते हैं। (3) स्वच्छता कर्मी जो शहरों को साफ -सुथरा बनाए रखने में जुटे रहते हैं।(4) महिलाएँ, जो घर और ऑफिस दोनों में 'वर्क लाइक अ डॉग' वाली भूमिका निभाती हैं। (5) वर्क फ्रॉम होम, ओवरटाइम, स्टार्टअप कल्चर, करियर रेस चुनौतीपूर्ण कार्य। साथियों बात अगर हम मेहनत करने की करें तो,जब हम मेहनत की बात करते हैं, तब हमें ये भी देखना होगा कि हर व्यक्ति को उसके काम का पूरा मुआवज़ा मिले, और उसकी मानसिक, शारीरिक और सामाजिक सेहत का ध्यान रखा जाए। (1) वर्कप्लेस वेलनेस प्रोग्राम्स (2) मेंटल हेल्थ अवेयरनेस (3) बर्नआउट की पहचान और राहत (4) वर्क- लाइफ बैलेंस के प्रयास ये सभी ज़रूरी हैं ताकि मेहनत करने वाले थकें नहीं, टूटें नहीं, बल्कि प्रेरित और संतुलित रहें। हम देखते हैं कि आज जब चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स, रोबोट, ऑटोमेटेड सॉफ्टवेयर इंसानी कामों को बदल रहे हैं,तब "कुत्ते की तरह काम करना"अब मेहनत नहीं बल्कि स्मार्ट वर्क की ओर मुड़ता प्रतीत हो रहा है। लेकिन इस बदलाव में भी वो भावना, वो ऊर्जा, वो लगन जो इंसान का मूल गुण है,वह अमूल्य है। एआई कभी वफादारी, नैतिकता और जुनून नहीं ला सकता, जो एक इंसानी श्रमिक में होता है।

वर्क लाइक ए डॉग डे केवल वयस्कों के लिए नहीं, बल्कि युवाओं को श्रम के मूल्य और गरिमा सिखाने का एक सुनहरा अवसर है। (1) उन्हें छोटे-छोटे कार्य सौंपें। (2) घर के कामों में भागीदार बनाएं (3) उन्हें यह बताएं कि मेहनत केवल पैसा कमाने के लिए नहीं, बल्कि आत्मनिर्माण के लिए भी है।परंतु *कुछ आलोचक कहते हैं कि कुत्ते की तरह काम करना इंसानों के आत्म- सम्मान के विरुद्ध है।* इसमें मनुष्यता की उपेक्षा होती है। यह दलील तब सार्थक लगती है जब कार्य की मात्रा मनुष्य की सीमा से अधिक हो जाती है।इसलिए इस दिन को मनाते हुए हमें मेहनत और शोषण के बीच की महीन रेखा को पहचानना ज़रूरीहै। 5 अगस्त का नेशनल वर्कलाइक ए डॉग डे कोई तुच्छ मुहावरा नहीं बल्कि मेहनत करने वालों की आत्मा को श्रद्धांजलि है।यहदिन हमें याद दिलाता है कि समाज उन्हीं के कंधों पर खड़ा है जो लगातार आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं।हर पेशा-चाहे वह सीईओ हो या सड़क पर सफाई करने वाला-मेहनत का सम्मान बराबर चाहता है।सबसे महत्वपूर्ण बातः मेहनत करना गौरव की बात है, लेकिन अपने स्वास्थ्य, संतुलन और आत्म- सम्मान केसाथ।कुत्ते की तरह काम करने का मतलब सिर्फ पसीना बहाना नहीं है, बल्कि यह अपने काम से प्रेम करना, उसे जिम्मेदारी से निभाना,और दुनियाँ को यह दिखाना है कि ईमानदारी और मेहनत कभी असफल नहीं होती। साथियों बात अगर हम वर्क लाइक ए डॉग डे मनाने की करें तो, अपने दिन का सर्वोत्तम प्रदर्शन करें, (1) इस दिन अपने सभी कार्यों को सर्वोत्तम गुणवत्ता और पूर्ण समर्पण से करें। (2) अपने साथियों की प्रशंसा करें- टीम में जो सबसे मेहनती हैं, उन्हें धन्यवाद कहें या एक छोटी सी प्रशंसा दें। (3) अपने काम के प्रति खुद को प्रेरित करें-यह दिन आत्मनिरीक्षण का भी है। (4) किसी सेवा कुत्ते की कहानी साझा करें-जानवरों से प्रेरणा लेना भी इस दिन का एक भावनात्मक पहलू है। (5) आराम भी जरूरी है-ध्यान रखें कि संतुलन बनाए रखना भी इस दिवस की शिक्षा है।

सांसद त्रिवेंद्र रावत को जीरो नम्बर दिए वीरेंद्र रावत ने!

> मामला प्रकाश में आने के बाद घोटाले की आशंका जताई गई,मामला सीएम दरबार तक पहुंचा,मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस मामले की जांच के आदेश देते हुए कुछ कर्मचारियों पर कार्रवाई की और इस पुरे मामले पर जांच बैठा दी थी, जांच कर रहे आईएएस रणवीर सिंह चौहान ने जांच पूरी करके रिपोर्ट शासन को भी सौंप दी है। ऐसे मे स्वयं भाजपा सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत बी देते है कि हरिद्वार वह जिला है, जहां पर मुख्यमंत्री हफ्ते में एक बार तो आते ही हैं,दुनिया भर से लोग हैहरिद्वार में आते हैं,मैं हरिद्वार का सांसद हूं, इसीलिए हफ्ते में दो से तीन दिन हरिद्वार जाता हूं। फिर भी अधिकारी इस तरह का घपला करते हैं तो ऐसे अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

श्रीगोपाल नारसन

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के बेटे और हरिद्वार लोकसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी रहे वीरेंद्र रावत ने बीजेपी सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत पर जुबानी हमला बोला है,वीरेंद्र रावत ने हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र रावत पर क्षेत्र से नदारद रहने के आरोप लगाया है।पिछले दिनों वीरेंद्र रावत ने हरिद्वार में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सांसद त्रिवेंद्र रावत को कई और मामलों पर भी घेरने की कोशिश की ।उन्होंने महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर उन्हें व उनकी पार्टी की केंद्र और राज्य सरकार को घेरने का प्रयास किया। वीरेंद्र रावत ने महंगाई और प्रदेश में सरकारी भर्तियों को लेकर कई सवाल उठाए,साथ ही वीरेंद्र रावत ने कहा कि पूर्व सांसद रमेश पोखरियाल निशंक पर जिस तरह क्षेत्र और लोगों के बीच नदारद रहने के आरोप लगते थे, उसी तरह वर्तमान सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत के लिए भी पिछले एक साल में पोस्टर लगाए गए हैं।उनके अनुसार जनता ने कई जगहों पर बीजेपी सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत को ढूंढने पर इनाम तक घोषित कर रखा है।वीरेंद्र रावत का कहना है कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने हरिद्वार के लिए 72 सूत्रीय कार्यक्रमों का मेनिफेस्टो जारी किया था, लेकिन वो जीत नहीं पाए थे, इसीलिए उन्होंने अपना मेनिफेस्टो सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत को सौंपा था, ताकि जनता की भलाई के काम सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत के जरिए हो सकें, लेकिन सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने एक भी कार्य अब तक नहीं कराया है।उन्होंने कहा कि 10 में से 0 नंबर ही मैं सांसद के कार्यकाल को दूंगा। वही उत्तराखंड के हरिद्वार जिले का जमीन घोटाला भी इन दिनों चर्चाओं में है। आरोप है कि जिस जमीन को कोई लाख रुपए में भी नहीं खरीदता था, उस जमीन को हरिद्वार नगर निगम के अधिकारियों ने 54 करोड़ रुपए में खरीद लिया।जो एक बड़ा घोटाला है,इस मामले की जांच पूरी हो चुकी है, जिसकी रिपोर्ट भी शासन को भेजी जा चुकी है, लेकिन जांच रिपोर्ट सार्वजनिक होने से पहले ही हरिद्वार सांसद और पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत के एक बयान ने प्रदेश की राजनीति को गरमा दिया है।हरिद्वार जमीन घोटाले को लेकर जब उन्होंने कहा कि अधिकारियों पर तो कार्रवाई हो ही, लेकिन परदे के पीछे कौन लोग हैं यह भी सामने आना चाहिए।सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने सवाल खड़े करते हुए कहा कि यह बेहद गंभीर बात है कि इतने बड़े अधिकारी कैसे इतनी लापरवाही कर सकते हैं।त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा है कि इस मामले में जांच पूरी हो गई है और अब तक क्या कार्रवाई हुई है, यह स्पष्ट नहीं है। लिहाजा सरकार को इस पर कड़ा एक्शन लेना चाहिए, ताकि भविष्य में कोई अधिकारी ऐसी हरकत करने से पहले दस बार सोचे, यदि अधिकारी ने किसी की शय पर ये काम किया हो तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए।लेकिन मामले में कुछ अधिकारियों का निलंबन करके इतिश्री कर दी गई।हरिद्वार जिले में आचार संहिता के दौरान नगर निगम ने साल 2024 में 33 बीघा जमीन खरीदी थी।बताया जाता है कि इस जमीन की कीमत कुछ लाख रुपए बीघा थी, लेकिन निगम और जिले के कुछ अधिकारियों ने कृषि भूमि को 143 में दर्ज करवाकर 58 करोड़ रुपए में खरीद लिया था।

मामला प्रकाश में आने के बाद घोटाले की आशंका जताई गई,मामला सीएम दरबार तक पहुंचा,मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस मामले की जांच के आदेश देते हुए कुछ कर्मचारियों पर कार्रवाई की और इस पुरे मामले पर जांच बैठा दी थी, जांच कर रहे आईएएस रणवीर सिंह चौहान ने जांच पूरी करके रिपोर्ट शासन को भी सौंप दी है। ऐसे मे स्वयं भाजपा सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत बी देते है कि हरिद्वार वह जिला है, जहां पर मुख्यमंत्री हफ्ते में एक बार तो आते ही हैं,दुनिया भर से लोग हैहरिद्वार में आते हैं,मैं हरिद्वार का सांसद हूं, इसीलिए हफ्ते में दो से तीन दिन हरिद्वार जाता हूं। फिर भी अधिकारी इस तरह का घपला करते हैं तो ऐसे अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की जरूरत है।त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि हरिद्वार में जमीन से जुड़ा ये कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी ऋषिकुल की भूमि हो या मेला क्षेत्र की, इन जमीनों की भी कुछ सरकारी अधिकारियों ने बंदरबांट करने की कोशिश की है।हरिद्वार में जमीनों के रेट आसमान छू रहे हैं। इसीलिए अधिकारी कुछ लोगों के साथ मिलकर जमीनों की बंदरबांट करने में लगे हुए हैं, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मामले से हरिद्वार और राज्य की छवि खराब हो रही है।सवाल उठता है सरकार स्वयं भाजपा सांसद त्रिवेंद्र रावत की पार्टी की है,फिर चाहे राज्य में हो या केंद्र में ऐसे में घोटाला चाहे अधिकारी करे या कोई ओर जिम्मेदारी तो उनकी भी सरकार का जनप्रतिनिधि होने के नाते बनती है। तभी तो कांग्रेस ने पूछा है कि जांच के बाद क्या हुआ? त्रिवेंद्र सिंह रावत के इस बयान के बाद कांग्रेस भी अब इस मुद्दे पर सरकार से सवाल पूछ रही है।कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना का कहना कि इस मामले की जांच पूरी हो चुकी है, फिर भी सरकार जांच क्यों सार्वजनिक नहीं कर रही है?उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले से यह साफ जाहिर हो गया है कि राज्य में अधिकारियों और राजनेताओं की मिलीभगत से किस तरह से घपले और घोटाले हो रहे हैं। इस मामले पर तुरंत कोई एक्शन होना चाहिए वरना जांच का कोई फायदा नहीं है।उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और हरिद्वार से सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने खनन को लेकर भी अपनी ही सरकार पर तीखा हमला बोला है, हाल ही में संसद में अवैध खनन का मुद्दा उठाने के बाद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने एक निजी चैनल पर राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, शेर कभी कुत्तों का शिकार नहीं करते. उनके इस बयान के बाद राज्य की सियासत गरमाई हुई है।त्रिवेंद्र सिंह रावत का यह बयान खनन सचिव बृजेश कुमार संत के उस दावे के बाद आया है, जिसमें संत ने कहा था कि उत्तराखंड में पिछले 25 वर्षों में इस साल सबसे अधिक खनन राजस्व प्राप्त हुआ है। ब्रजेश कुमार संत ने आंकड़े पेश करते हुए कहा था कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में राज्य को खनन से लगभग 1100 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है, जो कि राज्य के गठन के बाद का अब तक का सर्वोच्च आंकड़ा है।राजस्व सचिव का यह बयान पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा संसद में अवैध खनन का मुद्दा उठाने के बाद आया है।जिसमें उन्होंने कहा था कि उत्तराखंड में बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा है। उन्होंने सरकार से सवाल किया था कि इस खनन पर रोक लगाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं।

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मो का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मो के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है। परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता।

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है. भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अतः मूलतः इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अतः दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुतः जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है। मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं, भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है, अतः वे कभी-कभी ब्रह्म चिन्तन से ऊबकर समुचित बोध बिना ही भागवत की शरण ग्रहण करते हैं। मायावादी संन्यासी कभी-कभी आत्म-साक्षात्कार के पथ से नीचे गिर जाते हैं और फिर से समाजसेवा, परोपकार जैसे भौतिक कर्म में प्रवृत्त होते हैं। अतः निष्कर्ष निकला कि कृष्णभावनामृत के कार्य में लगे रहने वाले लोग ब्रह्म-अब्रह्म विषयक चिन्तन में लगे संन्यासियों से श्रेष्ठ होते हैं, यद्यपि वे भी अनेक जन्मों के बाद कृष्णभावनाभावित हो जाते हैं।

जिंदगी की जंग को भी योद्धा की तरह लड़े 'दिशोम गुरु' शिबू सोरेन

महाजनी प्रथा से झारखंड अलग राज्य आंदोलन तक किया संघर्ष

झारखंड के महानायक और तीन बार के मुख्यमंत्री शिबू सोरेन ने जिंदगी की जंग को भी एक योद्धा की तरह लड़ा और अंततः वीरगति को प्राप्त हुए. शिबू सोरेन 19 जून से अस्पताल में भर्ती थे और संघर्ष कर रहे थे, सोमवार 4 अगस्त की सुबह को उनका निधन हो गया. शिबू सोरेन आदिवासियों के सर्वमान्य नेता थे और उन्होंने अपना पूरा जीवन ही आदिवासी कल्याण के लिए लगाया. झारखंड अलग राज्य का संघर्ष उन्होंने किया और तब तक लड़े जबतक कि उनका यह सपना पूरा नहीं हुआ.

शिबू सोरेन ने बिनोद बिहारी महतो और एके राय के साथ मिलकर 4 फरवरी 1973 को झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की थी।

रामगढ़ के नेमरा गांव से शुरू हुई थी शिबू सोरेन की कहानी

शिबू सोरेन संताल आदिवासी हैं और इनका पैतृक निवास रामगढ़ जिले के नेमरा गांव में है. इनके पिता सोबरन सोरेन पेशे से शिक्षक थे और इलाके में महाजनी प्रथा, सूदखोरी और शराबबंदी के खिलाफ आंदोलन चला रखा था. शिबू सोरेन का जन्म नेमरा में ही 11 जनवरी 1944 को हुआ था. जब वे महज 13 साल के थे तब उनके पिता सोबरन सोरेन की 1957 में हत्या कर दी गई थी. पिता की हत्या के बाद शिबू सोरेन के बाल मन पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा और उन्होंने साहूकारों और महाजनों के खिलाफ संघर्ष शुरू कर दिया. टुंडी प्रखंड के पलमा से शिबू सोरेन ने महाजनों और सूदखोरों के खिलाफ अपना आंदोलन शुरू किया था. संताल समाज को जागरूक करने और लोगों को शिक्षित करने के लिए सोनोत संताल समाज का गठन किया. शिबू सोरेन ने आदिवासी समाज को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने और नशे से दूर रखने के लिए काफी प्रयास किए.

महाजनों से आदिवासियों की जमीन को मुक्त कराने के लिए किए अनोखे प्रयास

1970 के दशक में झारखंड में महाजनों का आतंक कायम था. वे आदिवासी किसानों को अपने ऋण के जाल में फंसा लेते थे और उनसे मनमाना सूद वसूलते थे. सूद ना दे पाने की स्थिति में वे आदिवासियों की जमीन पर कब्जा कर लेते थे. जमीन पर से हक खत्म हो जाने के बाद आदिवासी बदहाल हो जाते थे क्योंकि जमीन ही उनकी जीविका का साधन था. शिबू सोरेन के पिता की हत्या में भी इन महाजनों का ही हाथ माना जाता था, इसलिए शिबू सोरेन ने महाजनों

के आतंक से मुक्ति दिलाने के लिए शिबू सोरेन ने उन जमीनों पर धान काटो अभियान चलाया, जिसे ऋण के बदले में महाजन कब्जाए बैठे थे. इस अभियान के दौरान आदिवासी महिलाएं जमीन से धान काट लेती थीं और धनकटनी के दौरान आदिवासी पुरुष तीर-धनुष लेकर सुरक्षा में तैनात रहते थे. इस तरह महाजनों को शिबू सोरेन ने टक्कर दी. इतना ही नहीं उन्होंने आदिवासियों को सामूहिक खेती और सामूहिक पाठशाला के लिए प्रेरित किया.

1977 में राजनीति की ओर किया रुख

झारखंड मुक्ति मोर्चा के गठन के बाद उन्होंने पहली बार 1977 में लोकसभा और टुंडी विधानसभा क्षेत्र का चुनाव लड़ा, लेकिन दोनों ही चुनाव में उन्हें हार मिली. उसके बाद गुरुजी ने संताल परगना का रुख किया और 1980 में दुमका लोकसभा क्षेत्र से चुनाव जीतकर जेएमएम के पहले सांसद बने.वहीं जेएमएम की एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि 1980 के विधानसभा चुनाव में संताल परगना के 18 में से 9 सीटों पर जेएमएम को जीत मिली. उस वक्त झारखंड बिहार का हिस्सा था और जेएमएम की जीत से बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव हुआ.

झारखंड अलग राज्य के आंदोलन को बनाया जनांदोलन

झारखंड अलग राज्य की मांग काफी पुरानी थी, लेकिन राजनीति में सक्रिय होने के बाद शिबू सोरेन ने इस आंदोलन को जनता का आंदोलन बना दिया और उनके आंदोलन की वजह से ही अलग राज्य का गठन हुआ, जो उनका सपना था. 1980 में जब वे जेएमएम के पहले सांसद बनकर संसद पहुंचे तो उन्होंने वहां आदिवासियों के मुद्दों को उठाना शुरू किया. आदिवासियों की संस्कृति, भाषा, जल-जंगल-जमीन पर उनके अधिकारों की बात की और अलग राज्य के आंदोलन के अलग दिशा दिया. उन्होंने अपने आंदोलन से सरकार पर इतना दबाव बनाया कि 15 नवंबर 2000 को झारखंड अलग राज्य का गठन हुआ. इस आंदोलन के लिए शिबू सोरेन ने व्यापक जनसमर्थन तैयार किया था, जो उनकी बहुत बड़ी उपलब्धि थी.

झारखंड के 3 बार मुख्यमंत्री बने शिबू सोरेन

15 नवंबर, 2000 को बिहार से अलग करके झारखंड अलग राज्य बना. इस राज्य के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी थे, लेकिन गुरुजी ने इस राज्य की बागडोर 3 बार संभाली. शिबू सोरेन ने झारखंड के तीसरे मुख्यमंत्री के रूप में 2005 में शपथ ली, लेकिन वे महज 10 दिन के लिए सीएम बने. इनका कार्यकाल 2 मार्च, 2005 से लेकर 11 मार्च, 2005 तक रहा. इसके बाद दूसरी बार वे 2008 में मुख्यमंत्री बने. इस दौरान इनका कार्यकाल 27 अगस्त, 2008 से 12 जनवरी, 2009 तक रहा. वहीं, तीसरी बार वर्ष 2009 में सीएम बने. इस दौरान इनका कार्यकाल 30 दिसंबर, 2009 से 31 मई, 2010 तक रहा. यह सरकार 5 महीने ही चली.

आदिवासियों के दिशोम गुरु

शिबू सोरेन को आदिवासी समाज दिशोम गुरु कहता है. दिशोम संताली भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ है राह दिखाने वाला या पथ प्रदर्शक. इसी वजह से शिबू सोरेन को दिशोम गुरु कहा जाता है, जो उनका सबसे बड़ा नेता या गुरु है. शिबू सोरेन ने आदिवासियों के हक और अधिकार के लिए आजीवन संघर्ष किया और कई बार जेल भी गए. उन्होंने आदिवासी समाज को जगाने का काम किया और उनके गुरु बने.

समाज सुधारक से सांसद, विधायक, मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री, ऐसी रही शिबू सोरेन की जीवन यात्रा

शिबू सोरेन ने समाज सुधारक, सामाजिक कार्यकर्ता से राजनेता तक का सफर तय किया. अलग झारखंड राज्य के लिए उन्होंने कई कुर्बानियां दीं. यही वजह है कि झारखंड के सभी दलों के लोग उनकी इज्जत करते हैं. उनके कर्मों का ही परिणाम रहा कि दिशोम गुरु ने लोकसभा के चुनावों में जीत दर्ज की, तो उच्च सदन राज्यसभा के भी सदस्य बने. 2-2 बार केंद्रीय मंत्री बने. 3 बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने. हालांकि, न केंद्रीय मंत्री के रूप में वह कभी अपना कार्यकाल पूरा कर पाये, न मुख्यमंत्री के रूप में. हर बार उन्हें कार्यकाल के बीच में इस्तीफा देना पड़ा. कभी जेल जाने की वजह से, तो कभी उपचुनाव में हार की वजह से. 11 जनवरी 1944 को जन्मे शिबू सोरेन से कई विवादों भी जुड़े. उन पर कई गंभीर आरोप भी लगे. बावजूद इसके वह राज्य के सबसे बड़े और सर्वमान्य नेता बने रहे.

राजनीतिक यात्रा : एक नजर में

- 1973 में झारखंड मुक्ति मोर्चा का गठन किया
- 1980 में लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए
- 1986 में झामुमो के महासिचव बने
- 1989 में लोकसभा के लिए दूसरी बार चुने गये
- 1991 में तीसरी बार लोकसभा के लिए निर्वाचित
- 1996 में चौथी बार लोकसभा के सदस्य बने
- 8 जुलाई 1998 से 18 जुलाई 2001 तक राज्यसभा के सदस्य रहे
- 10 अप्रैल 2002 से 2 जून 2002 तक राज्यसभा के सदस्य रहे
- 2002 में पांचवीं बार लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए
- मई 2004 में छठी बार लोकसभा के सदस्य बने
- मई 2004 से 10 मार्च 2005 तक केंद्र में कोयला मंत्री रहे
- जुलाई 2004 में केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया
- 2 मार्च 2005 से 11 मार्च 2005 तक झारखंड के मुख्यमंत्री रहे
- 29 जनवरी 2006 से 28 नवंबर 2006 तक केंद्र में कोयला मंत्री बने
- 26 नवंबर 2006 को केंद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा देना पड़ा
- 2009 में 15वीं लोकसभा में 7वीं बार सांसद चुने गये
- 31 अगस्त 2009 को कोयला और स्टील की स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य बने
- 23 सितंबर 2009 को वेतन और भत्तों की संयुक्त समिति के सदस्य बने
- मई 2014 में आठवीं बार लोकसभा के लिए चुने गये
- 7 अक्टूबर 2014 में खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों की स्थायी समिति के सदस्य बने
- स्टील मंत्रालय की सलाहकार समिति के सदस्य भी रहे

टुंडी के लोगों को जागृत करने के बाद 1977 में संताल परगना शिफ्ट हो गये गुरुजी...

शिबू सोरेन ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत धनबाद जिले के टुंडी से की थी. उन्होंने 70 के दशक में भूमिगत रहकर टुंडी में आदिवासियों को गोलबंद किया था. इस दौरान उन्होंने वहां के महाजनों और सूदखोरों के खिलाफ संघर्ष छेड़ा था. इस आंदोलन को लोगों ने 'धनकटनी आंदोलन' का नाम दिया था. इसी आंदोलन में टुंडी के आदिवासियों ने शिबू सोरेन को 'दिशोम गुरु' का दर्जा दिया था.

1973 में जेएमएम का गठन हुआ, '77 में हार गये चुनाव

चार फरवरी 1973 को धनबाद में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) का गठन हुआ. 1977 में शिबू सोरेन बतौर निर्दलीय उम्मीदवार टुंडी विधानसभा से चुनाव लड़े. टुंडी में दिशोम गुरु की प्रसिद्धि के बावजूद वे जनता पार्टी के सत्यनारायण दुदानी से चुनाव में मात खा गये. उन्हें 8,532 वोटों से शिकस्त मिली. चुनाव हारने के बाद टुंडी से गिरिडीह होते हुए दिशोम गुरु संताल परगना पहुंचे और वहां के लोगों में राजनीतिक और सामाजिक चेतना जगाने में जुट गये. वहां के लोगों को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष शुरू कर दिया. इस तरह गुरुजी ने टुंडी के बाद दुमका को अपनी कर्मभूमि बनाया.

गुरुजी ने दुमका से संताल में बनायी पैठ

वर्ष 1977 में गुरुजी दुमका पहुंचे और आदिवासियों के बीच अपनी पैठ बनायी. वर्ष 1980 में दुमका में कांग्रेस के दिग्गज नेता पृथ्वीचंद किस्कू को हराकर वह पहली बार लोकसभा पहुंचे थे. इस चुनाव में निर्दलीय चुनाव लड़ रहे शिबू सोरेन को 1,12,160 वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस के पृथ्वीचंद किस्कू को 1,08,647 वोट मिले.

1984 में हार गये चुनाव

तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद वर्ष 1984 में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में लहर थी. इस लहर में शिबू सोरेन भी दुमका में नहीं टिके. कांग्रेस के पृथ्वीचंद किस्कू ने उन्हें हरा दिया. पृथ्वीचंद किस्कू को इस बार 1,99,722 और शिबू सोरेन को 1,02,535 वोट मिले थे.

1985 में जामा विधानसभा सीट से जीते गुरुजी

दुमका लोकसभा सीट पर मिली हार के बाद शिबू सोरेन वर्ष 1985 में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में जामा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़े और जीतकर विधानसभा पहुंचे. वर्ष 1989 के लोकसभा चुनाव में शिबू सोरेन फिर दुमका से लड़े और कांग्रेस के पृथ्वीचंद किस्कू को हराया.

दुमका में 2004 से 2014 तक 3 बार जीते गुरुजी

इसके बाद दिशोम गुरु लगातार वर्ष 1991 और वर्ष 1996 में दुमका से लोकसभा का चुनाव जीते. शिबू वर्ष 1998 में भाजपा के बाबूलाल मरांडी से 13 हजार वोटों से हारे थे. वर्ष 2002 के लोकसभा उप चुनाव में शिबू ने दुमका सीट पर फिर से जीत दर्ज की. वर्ष 2004, 2009 और 2014 में भी गुरुजी दुमका से चुनाव जीते. वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के सुनील सोरेन ने उन्हें मात दे दी.

जब संसद में गरजे थे शिबू सोरेन, झारखंड को वनांचल कहने पर हुए थे सख्त नाराज

दिशोम गुरु बाबा शिबू सोरेन ने 28 मई 1996 को लोकसभा में जोरदार भाषण दिया था. उन्होंने संसद में झारखंड अलग राज्य की मांग रखी थी. लेकिन उस समय उन्होंने झारखंड और आदिवासी अस्मिता की बात करते हुए झारखंड को वनांचल कहने पर आग बबूला हो गए थे. विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए शिबू सोरेन ने कहा था, "प्रधानमंत्री बराबर सांस्कृतिक धरोहर की बात करते हैं. और इसी आधार पर बंबई जो अंग्रेजी नाम था, उसे मुंबई किया. झारखंड जो हमारा पौराणिक नाम है, जिसमें हमारी श्रद्धा और संस्कृति रही है, जंगल-झाड़ का, उसको ये लोग वनांचल बोलते हैं. उत्तराखंड जिसे हमलोग बोलते थे, उसे उत्तरांचल बोल दिया. इसके क्या मायने हैं. अगर आदमी का परिचय, आदमी का इतिहास समाप्त हो जाएगा, तो क्या मिलेगा. हमें कौन सा राज्य चाहिए, कौन सा अलग राज्य चाहिए. आदिवासियों की अलग परंपरा है, आदिवासी जंगलों में रहते हैं. उनकी अपनी-अपनी जाति और नाम है. उनका अपना सरनेम होता है. जो टोप्पो, कश्यप और उरांव हैं, उनको ये लोग बोलते हैं अपने नाम के अंत में राम लिखो. तो इसका क्या असर होगा, क्या अंजाम होगा. तो क्या डर के मारे हमलोग अपने नाम के अंत में राम लिखे. दुखी समाज को भी दुख देने का अगर नियम बने तो क्या हो सकता है."

आदिवासियों की अनदेखी पर भी नाराज हुए थे शिबू सोरेन

लोकसभा में अपने भाषण में शिबू सोरेन ने आदिवासियों की अनदेखी का भी मुद्दा उठाया था. उन्होंने चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा था, केंद्र में जो भी सरकार बनती है, वो आदिवासियों की अनदेखी करती है. आदिवासियों के विकास की बात नहीं की जाती, बल्कि उनका नाश ही होता है. जबकि देश के कई इलाकों, जंगलों में आदिवासी रहते हैं.

जब टुंडी के जंगलों में चलती थी शिबू सोरेन की अदालत...

झारखंड के पूर्व सीएम और झामुमो के संस्थापक संरक्षक रहे शिबू सोरेन टुंडी के जंगलों में समानांतर सरकार चलाते थे. उनकी अपनी न्याय व्यवस्था थी. वे अदालत लगाते थे और फैसला सुनाते थे. धनबाद इनके संघर्ष का गवाह है. उन्होंने टुंडी के पास पोखरिया में आश्रम बनाया था. टुंडी के आसपास महाजनों के कब्जे से संथालों की जमीन मुक्त करायी थी. आदिवासियों के उत्थान के लिए सामूहिक खेती, पशुपालन, रात्रि पाठशाला जैसे कई कार्यक्रम चलाए थे. तोपचांची के पास जंगल में एक दारोगा की हत्या के बाद शिबू सोरेन को किसी भी हाल में पकड़ने का सरकार ने आदेश दिया था. धनबाद के तत्कालीन उपायुक्त केबी सक्सेना ने गुरुजी से जंगल में उनके अड्डे पर मुलाकात की थी और उन्हें मुख्य धारा में शामिल करने के लिए राजी किया था.

टुंडी थाना प्रभारी जब गुरुजी के पोखरिया आश्रम पहुंचे

वरिष्ठ पत्रकार अनुज कुमार सिन्हा की पुस्तक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अनुसार धनबाद में नए डीसी के रूप में लक्ष्मण शुक्ल आए. उनसे केबी सक्सेना ने शिबू सोरेन का जिक्र किया. वह खुद शिबू सोरेन से मिलने किंचिग्या के साथ पलमा गए. इस मुलाकात में भी गुरुजी से मुख्यधारा में शामिल होने को कहा गया. तब तक शिबू सोरेने ने भी मन बना लिया था. इस बीच 1975 के जाड़े के समय टुंडी के तत्कालीन थाना प्रभारी किचिंग्या उनके पोखरिया आश्रम पहुंचे. शिबू सोरेन से उन्होंने कहा कि डीसी साहब थाना आए हुए हैं. आपको बुलाया गया है. शिबू सोरेन के डीसी से संबंध अच्छे थे. इसलिए वे मिलने चले गए. उन्हें बताया गया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्र से आपकी बात करायी जाएगी और मामलों को खत्म करने पर विचार होगा.

तत्कालीन सीएम के आश्वासन के बाद गुरुजी ने किया था सरेंडर

शिबू सोरेन टुंडी थाना पहुंचे. तत्कालीन धनबाद डीसी से उनकी बातें हुईं. गुरुजी को आश्वस्त किया गया कि धीरे-धीरे आपके सारे केस खत्म कर दिए जाएंगे, लेकिन पहले आपको जेल जाना होगा. शिबू सोरेन इन बातों से सहमत हो गए. फिर रात में उन्हें तत्कालीन मुख्यमंत्री से बात करायी गयी. उन्होंने भी आश्वासन दिया. इसके बाद शिबू सोरेन आश्वस्त हुए और सरेंडर करने के बाद उन्हें जेल भेजा गया.

भूकंप के बाद आई सुनामी से समुद्र तट में फंसी व्हेल मछलियों ने बढ़ाई चिंता

-विज्ञानियों ने कहा- समुद्र की संरचना में परिवर्तन व्हेल के लिए खतरनाक

टोक्यो (ईएमएस)। रूस में पिछले दिनों आए 8.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के झटकों का असर जापान तक देखने को मिला था। भूकंप के बाद सुनामी की लहरें जापान के होक्काइडो द्वीप तक पहुंच गई थीं। इसी दौरान चिबा प्रांत के तातेयामा शहर के समुद्र तट पर कई व्हेल मछलियां फंस गई थीं। इस दृश्य के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं, जिसने समुद्री जीवन पर प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

विशेषज्ञों के मुताबिक सुनामी के समय समुद्र की जलधारा और दबाव में अचानक बड़ा परिवर्तन होता है। इस बदलाव से समुद्री जीवों की नेविगेशन प्रणाली पर असर होता है, खासकर व्हेल जैसी बड़ी मछलियों पर जो ध्वनि तरंगों के जरिए अपनी दिशा तय करती हैं। जल की गति में अचानक बदलाव से व्हेल अपना रास्ता भटक जाती हैं। कम गहराई वाले क्षेत्रों में बहकर किनारे आ जाती हैं। ध्वनि तरंगों की दिशा में बदलाव से वे भ्रमित हो जाती हैं। कई बार जल स्तर तेजी से घटने और बढ़ने से फंस जाती हैं।

समुद्री जीव विज्ञानियों का मनना है कि सुनामी और भूकंप से समुद्र की संरचना में अचानक परिवर्तन व्हेल के लिए खतरनाक हो सकता है। समुद्र के नीचे टेक्टोनिक प्लेट्स के हिलने से पैदा होने वाले ध्वनि कंपन भी व्हेल को भ्रमित कर सकते हैं। भूकंप और सुनामी जैसे प्राकृतिक आपदाओं का असर केवल मानव जीवन तक सीमित नहीं रहता, इसका व्यापक प्रभाव समुद्री जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र पर भी पड़ता है। जापान की यह घटना इस बात की याद दिलाती है कि समुद्री जीवों की सुरक्षा के लिए प्राकृतिक आपदाओं के संकेतों को पहले से समझना और चेतावनी प्रणाली विकसित करना बहुत जरूरी है।

शक्तिशाली भूकंप के कारण दौडी दुनिया भर में चिंता की लहर

हाल ही में रूस के कामचटका प्रायद्वीप में आए 8.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने दुनियाभर में चिंता की लहर दौड़ा दी। भूकंप आने के बाद न केवल कामचटका की सबसे सक्रिय ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ, बल्कि इससे फ्रेंच पोलिनेशिया और चिली तक के लिए सुनामी की चेतावनी जारी करनी पड़ी।

इससे पहले जापान के पूर्वी समुद्र तट को खाली कराने के आदेश दिए गए, क्योंकि यह इलाका 2011 की भयानक सुनामी का शिकार रह चुका है। हवाई के कुछ क्षेत्रों में भी सतर्कता बरतने को कहा गया है। फ्रेंच पोलिनेशिया के अधिकारियों ने चेताया कि मार्केसस द्वीपों में दो से ढाई मीटर ऊंची लहरें उठ सकती हैं, जिससे वहां के निवासियों को तुरंत ऊंचाई की ओर जाने की सलाह दी गई। सुनामी का सबसे बड़ा खतरा इसकी तेज रफ्तार में छिपा होता है। खुले समुद्र में इसकी गति 970 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है, जो किसी जेट विमान की रफ्तार के बराबर मानी जाती है। इसी गति के कारण यह बहुत कम समय में हजारों किलोमीटर दूर तक पहुंच सकती है और तबाही मचा सकती है। सुनामी सामान्यतः समुद्र के भीतर किसी बड़े भूकंप, ज्वालामुखी विस्फोट या समुद्र के नीचे चट्टानों के खिसकने से उत्पन्न होती है।

कभी-कभी यह अंतरिक्ष से गिरे किसी बड़े उल्कापिंड या एस्टेरॉयड के कारण भी उत्पन्न हो सकती है। जब समुद्र की सतह पर अचानक कोई बड़ा बदलाव होता है, तो ऊपर का पानी विस्थापित हो जाता है, जिससे शक्तिशाली लहरें उठती हैं जो तट की ओर तेजी से बढ़ती हैं। हर समुद्र के नीचे आया भूकंप सुनामी नहीं लाता, लेकिन यदि उसकी तीव्रता 6.75 रिक्टर स्केल से अधिक हो और वह उथले समुद्र तल के नीचे हो, तो सुनामी की आशंका बहुत प्रबल हो जाती है। सुनामी दरअसल समुद्री लहरों की एक श्रृंखला होती है, जिसे 'वेव ट्रेन' कहा जाता है। गहरे समुद्र में ये लहरें लंबाई में सैकड़ों किलोमीटर तक फैली होती हैं, लेकिन ऊंचाई बहुत कम होती है महज कुछ फीट। जैसे ही ये लहरें तटरेखा के पास के उथले पानी में पहुंचती हैं, इनकी गति घटने लगती है, लेकिन ऊंचाई और ऊर्जा तेजी से बढ़ने लगती है।

पानी की ऊपरी परत निचली परत से तेज चलती है, जिससे लहरें ऊपर उठती हैं और पानी की विशाल दीवार बन जाती हैं। जब ये दीवार किनारे से टकराती है, तो समुद्र का पानी रफ्तार से भीतर की ओर घुसता है और पूरे तटीय क्षेत्र को जलमग्न कर देता है। सुनामी की लहरें अक्सर एक बार में नहीं आतीं, बल्कि क्रमशः कई लहरों का सिलसिला होता है, जिनमें दूसरी या तीसरी लहर पहली से ज्यादा विनाशकारी हो सकती है। यही कारण है कि चेतावनी मिलने के बाद कुछ समय तक लोगों को वापस तटीय इलाकों में नहीं लौटने दिया जाता।

रूस के ऑयल डिपो पर यूक्रेन का ड्रोन अटैकःआग लगी; विस्फोट का वीडियो बनाने वाली दो रशियन लड़कियों को हिरासत में लिया

मॉस्को. यूक्रेन ने रविवार को रूस के सोची स्थित एक ऑयल डिपो पर ड्रोन से हमला किया। हमले के बाद डिपो में भीषण आग लग गई। क्रास्नोडार क्षेत्र के गवर्नर वेनियामिन कोंद्रात्येव ने बताया कि ड्रोन के मलबे के तेल टैंक से टकराने के बाद आग लगी, जिसे बुझाने के लिए 120 से ज्यादा दमकलकर्मी लगाए गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में डिपो से उठते काले धुएं के गुबार देखे जा सकते हैं। हमले के बाद रूस की नागरिक उड्डयन एजेंसी रोसावियात्सिया ने कुछ समय के लिए सोची एयरपोर्ट पर उड़ानें रोक दीं। इस दौरान 2 रशियन लड़कियां विस्फोट के साथ वीडियो बनाते हुए भी नजर आईं। दोनों के साथ बैकग्राउंड में एक युवक भी मौजूद था।

रूस ने यूक्रेन के 93 ड्रोन मार गिराने का दावा किया

रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रशियन सेना ने शनिवार रात से रविवार सुबह तक रूस और ब्लैक सी के ऊपर यूक्रेन के 93 ड्रोन मार गिराए। हालांकि रूस के वोरोनेज क्षेत्र में एक और यूक्रेनी ड्रोन हमले में चार लोग घायल हो गए। दूसरी तरफ रूस भी लगातार यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है। यूक्रेनी वायुसेना के मुताबिक शनिवार रात 2 अगस्त को रूस ने 76 ड्रोन और 7 मिसाइलें दागीं। इनमें से 60 ड्रोन और 1 मिसाइल को मार गिराया गया। बाकी 16 ड्रोन और 6 मिसाइलें आठ अलग-अलग जगहों पर गिरीं। इससे पहले 31 जुलाई को रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में यूक्रेन के 31 लोग मारे गए थे। इनमें 5 बच्चे शामिल थे, जबकि 150 से ज्यादा घायल हुए थे।

इजराइली मंत्री ने मस्जिद-अल-अक्सा में की यहूदी प्रार्थना, मुस्लिम देश भड़के

इटली में लोग सैर सपाटे के लिए कैपीटोलाइन संग्रहालय पहुंचे।

-कहा- इजराइल कर रहा दशकों पुराने समझौते का उल्लंघन, यह बर्दाश्त नहीं

येरुसलम,(ईएमएस)। इजराइल के नेशनल सिक्योरिटी मंत्री इतामार बेन-गवीर अचानक अल-अक्सा मस्जिद पहुंचे। वहां प्रार्थना करने के बाद बाद मिडिल ईस्ट में फिर तनाव कीचिंगारी भड़क गई। कई मुस्लिम देशों ने कहा कि यह दशकों पुराने समझौते का उल्लंघन है, जिसमें यहूदियों को इस पवित्र स्थल पर प्रार्थना करने की रोक है। वे वहां जा तो सकते हैं लेकिन प्रार्थना नहीं कर सकते।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अल-अक्सा मस्जिद मुस्लिम और यहूदी दोनों धर्मों के लोगों के लिए पवित्र है। यहूदी इसे 'टेम्पल माउंट' कहते हैं, क्योंकि यहां उनके अनुसार कभी उनके मंदिर रहे हैं। वहीं मुसलमानों के लिए यह इस्लाम का तीसरा सबसे पवित्र स्थल है। मान्यता है कि पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब यहीं से स्वर्ग की यात्रा पर गए थे। यह इलाका ईस्ट यरूशलम में है, जिसे इजराइल ने 1967 में कब्जा कर लिया था।

इतामार बेन-गवीर कट्टरपंथी यहूदी विचारधारा के प्रतीक हैं और बार-बार फिलिस्तीनियों के खिलाफ भड़काऊ बयान देते हैं। इस बार उन्होंने पुलिस सुरक्षा में मस्जिद के अंदर प्रवेश किया और प्रार्थना की, जिसकी फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। वैसे तो वे पहले भी इस जगह जाते रहे हैं, लेकिन यह पहली बार है कि उन्होंने मंत्री रहते हुए वहां प्रार्थना की है। इससे यह संदेश मिल रहा है इजराइल समझौते को तोड़ रहा है।

बता दें यह पहली बार नहीं है जब किसी इजराइली मंत्री ने अल-अक्सा परिसर का दौरा किया हो, लेकिन इतामार बेन-गवीर पहले मंत्री हैं जिन्होंने अपने पद पर रहते हुए यहूदी प्रार्थना की है और इसी बात से बवाल मच गया। इससे पहले मंत्री वहां घूमने जाते रहे हैं, लेकिन कभी प्रार्थना नहीं करते थे।

जॉर्डन को इस जगह का अधिकारिक तौर पर संरक्षक बनाया गया है, उसने तुरंत इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। यहां तक कहा कि मंत्री का वहां यहूदी प्रार्थना करना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। हमास ने इसे फलिस्तीनियों के खिलाफ अटैक का नया फेज बताया है। फिलिस्तीनी अथॉरिटी के प्रेसिडेंट महमूद अब्बास के प्रवक्ता ने कहा कि इजराइल ने रेड लाइन पार कर दी है। जब बवाल मचा तो इजराइली पीएमओ की ओर से तुरंत सफाई आई कि हमने स्टेटस में कोई बदलाव नहीं किया है। बेन-गवीर ने अल अक्सा मस्जिद में खड़े होकर गाजा को पूरी तरह कब्जाने और फिलिस्तीनियों को स्वेच्छा से बाहर निकालने की बात दोहराई। बेन-गवीर इस्राइली राजनीति में सबसे ज्यादा कट्टर नेताओं में गिने जाते हैं।

पाकिस्तान में बाढ़ ने मचाई तबाही, अब तक 299 लोगों की मौत, इनमें 140 बच्चे

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। पाकिस्तान में मूसलाधार बारिश ने कहर बरपाया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की ओर जारी आंकड़ों के मुताबिक 26 जून से अब तक 140 बच्चों समेत कम से कम 299 लोगों की जान चली गई और 715 घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को बारिश से जुड़ी घटनाओं में 715 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 239 बच्चे, 204 महिलाएं और 272 पुरुष हैं। इस बीच अचानक आई बाढ़ और भारी बारिश में कुल 1,676 घरों को नुकसान पहुंचा है और 428 पशुओं की मौत हुई है। बाढ़ ने कई क्षेत्रों में तबाही मचाई है और लागों को भारी नुकसान पहुंचाया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) ने देश के ऊपरी और मध्य क्षेत्रों में बारिश का दौर जारी रहने की बात कही है। सोमवार को कमजोर मानसूनी हवाओं के तेज होने और मंगलवार को तेज पश्चिमी लहरें आने की संभावना है। पीएमडी के राष्ट्रीय मौसम के मुताबिक गुरुवार तक पीओके, गिलगित-बाल्टिस्तान, खैबर-पख्तूनख्वा, पंजाब और इस्लामाबाद में गरज के साथ भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बताया कि आने वाले सप्ताह में हवा व गरज-चमक के साथ बारिश का अनुमान है। कमजोर मानसूनी हवाएं देश के ऊपरी व मध्य भागों में चल रही हैं और सोमवार से इनके तेज होने की संभावना है। मंगलवार को एक पश्चिमी विक्षोभ के मजबूत होने की संभावना है। पाकिस्तानी मौसम विभाग ने बुधवार को उत्तर-पूर्वी बलूचिस्तान के कई हिस्सों में बारिश और तूफान का पूर्वानुमान लगाया है, साथ ही चेतावनी दी है कि निचले इलाकों में बाढ़ आ सकती है और नागरिकों से सावधानी बरतने का आग्रह किया है। सभी संबंधित संस्थानों को सतर्क रहने और अग्रिम उपाय करने के निर्देश दिए हैं। मौसम विभाग ने आगाह किया कि भारी बारिश से चित्राल, दीर, स्वात, शांगला, मानसेहरा, कोहिस्तान, एबटाबाद, बुनेर, चारसद्दा, नौशेरा, स्वाबी, मर्दन, मुर्री, गलियात, रावलपिंडी, उत्तर-पूर्वी पंजाब और पीओके समेत कई क्षेत्रों के नाले अचानक उफन सकते हैं। इस सप्ताह में इस्लामाबाद और रावलपिंडी, गुजरांवाला, लाहौर और सियालकोट के निचले इलाकों में संभावित शहरी बाढ़ आने की संभावना है।

मुस्लिम ब्रदरहुड को आतंकवादी संगठन घोषित कर सकता है अमेरिका

-रिपोर्ट के मुताबिक दो अमेरिकी सांसदों ने किया विधेयक पेश

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका एक बार फिर मुस्लिम ब्रदरहुड को आतंकवादी संगठन घोषित करने की दिशा में काम कर रहा है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई के मध्य में रिपब्लिकन सांसद मारियो डियाज-बालार्ट और डेमोक्रेटिक सांसद जैरेड मॉस्कोविट्ज द्वारा एक विधेयक पेश किया गया है, जिसमें मुस्लिम ब्रदरहुड को आतंकी संगठन घोषित करने की मांग की गई है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इसकी पुष्टि की है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मुस्लिम ब्रदरहुड भले ही खुद को एक राजनीतिक आंदोलन के रूप में प्रस्तुत करता है, लेकिन वास्तव में यह हिंसक इस्लामी नेटवर्क का वैचारिक स्रोत है। इस विधेयक को अमेरिका के कई प्रमुख नीति संगठनों का भी समर्थन मिला है। इन संगठनों ने उजागर किया है कि मुस्लिम ब्रदरहुड दोहरी रणनीति अपनाता है। एक ओर आधुनिक छवि पेश करता है, वहीं दूसरी ओर अपने एजेंडे को हिंसक तरीकों से लागू करने वाले गुटों को समर्थन करता है।

रिपोर्ट के मुताबिक मुस्लिम ब्रदरहुड का खतरा महज एक राजनीतिक आंदोलन नहीं बल्कि एक वैश्विक परियोजना है, जिसकी जड़ें हसन अल-बन्ना और सैयद कुतुब की कट्टरपंथी सोच में हैं। 1928 में मिस्र के सूफी प्रचारक हसन अल-बन्ना ने जामिया हसाफिया अल-खैरिया की स्थापना की, जिसका उद्देश्य इस्लामी खिलाफत की बहाली था। बाद में इसे अल-इखवान अल-मुस्लिमून यानी मुस्लिम ब्रदरहुड नाम दिया गया। 1949 में अल-बन्ना की हत्या के बाद सैयद कुतुब ने संगठन की कमान संभाली और एक वैचारिक ढांचा तैयार किया, जिसने बाद में अल-कायदा और आईएसआईएस जैसे संगठनों को प्रेरित किया।

रिपोर्ट में बताया गया है कि ओसामा बिन लादेन की मां ने स्वीकार किया था कि उनका बेटा अब्दुल्ला अज़्ज़ाम फिलिस्तीनी ब्रदरहुड सदस्य के संपर्क में आने के बाद कट्टरपंथी बना। अज़्ज़ाम ने उसे जेद्दाह की किंग अब्दुलअज़ीज़ यूनिवर्सिटी में भर्ती किया था। वहीं, अल-कायदा के वर्तमान प्रमुख अयमान अल-जवाहिरी की शुरुआत भी मुस्लिम ब्रदरहुड से ही हुई थी।

पाकिस्तान का गौरव थे एफ-16 विमान, अब तकनीकी खराबी के कारण होंगे बाहर

-अब वायुसेना जेएफ-17 थंडर पर हो रही निर्भर, जो पाक-चीन का संयुक्त उत्पाद

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। अमेरिका से मिले एफ-16 लड़ाकू विमान पाकिस्तान वायुसेना की हवाई ताकत का गौरव थे। हालांकि अब ये फाइटर जेट संकट का सामना कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रैट एंड व्हिटनी एफ100 इंजनों में तकनीकी खराबी, पुराने होने के कारण टूट-फूट और स्पेयर पार्ट्स की भारी कमी ने इन विमानों को जमीन पर ला दिया है। पिछले तीन सालों में दर्जनों इंजन खराब हो चुके हैं, जिससे पाक वायुसेना की परिचालन क्षमता पर गहरा असर पड़ा है।

अमेरिका के सख्त निर्यात नियंत्रण और विदेशी सैन्य बिक्री कार्यक्रम के लिए भुगतान में देरी ने इंजन पार्ट्स और रखरखाव किट की आपूर्ति रोक दी है। इसके चलते पाकिस्तान के पास हर मौसम में लड़ने वाले मल्टीरोल जेट की उपलब्धता सीमित हो गई है, जो राष्ट्रीय एयर डिफेंस के लिए बड़ा झटका है। एफ-16 की उम्र और अमेरिकी प्रतिबंधों ने इस संकट को और मुश्किल बना दिया है। अमेरिका-पाकिस्तान समझौते के तहत इन विमानों का उपयोग केवल निर्धारित ठिकानों से और काउंटर-टेररिज्म के लिए सीमित है, जिसके उल्लंघन पर लॉजिस्टिक सप्लाई रुक सकती है। नतीजतन, कई एफ-16 विमान मरम्मत या पार्ट्स के इंतजार में खड़े हैं, जिससे नियमित गश्त और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रभावित हो रही है। पाक वायुसेना अब जेएफ-17 थंडर पर निर्भरता बढ़ा रहा है, जो पाकिस्तान और चीन का संयुक्त उत्पाद है, लेकिन जेएफ-17 के रूसी आरडी-93 इंजनों में भी रखरखाव और स्पेयर पार्ट्स की कमी की समस्या है, क्योंकि रूस पर प्रतिबंध और तकनीकी सीमाएं इसे एफ-16 का पूर्ण विकल्प बनने से रोक रही है। इस संकट ने पाकिस्तान को रणनीतिक रूप से कमजोर स्थिति में ला दिया है। राष्ट्रीय एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी पार्क के तहत पीएएफ ड्रोन और मानवरहित एयर डिफेंस सिस्टम पर ध्यान दे रहा है। स्थानीय कंपनी ग्वाल्फा टेक प्राइवेट लिमिटेड के जरिए ड्रोन खरीद और स्वदेशीकरण पर जोर है, जो खुफिया जानकारी और सटीक हमलों की क्षमता बढ़ाता है। पाकिस्तान चीन से नॉरिन्को से तोपखाने, बख्तरबंद प्रणालियां और वीटी4 एमबीटी जैसे उपकरण खरीद रहा है, जो युद्धक्षेत्र में गतिशीलता बढ़ाते हैं, साथ ही वह तुर्की के साथ रक्षा सहयोग भी बढ़ रहा है, जिसमें मिल्गेम कॉर्वेट्स और बायरकतार ड्रोन शामिल हैं, जो नौसैनिक और मानवरहित युद्ध में अहम हैं। हालांकि, टी-129 सौदे में अमेरिकी निर्यात कंट्रोल ने बाधा डाली। पाकिस्तान का एफ-16 संकट उसकी रक्षा रणनीति के लिए चुनौती है। अगर अमेरिका के साथ सहयोग नहीं बढ़ा या कोई वैकल्पिक समाधान नहीं मिला, तो पाक वायुसेना की हवाई ताकत और राष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ेगा।

पाकिस्तान और अफगान शरणार्थीः अपमानित महसूस कर रहे अफगान, बढ़ रहा है मानवीय संकट

लाहौर,(ईएमएस)। पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों को वापस भेजने की अपनी तीसरी चरण की प्रक्रिया तेज कर दी है, खासकर सिंध और पंजाब के बाद अब खैबर पख्तूनख्वा में भी अभियान शुरू हो गया है। कई अफगान शरणार्थियों ने दावा किया है कि उन्हें पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा अपमानित महसूस कराया गया और उनसे दस्तावेज़ बनवाने के नाम पर पैसे मांगे गए। पाकिस्तानी गृह मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, सभी प्रांतों में वैध वीजा और पासपोर्ट के बिना रहने वाले अफगान नागरिकों को गिरफ्तार कर निर्वासित किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, तोरखम के ओमारी अस्थायी शिविर में लौटने वाले शरणार्थियों के लिए परिवहन, स्वास्थ्य क्लीनिक, टेंट और वित्तीय सहायता (प्रति व्यक्ति 8,000 से 10,000 अफगानी रुपये) जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं। हालांकि, कई परिवारों ने, जिनके पास वैध पीओआर (प्रूफ ऑफ रजिस्ट्रेशन) कार्ड थे, पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा दुर्व्यवहार किए जाने की शिकायत की है। कुछ शरणार्थियों ने बताया कि उनसे चेकपोस्ट पर बड़ी रकम (जैसे 2,00,000 पाकिस्तानी रुपये) की मांगी कर परेशान किया गया।

साओ पाउलो में पूर्व ब्राजीली राष्ट्रपति जार बोलसेंड्रो के समर्थक विरोध प्रदर्शन करते हुए।

यमन तट पर प्रवासी नाव पलटने से 68 की मौत, 74 लापता

सीरिया (ईएमएस)। यमन के तट पर एक प्रवासी नाव पलटने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 68 हो गई है, जबकि अभी भी 74 लोग लापता हैं। यह हादसा तब हुआ जब 154 इथियोपियाई प्रवासियों को ले जा रही एक नाव अबयान प्रांत के तटीय जलक्षेत्र में पलट गई। बचाव दल ने 68 शव बरामद किए हैं और 12 जीवित बचे लोगों को पानी से निकाला गया। बचे हुए लोगों को आपातकालीन चिकित्सा उपचार के लिए शक्र जनरल अस्पताल ले जाया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। अबयान सुरक्षा अधिकारियों ने पुष्टि की है कि सभी पीड़ित और बचे हुए लोग इथियोपियाई नागरिक हैं। ये लोग यमन पहुंचने और फिर बेहतर आर्थिक अवसरों की तलाश में खाड़ी देशों की यात्रा करने वाले अफ्रीकी प्रवासियों के निरंतर आगमन का हिस्सा हैं।

79 साल की अभिनेत्री लोनी एंडरसन का निधन

लंदन (ईएमएस)। हिट टीवी कॉमेडी डब्ल्यूकेआरपी इन सिनसिनाटी में रेडियो स्टेशन की रिसेप्शनिस्ट का किरदार निभाकर सुर्खियों में आई अभिनेत्री लोनी एंडरसन अब हमारे बीच नहीं रही। वे लंबे समय से बीमार थीं और 80वें जन्मदिन से एक दिन पहले उन्होंने अंतिम सांस ली। वे 79 साल की थीं और उनका जन्मदिन पांच अगस्त को है। उनके निधन की पुष्टि कर एंडरसन के परिवार ने बताया कि हमें अपनी प्यारी पत्नी, मां और दादी के निधन की घोषणा करते हुए बहुत दुख हो रहा है।

लोनी एंडरसन एक मशहूर अमेरिकी अभिनेत्री थीं। उन्हें सबसे ज्यादा पहचान डब्ल्यूकेआरपी इन सिनसिनाटी नाम के टीवी शो से मिली जो 1978 से 1982 तक चला। शो में उन्होंने जेनिफर के रूप में एक रिशेप्शनिस्ट का किरदार निभाया था। वह अपने बॉस मिस्टर कार्लसन के लिए अनचाहे फोन कॉल्स को संभालती थीं और अपनी चतुराई से रेडियो स्टेशन को अच्छे से चलाती थीं। इस शो में उनके साथ गैरी सैंडी, टिम रीड, हॉवर्ड हेसमैन, फ्रैंक बोनर और जान स्मिथर्स जैसे स्टार्स थे।

क्या...एक साल बाद हसीना को हटाकर यूनुस को लाने वाले छात्र अब ठगा महसूस कर रहे

ढाका,(ईएमएस)। क्या हम सच में जीते हैं, यह सवाल आज बांग्लादेश की सड़कों पर हर कोई पूछ रहा है। जिस आंदोलन ने एक साल पहले शेख हसीना को सत्ता से बाहर किया था, वहीं आंदोलनकारी अब मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार से नाराज हैं। छात्रों और आम लोगों को लगता है कि जिस बदलाव के लिए उन्होंने लड़ाई लड़ी थी, वह बदलाव अब सिर्फ चेहरों की अदला-बदली बनकर रह गई है। महंगाई, बेरोजगारी और पुराने सिस्टम के जाल में फंसी यूनुस सरकार ने उनकी उम्मीदों को झटका दे दिया है। इसी निराशा ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है, क्या हमने वाकई जीत हासिल की थी, या सिर्फ सत्ता बदलने की औपचारिकता पूरी की?

बांग्लादेश की राजधानी ढाका की सड़कों पर एक साल पहले जो जश्न मनाया गया था, वह आज निराशा में बदल गया है। बांग्लादेश की सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना को पिछले साल छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के बाद सत्ता से बाहर होना पड़ा था। इन हिंसक प्रदर्शनों में करीब 1,400 लोगों की जान गई थी। हसीना के 15 साल लंबे शासन का नाटकीय अंत तब हुआ जब उन्होंने अपने ढाका आवास से हेलिकॉप्टर में बैठकर भागने में ही भलाई समझी। गुस्साई छात्रों की भीड़ ने उनके घर को लूटा और उनकी पार्टी आवामी लीग बिखर गई। अब हसीना क्राइम्स अगेंस्ट ह्यूमैनिटी (मानवता के खिलाफ अपराध) के मामलों में ढाका के इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल में अनुपस्थिति में मुकदमे का सामना कर रही हैं। उन्होंने विदेश से ही बयान जारी कर अपने समर्थकों की मौत का बदला लेने की धमकी दी है। वहीं, बांग्लादेशी अधिकारी उनके परिवार और सहयोगियों के खिलाफ इंटरपोल नोटिस जारी कर रहे हैं।

हसीना के पतन के बाद बांग्लादेश में बदलाव की उम्मीदें जगी। छात्रों, नागरिक समूहों और विपक्षी दलों के गठबंधन ने नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम राष्ट्रपति बनाया। 85 वर्षीय यूनुस को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक भरोसेमंद चेहरा माना गया। उन्होंने सत्ता संभालते हुए ऐलान किया कि बांग्लादेश "दमन की राख पर जन्मा एक नया गणराज्य बनेगा।

वैश्विक मंच पर भी यूनुस ने बांग्लादेश को नई दिशा देने की कोशिश की। मार्च 2025 में चीन दौरे पर उन्होंने 2.1 अरब डॉलर के निवेश की डील की। अमेरिका से ट्रेड टैक्स में राहत मांगी और भारत के साथ रणनीतिक रिश्ते मजबूत करने पर जोर दिया। शुरुआत में यह सब बांग्लादेशियों को बदलाव की ओर बढ़ता कदम लगा।

लेकिन अब एक साल बाद तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। महंगाई जहां 9 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है, बेरोजगारी बढ़ रही है और अमेरिकी टैक्स नीतियों ने देश की गारमेंट इंडस्ट्री की कमर तोड़ दी है। यूनुस सरकार पर आरोप है कि पुराने सिस्टम में बैठे हसीना समर्थक अफसर योजनाओं को रोक रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि वे सिस्टम को सबसे अच्छी तरह जानते हैं और बस इंतजार कर रहे हैं कि यह सरकार थक जाए। इन अफसरों पर खरीद प्रक्रिया रोकने, जरूरी डेटा छुपाने और प्रस्तावों को टालने जैसे आरोप लगे हैं। इसके अलावा सरकार के अंदर भी दरारें बढ़ रही हैं। कुछ सहयोगी यूनुस के संविधान सुधारों से डर रहे हैं कि इससे उनकी ताकत कम होगी।

ट्रंप के सलाहकार का दावा कहा- यूक्रेन जंग में रूस को फंडिंग कर रहा भारत

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक सहयोगी ने रूस से तेल खरीदने पर भारत की आलोचना की और भारत पर यूक्रेन युद्ध में रूस को वित्तीय मदद पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह एक आश्चर्यजनक तथ्य है कि इस मामले में भारत चीन के साथ गठजोड़ बनाकर काम कर रहा है और जमकर रूसी तेल खरीद रहा है। मिलर का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब ट्रंप प्रशासन अन्य देशों के ऊपर लगातार दबाव बना रहा है। इसी सिलसिले में उसने भारत के ऊपर भी 25 प्रतिशत टैरिफ और जुर्माने की घोषणा की है। हालांकि, अमेरिकी दबाव के बावजूद भारत की तरफ से रूसी तेल खरीद को बंद करने के कोई संकेत नहीं मिले। रॉयटर्स के अनुसार भारत सरकार के सूत्रों ने कहा कि वह रूस से तेल आयात करना जारी रखेंगे। ट्रंप के डिप्टी चीफ ऑप स्टाफ स्टीफन मिलर ने कहा कि ट्रंप चाहते हैं कि भारत रूसी तेल की खरीद को बंद कर दे। संडे मॉर्निंग फ्यूचर्स से बात करते हुए मिलर ने कहा, उन्होंने (ट्रंप ने) बहुत ही स्पष्ट शब्दों में कहा है कि भारत को रूस से तेल खरीदना बंद कर देना चाहिए।

ओवल टेस्ट- भारत की रोमांचक जीत, सीरीज 2-2 से ड्रॉ

इंग्लैंड के आखिरी 4 विकेट एक घंटे में गिरे; सिराज 9 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच, प्लेयर ऑफ द सीरीज शुभमन, हैरी

लंदन. भारत ने द ओवल टेस्ट के आखिरी दिन 4 विकेट लेकर 6 रन से मैच जीत लिया। इसी के साथ टीम ने 5 मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी भी 2-2 से बराबर करा ली। मोहम्मद सिराज ने दूसरी पारी में 5 विकेट लेकर मैच पलटा और टीम को रोमांचक जीत दिलाई। सोमवार को मुकाबले के आखिरी दिन इंग्लैंड को 35 रन बनाने थे और 4 विकेट बाकी थे। मोहम्मद सिराज ने 3 विकेट लेकर जीत भारत की झोली में डाल दी। द ओवल में गुरुवार को इंग्लैंड ने बॉलिंग चुनी। पहली पारी में भारत ने 224 और इंग्लैंड ने 247 रन बनाए। 23 रन से पिछड़ने के बाद भारत ने दूसरी पारी में 396 रन बना दिए। इंग्लैंड को 374 रन का टारगेट मिला। टीम ने 3 विकेट के नुकसान पर 300 रन बना दिए थे। तभी हैरी ब्रूक सेंचुरी लगाकर आउट हो गए। यहां से भारत ने 354 तक इंग्लैंड के 8 विकेट गिरा दिए। गस एटकिंसन और जोश टंग ने आखिर में टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन सिराज ने आखिरी विकेट

लेकर भारत को करीबी जीत दिला दी। इंजर्ड क्रिस वोक्स भी लेफ्ट हैंड से बैटिंग करने उतरे, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। सीरीज का दूसरा और पांचवां टेस्ट भारत ने जीता, पहला और तीसरा टेस्ट इंग्लैंड के नाम रहा। वहीं चौथा टेस्ट ड्रॉ हुआ। दोनों टीमों ने बढ़िया प्रदर्शन किया। हर मैच आखिरी दिन तक पहुंचा, जो कि दोनों टीमों का प्रदर्शन बताता है। जब सिराज-प्रसिद्ध जैसे गेंदबाज गेंदबाजी कर रहे होते हैं, तो कप्तान के रूप में ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं होती है। दोनों जानते हैं गेंद को कैसे हरकत कराना है।

सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में फेंकी 1000 से अधिक गेंदें

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में लगातार सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलकर सबसे अधिक गेंद फैंकने का रिकार्ड भी बनाया है। सिराज ने एक भी मैच में आराम नहीं मांग और ही काम के बोझ की बात कही। इसी कारण वह सीरीज में सबसे अधिक 20 विकेट लेने के साथ-साथ सबसे ज्यादा गेंदें डालने वाले गेंदबाज भी बन गए हैं। इस सीरीज में सिराज ने 1000 से अधिक गेंदें फेंकी हैं। अभी तक खेले 5 टेस्ट मैचों में सिराज ने 1088 गेंदें फेंकी हैं। इस दौरान उन्होंने 36.85 की औसत के साथ 737 रन देकर 20 विकेट लिए हैं। सिराज के अलावा इस सीरीज में गेंदबाज इंग्लैंड के क्रिस वोक्स ने भी 1000 से अधिक गेंदें फेंकी हैं। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है। सिराज एक टेस्ट सीरीज में 1000 से अधिक गेंदें फेंकने वाले 28वें भारतीय तेज गेंदबाज बने हैं। वहीं चार साल बाद कोई भारतीय गेंदबाज ऐसा करने में सफल रहा है। अंतिम बार यह रिकार्ड जसप्रीत बुमराह ने साल 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया। सिराज एक टेस्ट सीरीज में 1000 से अधिक गेंदें डालने वाले 8वें भारतीय तेज गेंदबाज बने हैं।भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक टेस्ट सीरीज में 1000 से अधिक गेंद डालने वाले तेज गेंदबाज लाला अमरनाथ थे, जिन्होंने 1947 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ये कारनामा किया था।

शुभमन गिल, कप्तान भारत

हमें पता था कि इंग्लैंड के खेमे में दबाव है और हम इसी सोच के साथ आए थे कि उनके ऊपर से दबाव कम नहीं होने देना है। इस प्रदर्शन से मैं खुश हूं और इस सीरीज से पहले मैंने काफी मेहनत की थी। यह मानसिक और तकनीकी दोनों तौर पर सुधार करने के बारे में था और दोनों चीजें एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं।

बेन स्टोक्स, इंग्लिश कप्तान

हम ये नतीजा नहीं चाहते थे, हम सीरीज जीतना चाहते थे। हर कोई बहुत हताश और निराश है। मेरे लिए गेम ना खेल पाना कठिन रहा है। इंग्लैंड-भारत सीरीज हमेशा खास रहती है। हर कोई अपने देश को रिप्रिजेंट करने आता है। जब मैच की शुरुआत में आपका एक गेंदबाज कम हो जाता है, दूसरे गेंदबाजों पर दबाव और जिम्मेदारी बढ़ जाती है।

सिंगापुर में विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप में चीन के झाओ रेंजी 10 मीटर प्लेट फार्म डाइविंग में भाग लेते हुए।

रूट घरेलू धरती पर सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले क्रिकेटर बने

ओवल (ईएमएस)। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट में शतक लगाने के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। रुट ने दूसरी पारी में 152 गेंदों में 12 चौकों की सहायता से 105 रन बनाये। यह रूट के टेस्ट करियर का 39वां शतक है। इसी के साथ ही रूट घरेलू धरती पर सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड में 24वां टेस्ट शतक लगाकर शीर्ष पर पहुंच गये। रूट ने इस शतक के साथ ही श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज महेला जयवर्धने, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर जैक्स कैलिस का रिकार्ड तोड़ा। इन तीनों ने ही अपने धरती पर टेस्ट क्रिकेट में 23-23 शतक लगाये हैं। रूट ने इसके अलावा श्रीलंका के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार संगकारा को भी पीछे छोड़ा है। संगकारा इससे पहले टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले ले खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर थे लेकर अब वह पांचवें स्थान पर फिसल गये हैं। संगकारा ने कुल 38 टेस्ट शतक लगाए थे। टेस्ट में सबसे अधिक शतक का रिकॉर्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम 51 शतक का है। उसके बाद जैक कैलिस के नाम 45 और पोंटिंग के नाम 41 शतक हैं। रूट ने इसके अलावा भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की बराबरी की है। रूट और स्मिथ ने भारत के सामने 16-16 शतक लगाये हैं। रूट ने भारत के खिलाफ 13 टेस्ट शतक लगाये हैं। वह एक टीम के खिलाफ सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब तक केवल भारतय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के नाम ही ये रिकार्ड था। गावस्कर ने वेस्टइंडीज के विरुद्ध 13 टेस्ट शतक जड़े थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन के नाम सबसे अधिक 19 शतक हैं जो उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ लगाये थे।

मोर्कल ने सिराज की जमकर प्रशंसा की

भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की जमकर प्रशंसा की है। सिराज ने अब तक इस सीरीज में लगातार खेला है और 180 से ज्यादा ओवर फेंके हैं। इसके अलावा सीरीज में अबतक 20 विकेट लिए हैं। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में उनपर गेंदबाजी का बोझ भी बढ़ गया है। वहीं जब मोर्कल ने उनसे वर्कलोड के बारे में पूछा तो सिराज ने कहा था कि बुमराह की गैरमौजूदगी के कारण वह पांचवां टेस्ट भी खेलना चाहते हैं। इसके बाद ही वह ओवल टेस्ट में उतरे और उन्होंने गेंदबाजी की कमान संभालते हुए अपने सभी ओवर किये। मोर्कल ने बताया कि जब ओवल टेस्ट से पहले उन्होंने सिराज से वर्कलोड पर बात की तब उनका जवाब था, 'मैं इस टेस्ट मैच को खेलना चाहता हूं और मैं इसे टीम के लिए जीतना चाहता हूं।' मोर्कल ने सिराज की जमकर प्रशंसा भी की ओर उन्हें एक स्वाभाविक लीडर करार दिया है। मोर्कल ने चौथे दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा, 'मैंने टेस्ट सीरीज के दौरान पहले भी कहा है, मैं बहुत खुश हूं कि सिराज को अब मान्यता मिलने लगी है। वह चेंजिंग रूम का वह लड़का है जो आगे बढ़कर नेतृत्व करेगा। वह एक स्वाभाविक नेता है हालांकि, वह बहुत ज्यादा नहीं बोलता पर मुझे लगता है कि वह अपने ऐक्शन से नेतृत्व करता है। यहां तक कि अगर दो-तीन ओवर अतिरिक्त फेंकने और हमारे लिए मौका बनाने की बात हो तब वह गेंदबाज सिराज हैं।'

मोर्कल ने कृष्णा को जादुई गेंदबाज कहा

भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह एक ऐसे गेंदबाज हैं जो जादुई गेंदें फेंकते हैं। इसलिए उन्हें लंबे समय तक के लिए टीम में अवसर दिये जाने की जरुरत है। मोर्केल ने इसलिए कृष्णा को जादुई गेंदबाज कहा है कयोंकि चौथे दिन एक समय मेजबान टीम ने 374 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 3 विकेट पर 301 रन बना लिए थे पर इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने 3 विकेट लिए। मोर्केल ने प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज की जमकर तारीफ की। साथ ही कहा कि कृष्णा का भी इस दौरे पर आत्मविश्वास लौटा है। अगर पहले टेस्ट मैच से आज तक देखें, उसकी निरंतरता, उसकी लाइन-लेंथ में काफी सुधार हुआ है. मुझे विश्वास है कि वह भारत के लिए बहुत अच्छा टेस्ट गेंदबाज बन सकता है।'

मोर्ने मोर्केल ने कहा, 'उसे केवल थोड़े समय और आत्मविश्वास की जरूरत है। फिर तो वह हर स्पेल में ऐसा खिलाड़ी है जो आपके लिए अतिरिक्त उछाल और गति के साथ जादुई गेंदें करने जा सकता है।' वहीं इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने भी सिराज और प्रसिद्ध की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'कृष्णा शानदार खिलाड़ी है! भारत के लिए खेलने का मतलब ही है कि आज प्रतिभाशाली हैं।' वहीं रूट ने कृष्णा के साथ हुई बहस को लेकर कहा कि 'हमारे बीच ऐसा कुछ नहीं था जो परेशानी का कारण हो। वहीं कृष्णा ने कहा था कि वह मैदान के बाहर अच्छे दोस्त हैं।

ओली को कप्तानी के योग्य नहीं मानते वॉन , बोले हैरी को दें जिम्मेदारी

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भारत के खिलाफ जारी पांचवें क्रिकेट टेस्ट मैच में एक ऐसी मांग कर दी जिससे सभी हैरान हो गये। वॉन ने कहा कि ओली पोप टीम की कप्तानी करने के योग्य नहीं हैं, इसलिए उन्हें हटा दिया जाना चाहिये। नियमित कप्तान बेन स्टोक्स के चोटिल होने के कारण इस मैच में ओली इंग्लैंड टीम की कप्तानी कर रहे हैं। ओली वैसे तो पहले भी टेस्ट मैच में कप्तानी कर चुके हैं पर वॉन उन्हें इस भूमिका के काबिल नहीं मानते। इस पूर्व कप्तान वॉन के अनुसार ऑली की जगह प हैरी ब्रूक को कपतान बनाया जाना चाहिये। वॉन ने इंग्लैंड के लिए 51 टेस्ट में कप्तानी की है, जिसमें से वह 26 में जीते थे।

वॉन के अनुसार हैरी अच्छे बल्लेबाज हैं। उन्होंने केवल 30 टेस्ट में 9 शतक लगाये हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के चौथे दिन शतक लगाकर अपनी टीम को बेहतर हालत में पहुंचाया। उनकी पारी की बदौलत ही इंग्लैंड टीम 6 विकेट पर 339 रन बना पायी। से महज 35 रन दूर है. वॉन ने कहा, 'हैरी ब्रूक, मुझे एक लीडर की तरह दिखते हैं। ' इस क्रिकेटर को इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड का सीमित ओवरों के लिए कप्तान बनाया गया था। वहीं वॉन से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मैं ओली को ऐसे व्यक्ति के रूप में देखता हूं जो शानदार उप-कप्तान हैं। वे कप्तान को सलाह देने के लिए एक शानदार व्यक्ति हैं। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि उप-कप्तान शानदार कप्तान नहीं होते। जैसे मार्कस ट्रेस्कोथिक मेरे लिए बेहतरीन उप-कप्तान थे पर वह कप्तानी नहीं कर पाये।'

हैरी ब्रूक ने बनाया रिकार्ड

इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने भारत के खिलाफ पांचवें क्रिकेट टेस्ट मैच में तेजी से एक शतक लगा दिया। हैरी ने 91 गेंदों में ही ये शतक लगाया। इस प्रकार वह भारतीय टीम के खिलाफ सबसे तेज टेस्ट शतक लगाने वाले अपने देश के तीसरे बल्लेबाज बने हैं। भारतीय टीम के खिलाफ सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के ही जेमी स्मिथ के नाम है। उन्होंने बर्मिंघम में 80 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वहीं दूसरे नंबर पर बेन डकेट हैं, उन्होंने 88 गेंद में ये कारनामा किया है। हैरी ने जारी सीरीज में 5 मैचों की नौ पारियों में 53.44 के औसत से कुल 481 रन बनाए हैं। उन्होंने सीरीज में दो शतक और इतने ही अर्धशतक लगाए हैं। ब्रूक ने 98 गेंदों में 111 रन की आक्रामक पारी खेली। हैरी ने अपनी 50वीं टेस्ट पारी में 10वां टेस्ट शतक लगाया। इसके साथ ही वह 1955 के बाद 50 या उससे कम पारियों में अपना 10वां शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। गौरतलब है कि वेस्टइंडीज के क्लाइड वॉलकॉट ने साल 1955 में 47 पारियों में 10 शतक लगाए थे।

पीसीबी ने अपने क्रिकेटरों के डब्ल्यूसीएल में भाग लेने पर रोक लगायी

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपने पूर्व क्रिकेटरों को विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में भाग लेने पर रोक लगा दी है। पीसीबी ने कहा है कि उसने ये फैसला आयोजकों के भेदभाव पूर्ण रवैये को देखते हुए लिया है। डब्ल्यूसीएल में भारतीय टीम ने पाकिस्तान से खेलने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद से ही पीसीबी भड़का हुआ है। उसका कहना है कि आयोजकों ने अंक बांटने में भी पक्षपात किया। पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी की अध्यक्षता में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक के बाद में कहा, ''पीसीबी भविष्य में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में अपने खिलाड़ियों के भाग लेने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा रहा है।'' पीसीबी ने डब्ल्यूसीएल द्वारा भारत को अंक देने के फैसले की भी आलोचना की और कहा कि इस प्रकार का फैसला भेदभाव ही कहा जाएगा क्योंकि भारतीय टीम के मैच से हटने के बाद अंक बांटने की जरुरत ही नहीं थी।।'' भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप चरण में मुकाबला होना था पर भारतीय टीम ने पहलगाम आतंकवादी हमले के विरोध में पाक से खेलने से इनकार कर दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में भी उससे नहीं खेलने का फैसला किया जिससे पाक सीधे फाइनल में पहुंच गया। पीसीबी ने कहा कहा, '' हमने डब्ल्यूसीएल के जानबूझकर मैच गंवाने वाली टीम को अंक देने के फैसले की समीक्षा की। इसके अलावाभारत बनाम पाकिस्तान लीजेंड्स मैचों को रद्द करने की घोषणा करने वाली डब्ल्यूसीएल की प्रेस विज्ञप्तियों की भी समीक्षा भी की गई और उसे भेदभवपूर्ण पाया।'' बोर्ड ने आगे कहा कि वह अपने खिलाड़ियों को ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति नहीं दे सकता, जहां ''खेल भावना पर पक्षपातपूर्ण राजनीति हावी हो रही हो और जो खेल भावना के मूल तत्व को कमजोर कर रही हो।''

आईसीसी आर्थिक रूप से कमजोर क्रिकेट बोर्ड वाली टीमें पर भी ध्यान दे : गूच

भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच ही टेस्ट सीरीज होने से नीरसता आयेगी

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्राहम गूच का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को टेस्ट क्रिकेट का अस्तित्व बचाने के लिए उसपर ध्यान देना चाहिये। गूच के अनुसार भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी बड़ी टीमों के ही आपस में ही अधिक खेलने से खेल में नीरसता आयेगी। वहीं वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसे आर्थिक रूप से कमजोर क्रिकेट बोर्ड वाली टीमें केवल दो या तीन मैच की सीरीज में ही भाग लेती हैं। ऐसे में आईसीसी को इन देशों के साथ भी अधिक टेस्ट सीरीज आयोजित करने

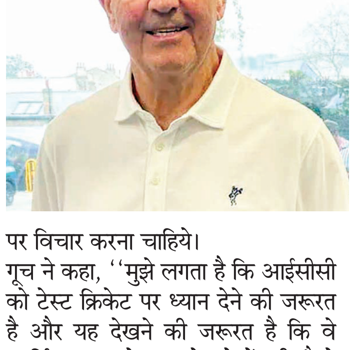

पर विचार करना चाहिये।

गूच ने कहा, ''मुझे लगता है कि आईसीसी को टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान देने की जरूरत है और यह देखने की जरूरत है कि वे आर्थिक रूप से कमजोर देशों की कैसे सहायता की जा सकती है। मैं छोटे देशों की बात नहीं कर रहा बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर देशों की बात कर रहा हूं।'' गूच ने कहा, ''अगर आपको टेस्ट क्रिकेट को बचाए रखना है तो आप केवल तीन टीम के बीच नहीं खेल सकते। ऐसे में अगर न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमें कम टेस्ट क्रिकेट खेलेंगी तो किसी के पास खेलने के लिए कोई नहीं होगा। इसलिए उन्हें खेल में सहयोग की जरुरत है' भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैच की सीरीज में कड़े मुकाबले हुए हैं। जिन्हें क्रिकेट के भविष्य के लिए गूच सकारात्मक कदम मानते हैं। गूच नजदीकी मैचों में पैदा हुए रोमांच से बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, ''यह एक शानदार सीरीज रही है और टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहद अच्छी है क्योंकि हम जानते हैं कि आजकल लीग फ्रेंचाइजी क्रिकेट दुनिया भर में छाया हुआ है और टेस्ट क्रिकेट पहले से ही दबाव में है।''

गूच ने कहा, '' इस तरह की सीरीज में काफी रोमांच, काफी अच्छा क्रिकेट, ढेर सारे रन, शानदार गेंदबाजी, और रोमांच देखने को मिलता है। जिससे असल में मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।'' उन्होंने कहा, ''दोनों टीमों ने काफी जुनून दिखाया है। मुझे लगता है कि यह शानदार रहा है।'' करीब 45 हजार प्रथम श्रेणी रन बनाने वाले गूच ने कहा कि रोहित और विराट के संन्यास के बाद भारतीय टीम को अनुभवी कहा जा रहा रहा था पर न्हें हमेशा उम्मीद थी कि भारत मेजबान टीम को कड़ी टक्कर देगा जो सही साबित हुआ।

विराट की वापसी चाहते हैं थरुर

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी क्रिकेट प्रशंसक हैं और उन्हें भी अन्य प्रशंसकों की तरह ही इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज देखकर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की कमी महसूस हो रही है। थरूर ने सोशल मीडिया पर लिखा, मुझे इस सीरीज के दौरान कई बार विराट की कमी का अनुभव हुआ। साथ ही कहा कि अंतिम टेस्ट मैच में उनकी कमी का सबसे ज्यादा पता चला। उनका धैर्य और जोश, मैदान पर उनकी प्रेरणादायक उपस्थिति, उनकी शानदार बल्लेबाजी से परिणाम पर काफी प्रभाव पड़ता है। साथ ही कहा कि विराट की जरुरत टीम को अब भी है। इससे साफ है कि अन्य प्रशंसकों की तरह ही थरूर भी चाहते हैं कि विराट वापसी करें। विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू होने से ठीक पहले ही इस प्रारुप से संन्यास ले लिया था। विराट के संन्यास से प्रशंसक इसलिए भी हैरान हुए क्योंकि उनकी फिटनेस अच्छी है। टी20 से उन्होंने पहले ही संन्यास ले लिया था। ऐसे में माना जा रहा था कि वह 2027 तक एकदिवसीय के साथ ही टेस्ट भी खेलेंगे पर उन्होंने अचानक ही टेस्ट से संन्यास ले लिया।

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को 13 रनों से हराकर टी20 सीरीज जीती

फ्लोरिडा(ईएमएस)। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को तीसरे टी20 मैच में 13 रनों से हराकर तीन मैचों की टी20 सीरीज 2-1 से जीत ली है। तीसरे मैच में पाक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 189 रन बनाए। फरहान ने 74 रन जबकि सईम अयूब ने 66 रन बनाये। वहीं विरोधी टीम की ओर से जेसन होल्डर, रोस्टन चेज और शमर जोसेफ ने 1-1 विकेट लिए।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम छह विकेट पर 176 रन ही बना पायी। टीम की ओर से एलिक एथनाज ने 60 रन जबकि शेरफन रदफोर्ड ने 51 रन बनाए पर अपनी टीम को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा सके। पाक की ओर से हसन अली, मोहम्मद नवाज, हारिस रऊफ, सईम अयूब और सुफियान मुकीम ने एक-एक विकेट लिया।

वेस्टइंडीज को सातवीं टी20 सीरीज में हराया

पाकिस्तान ने साल 2011 में वेस्टइंडीज का दौरा किया था जिसमें उसे हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद साल 2013 में पाकिस्तान ने इस टीम के विरुद्ध सीरीज के दोनों ही मैच जीत लिए थे। साल 2016/17 में पाकिस्तान ने तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज में 3-0 से सभी मैच जीत थे जबकि जबकि साल 2017 में सीरीज 3-1 से अपने नाम की। पाकिस्तान की टीम ने साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3-0 से सीरीज जीती थी। साल 2021 में टी20 सीरीज चार मुकाबलों की थी पर तब दो मैचों के परिणाम नहीं निकले। वहीं बचे हुए एममात्र मैच को पाक ने सात रन से जीतकर सीरीज पर 1-0 से कब्जा कर लिया था। वहीं साल 2021 और 2022 में पाक ने अपनी धरती पर वेस्टइंडीज को 3-0 से हराया था। इसके बाद अमेरिका में उसने पाकिस्तान को 2-1 से हराकर लगातार सातवीं टी20 सीरीज जीत ली है।

न्यूजीलैंड ने नाथन स्मिथ की जगह फॉल्क्स को शामिल किया

बुलावायो (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नाथन स्मिथ चोटिल होने के कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। स्मिथ को पहले टेस्ट के दूसरे ही दिन बल्लेबाजी करते हुए पेट में चोट लग गयी थी। जांच में उनके पेट में खिंचाव की बात सामने आयी है। इसे ठीक होने में करीब दो से चार सप्ताह लगेंगे। ऐसे में नाथन स्मिथ की जगह पर जैक फॉल्क्स को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा है कि विल ओरूर्के के कवर के तौर पर बेन लिस्टर को भी बुलाया गया है, ओरूर्के को तीसरे दिन पीठ में अकड़न आई थी।

वहीं बल्लेबाजी ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स को दाहिनी कमर में चोट लगने के बाद जिम्बाब्वे दौरे से हटा दिया गया था। फिलिप्स टी20I और टेस्ट सीरीज दोनों में ही शामिल थे। उन्हें मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) फाइनल के दौरान चोट लगी थी और जिम्बाब्वे पहुंचने पर उनकी जांच की गई, जहां यह निर्धारित किया गया कि उन्हें पुनर्वास के लिए कई हफ्तों की आवश्यकता होगी।

वहीं एमएलसी फाइनल में शामिल खिलाड़ियों के कवर के तौर पर टीम में शामिल हुए टिम रॉबिन्सन टी20 त्रिकोणीय सीरीज के बाकी मैचों के लिए टीम के साथ रहे, और उनके स्थान पर एक खिलाड़ी को टेस्ट टीम में भी शामिल किया गया। न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट में जिम्बाब्वे को तीसरे दिन ही हरा दिया था। इस प्रकार कीवी टीम सीरीज में 1-0 से आगे है।

बुमराह वर्कलोड नहीं, चोटिल होने के कारण पांचवे टेस्ट से बाहर रहे : रिपोर्ट

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बारे में कहा जा रहा था कि वह कार्यभर प्रबंधन (वर्कलोड मैनेजमेंट) के कारण पांचवे टेस्ट में शामिल नहीं हुए। वहीं अब एक रिपोर्ट में बुमराह के नहीं खेलने का कारण सामने आया है। इस रिपोर्ट में बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, बुमराह घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। अच्छी बात यह है कि यह कोई बड़ी चोट नहीं है और इसके लिए सर्जरी की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम फिलहाल उनकी स्कैन रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। बुमराह के बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में अपना रिहैबिलिटेशन शुरू करने की उम्मीद है। 5वां टेस्ट मैच न खेल पाने के बाद भी बुमराह ने सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया और तीन मैचों में 26.00 की औसत से 14 विकेट लिए, जिसमें दो बार पारी में पांच विकेट भी शामिल हैं। ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

इससे सीरीज से पहले ही मुख्य अजीत अगरकर ने कहा था कि बुमराह सीरीज में तीन टेस्ट ही खेलेंगे। इसी कारण प्रशंसकों को लग रहा था कि बुमराह वर्कलोड के कारण आराम दिया गया है। वहीं अब सामने आया है कि बुमराह वर्कलोड नहीं बल्कि चोट के चलते अंतिम टेस्ट से बाहर रहे। 5वें टेस्ट में हिस्सा ना लेने के कारण ही बीसीसीआई ने 31 जुलाई को जसप्रीत बुमराह को टेस्ट दल से रिलीज करने की जानकारी दी। बीसीसीआई ने लिखा, 'बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पांचवें टेस्ट के लिए भारतीय टीम से रिलीज कर दिया गया है।' हालांकि इसमें कहीं भी उनकी चोट की जानकारी नहीं दी गयी।

राजगीर में एशिया रग्बी अंडर-20 सेवेन्स चैंपियनशिप नजर आयेंगी शीर्ष खिलाड़ी

पटना (ईएमएस)। बिहार के राजगीर स्टेडियम में आने वाले दिनों में एशिया के शीर्ष रग्बी खिलाड़ी खेलते हुए नजर आयेंगे। इन देशों की टीम लेगी। यहां इसी माह 9 और 10 अगस्त को होने वाली एशिया रग्बी अंडर-20 सेवेन्स चैंपियनशिप 2025 में 12 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें भारत के अलावा हांगकांग, चीन, यूएई, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, श्रीलंका, मलेशिया और नेपाल के रग्बी खिलाड़ी भाग लेंगे। इस आयोजन को लेकर रग्बी इंडिया के प्रेसिडेंट राहुल बोस ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रोत्सान के कारण ही बिहार में रग्बी जैसे खेल को भी विकसित होने का अवसर मिला है। 9 और 10 अगस्त को होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए 7 अगस्त से ही टीम राजगीर पहुंचने लगेंगी। साथ ही कहा कि राजगीर में आने वाले खिलाड़ियों का भव्य स्वागत होगा।

वहीं 8 अगस्त को राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रंगारंग उद्घाटन समारोह रखा गया है। इस टूर्नामेंट में एशिया के 32 रग्बी खेलने वाले देशों में से केवल शीर्ष 12 रैंकिंग वाली टीमें ही शामिल हो रही हैं। ऐसे में यहां बेहद रोमांचक खेल देखने को मिलेगा। यह आयोजन बिहार के लिए इसलिए भी विशेष है, क्योंकि रग्बी यहां 14 प्राथमिकता वाले खेलों में शामिल है। हाल ही में नेशनल गेम्स में बिहार की महिला टीम ने रजत पदक जीता था। रग्बी चैम्पियनशिप से राज्य के उभरते हुए खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

दलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर टेस्ट टीम में वापसी का प्रयास करेंगे श्रेयस

मुम्बई (ईएमएस)। इसी माह शुरु होने जा रही दलीप ट्रॉफी में अब श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे और सरफराज खान जैसे क्रिकेटर भी खेलते दिखेंगे। भारतीय टीम से बाहर चल रहे श्रेयस का प्रयास घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन का टीम इंडिया में वापसी करना है। इसी को देखते हुए श्रेयस ने पश्चिम क्षेत्र की ओर से दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए अपने को उपलब्ध बताया है। दलीप ट्रॉफी 28 अगस्त से शुरू होगी। श्रेयस के अलावा मुंबई के मध्यक्रम के बल्लेबाज सरफराज खान और ऑलराउंडर शिवम दुबे ने भी इसके लिए अपने को उपलब्धत बताया है। इन क्रिकेटरों ने मुंबई क्रिकेट संघ को अपने खेलने की जानकारी दे दी है।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के एक अधिकारी ने कहा कि श्रेयस अय्यर ने हमें सूचित किया है कि वह दलीप ट्रॉफी में खेलने के लिए उपलब्ध है। वहीं सरफराज, शिवम दुबे और तुषार देशपांडे जैसे अन्य खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है। अय्यर ने भारत के लिए 14 टेस्ट खेले हैं। उसमें उन्होंने 5अर्धशतक और एक शतक लगाया है। अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी 2024 के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लाल गेंद वाला क्रिकेट नहीं खेला है। उन्हें हालांकि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में जगह मिली थी।

बोइंग में फाइटर जेट बनाने का काम ठप पड़ाः3,200 कर्मचारी हड़ताल पर; 40% इंक्रीमेंट का कॉन्ट्रैक्ट ठुकराया, बोले- आर्थिक सुरक्षा दें

मुंबईः बोइंग कंपनी के करीब 3,200 कर्मचारी हड़ताल पर हैं। ये कर्मचारी बोइंग में फाइटर जेट और अन्य विमानन उपकरण बनाते और मेंटेन करते हैं। हड़ताल पर जान से फैक्ट्रियों में काम ठप पड़ गया है। लेबर कॉन्ट्रैक्ट पर सहमति नहीं बन पाने के कारण कर्मचारियों ने ये हड़ताल की है। कर्मचारियों का कहना है कि वो सुरक्षा के लिए अहम विमान और डिफेंस सिस्टम बनाते हैं। वे एक ऐसे समझौते के हकदार हैं, जो उनके परिवारों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करे और उनकी एक्सपर्टाइज को सम्मान दे। हड़ताल रविवार रात से शुरू हुई है।

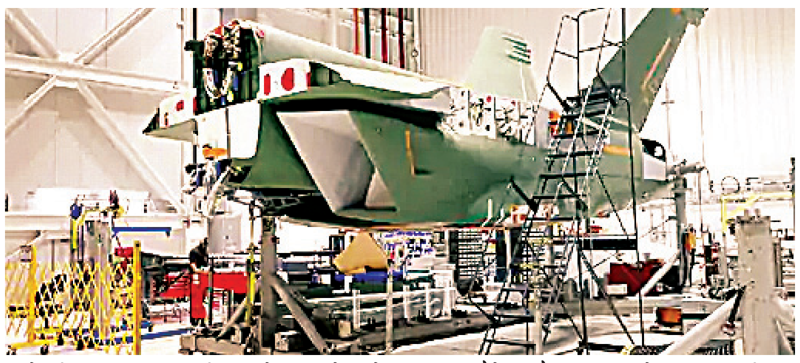

कर्मचारियों ने 20% और 40% सैलरी हाइक का ऑफर ठुकराया

बोइंग ने कर्मचारियों को चार साल में 20% वेतन वृद्धि का ऑफर दिया था। इसमें मेडिकल, पेंशन और ओवरटाइम जैसे बेनिफिट्स में सुधार का वादा भी था। लेकिन कर्मचारियों ने इसे नाकाफी माना और कंपनी की ओर से दिए गए इस प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया था। एक हफ्ते की 'कूलिंग-ऑफ' पीरियड के बाद बोइंग ने एक संशोधित प्रस्ताव पेश किया। इसमें औसतन 40% वेतन वृद्धि और ऑप्शनल वर्क शेड्यूल जैसे मुद्दों पर ध्यान दिया गया था। कर्मचारियों ने इसे भी ठुकरा दिया।

40% सैलरी हाइक का ऑफर ठुकराने से कंपनी निराश

बोइंग एयर डोमिनेंस के वाइस प्रेसिडेंट और जनरल मैनेजर डैन गिलियन ने कहा- कंपनी इस बात से निराश है कि कर्मचारियों ने 40% औसत वेतन वृद्धि और अल्टरनेटिव वर्क शेड्यूल जैसे उनके मुख्य मुद्दे को हल करने वाले प्रस्ताव को ठुकरा दिया। कंपनी हड़ताल के लिए तैयार है और गैर-हड़ताली कर्मचारियों के साथ अपने ग्राहकों को सपोर्ट करने के लिए पूरी तरह से आकस्मिक योजना लागू कर चुकी है।

लंबी बड़ताल से कंपनी की वित्तीय स्थिति प्रभावित हो सकती है

अगर हड़ताल लंबी चली, तो बोइंग के फाइटर जेट और डिफेंस सिस्टम के उत्पादन और डिलीवरी में देरी हो सकती है। इससे कंपनी की वित्तीय स्थिति प्रभावित हो सकती है। 2024 में सिएटल में 33,000 बोइंग कर्मचारियों ने सात हफ्ते तक हड़ताल की थी। इसके बाद उन्होंने 38% वेतन वृद्धि वाला समझौता स्वीकार कर लिया था। इसके अलावा 1996 में सेंट लुइस में 99 दिन की हड़ताल हुई थी। फिलहाल, यूनियन और बोइंग के बीच बातचीत रुकी हुई है। कर्मचारी अपनी मांगों पर अड़े हैं, जबकि बोइंग का कहना है कि वह गैर-हड़ताली कर्मचारियों के साथ काम जारी रखेगी। अगर कोई नया समझौता नहीं हुआ, तो हड़ताल लंबी चल सकती है।
बोइंग एक अमेरिकी कंपनी है, जो हवाई जहाज, रक्षा और अंतरिक्ष से जुड़ी चीजें बनाती है। 1916 में शुरू हुई ये दुनिया की सबसे बड़ी एयरोस्पेस कंपनियों में से एक है। इसके पॉपुलर प्रोडक्ट्स में 737, 747, 787 जैसे कॉमर्शियल प्लेन, फाइटर जेट, सैटेलाइट और मिसाइल सिस्टम हैं।

अमेरिका में बिकने वाले ज्यादातर आईफोन भारत में हुए निर्मित

-एप्पल के सीईओ टिम कुक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को दिया करारा जवाब

नई दिल्ली,(ईएमएस)। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा कि पिछली तिमाही (क्यू2) में अमेरिका में बिकने वाले ज्यादातर आईफोन भारत में निर्मित हुए हैं। यह बयान ट्रंप द्वारा भारत में एप्पल की मैन्युफैक्चरिंग नीति की आलोचना के बावजूद आया है। कुक ने विश्लेषकों से कहा कि पिछली तिमाही की तरह इस बार भी अमेरिका में बिकने वाले अधिकतर आईफोन भारत में बने हैं। उन्होंने यह भी साफ किया कि एल्पल ने अपनी मैन्युफैक्चरिंग रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। भारत अब अमेरिकी बाजार के लिए आईफोन निर्माण का प्रमुख केंद्र बन गया है, जबकि चीन गैर-अमेरिकी बाजारों पर फोकस कर रहा है।

एल्पल अब वियतनाम में मेकबुक, आईपेड और एल्पल वॉचेस जैसे उत्पादों की मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है, जिससे अमेरिकी बाजार की मांग पूरी की जा सके। यह बदलाव एल्पल की चीन प्लस वन रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य चीन पर निर्भरता कम करना है। बता दें ट्रंप ने इस साल मई में टिम कुक से मुलाकात के दौरान भारत में एल्पल की मैन्युफैक्चरिंग पर असहमति जताई थी। हाल ही में उन्होंने भारत से आयातित वस्तुओं पर 25फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की, हालांकि फिलहाल स्मार्टफोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज़ इससे छूट में हैं लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में इन उत्पादों पर भी टैरिफ लागू हो सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुक ने कहा कि भारत एल्पल के लिए सिर्फ एक मैन्युफैक्चरिंग हब नहीं, बल्कि एक उभरता हुआ बाजार बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत, मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और ब्राजील जैसे बाजारों में आईफोन की बिक्री में डबल-डिजिट ग्रोथ देखी गई है। जून तिमाही में भारत समेत 24 से ज्यादा देशों में कंपनी ने रिकॉर्ड रेवेन्यू दर्ज किया। कुक ने बताया कि जून तिमाही में टैरिफ से जुड़े खर्च करीब 800 मिलियन डॉलर तक पहुंच गए। यदि वैश्विक टैरिफ नीति में कोई बदलाव नहीं होता, तो सितंबर तिमाही में यह असर 1.1 अरब डॉलर तक हो सकता है।

टेस्ला ने देश का पहला सुपर चार्जिंग स्टेशन शुरू कियाः मुंबई के बीकेसी में मिलेगी सुविधा

14 मिनट की चार्जिंग में 300 किलोमीटर की रेंज

इलॉन मस्क की कंपनी टेस्ला ने भारत में अपनी पहली सुपर चार्जिंग स्टेशन शुरू कर दी है। ये स्टेशन मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में खुला है। इस स्टेशन में 4 V4 सुपरचार्जर (डीसी फास्ट चार्जर) और 4 डेस्टिनेशन चार्जर (एसी चार्जर) हैं। सुपर चार्जर 250 kW की रफ्तार से चार्ज करते हैं, ये सिर्फ 14 मिनट की चार्जिंग में लगभग 300 किलोमीटर की रेंज देगा। सुपर चार्जर की कीमत 24 रुपए प्रति kWh और डेस्टिनेशन चार्जर की कीमत 14 रुपए प्रति kWh है। टेस्ला कार के मालिक टेस्ला के ऐप के जरिए चार्जर खाली है कि नहीं ये चेक कर सकते हैं। इसके अलावा चार्जिंग की प्रोग्रेस देख सकते हैं और पेमेंट भी कर सकते हैं।

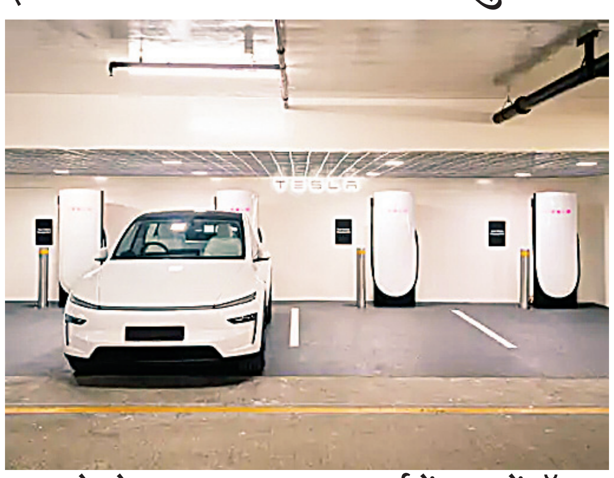

टेस्ला का भारत में अभी 8 सुपर चार्जिंग स्टेशन खोलने का प्लान

ये स्टेशन उन 8 सुपर चार्जिंग साइट्स में से पहला है, जिन्हें टेस्ला ने मुंबई में लॉन्च के दौरान अनाउंस किया था। ये 8 सुपर चार्जिंग दिल्ली और मुंबई में खोले जाएंगे। कंपनी का प्लान है कि पुणे, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे शहरों में भी ऐसे स्टेशन खोले जाएंगे, ताकि पूरे देश में EV यूजर्स को आसानी हो।

जुलाई में भारत में लॉन्च हुआ था टेस्ला का Y मॉडल

टेस्ला ने पिछले महीने मुंबई में अपना पहला शोरूम (एक्सपीरियंस सेंटर) खोला था और मॉडल Y SUV लॉन्च की थी। कंपनी का दावा है कि ये कार एक बार फुल चार्ज में 622 किलोमीटर तक चल सकती है। कार में सेफ्टी के लिए 8 एयरबैग के साथ लेवल-2 एडास जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

वीआई दे रहा जियो से 50 रुपए सस्ता प्लान, 30जीबी एक्सट्रा डेटा भी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। जियो के प्लान दूसरी कंपनियों से बेनिफिट के मामले में बेहतर हैं, लेकिन कुछ मामलों में दूसरी कंपनियां अपने प्लान्स से जियो को टक्कर दे रही हैं। वोडाफोन-आइडिया (वीआई) का 1749 रुपए वाला प्लान इन्हीं में से एक है। वैलिडिटी के मामले में यह जियो के 1799 रुपए वाले प्लान से आगे है। जियो से 50 रुपए सस्ते प्लान में वोडाफोन-आइडिया अपने यूजर्स को 30जीबी एक्सट्रा डेटा दे रहा है। जियो इसमें यूजर्स को नेटफ्लिक्स का ऐक्सेस मिलेगा, जो वोडाफोन-आइडिया में नहीं मिलता। जियो का यह प्लान 84 दिन की वैलिडिटी के साथ आता है। इस प्लान में आपको रोज 3जीबी डेटा मिलेगा। एलिजिबल यूजर्स को कंपनी अनलिमिटेड 5जी डेटा भी दे रही है। प्लान डेली 100 फ्री एसएमएस और देशभर में सभी नेटवर्क के लिए अनलिमिटेड कॉलिंग देता है। जियो यूजर्स को इस प्लान के साथ नेटफ्लिक्स बेसिक का फ्री ऐक्सेस मिलेगा। साथ ही जियो हॉटस्टार और जियो टीवी भी ऑफर करता है। प्लान में कंपनी जियो एआई क्लाउड पर 50जीबी स्टोरेज भी दे रही है।

अनिल अंबानी पर ईडी का दोहरा वार, 5 अगस्त को ईडी के समक्ष पूछताछ के लिए होना है पेश

मुंबई,(ईएमएस)। देश के सबसे चर्चित उद्योगपतियों में शुमार अनिल अंबानी इस बार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निशाने पर हैं। जांच एजेंसी ने उन्हें 5 अगस्त को पूछताछ के लिए समन जारी किया है, साथ ही उन 12 से 13 बैंकों को भी पत्र भेजे हैं जिन्होंने उनकी कंपनियों को ऋण दिए थे। इस तरह से अब ये जांच मनी लॉन्ड्रिंग और बैंक फ्रॉड के नए दायरे में प्रवेश कर गई है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार, उद्रयोगपती अनिल अंबानी मामले में ईडी ने भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई, एचडीएफसी, यूको बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक सहित प्रमुख सार्वजनिक व निजी बैंकों को पत्र लिखकर उनसे रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस, रिलायंस कम्युनिकेशंस और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस को दिए गए लोन की विवरणात्मक जानकारी मांगी है। ईडी के अधिकारियों का कहना है कि ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया, चूक की समय-सीमा और वसूली की स्थिति जैसे बिंदुओं पर फोकस किया जा रहा है। संभव है कि बैंक अधिकारियों को भी पूछताछ के लिए तलब किया जाए, जिनकी निगरानी में ये

लोन स्वीकृत हुए थे और जो बाद में एनपीए में तब्दील हो गए।

3,000 करोड़ की लोन हेराफेरी की जांच

ईडी की यह जांच साल 2017 से 2019 के बीच के उस कथित मामले से जुड़ी है, जिसमें यस बैंक द्वारा अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह की कंपनियों को दिए गए करीब 3,000 करोड़ रुपये के लोन की गंभीर अनियमितताएं सामने आई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, इन ऋणों के जारी होने से ठीक पहले कुछ प्रवर्तकों को फंड ट्रांसफर भी किए गए थे, जिससे यह संदेह गहराया कि यह प्रणालिबद्ध लेन-देन योजना हो सकती है।

पिछले हफ्ते हुई पहली गिरफ्तारी

बीते शुक्रवार को ईडी ने इस मामले में पहली गिरफ्तारी भी की। बिस्वाल ट्रेडलिंक प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पार्थ सारथी बिस्वाल को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत 68.2 करोड़ रुपये की फर्जी गारंटी के मामले में गिरफ्तार किया गया। जांच में खुलासा हुआ कि यह गारंटी रिलायंस पावर की ओर से जमा कराई गई थी।

लुकआउट सर्कुलर और छापेमारी

ईडी ने अनिल अंबानी के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया है ताकि वे देश छोड़कर न जा सकें। पिछले महीने इस मामले से जुड़ी 50 से अधिक कंपनियों पर छापे मारे जा चुके हैं। अब सभी की नजरें 5 अगस्त पर टिकी हैं, जबकि अनिल अंबानी ईडी के समक्ष पेश हो सकते हैं।

दैनिक पंचांग

5 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

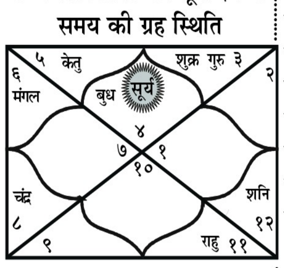

मंगलवार 2025 वर्ष का 217 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि एकादशी 13.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 11.23 बजे को समाप्त।
योग इन्द्र 07.24 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 13.13 बजे तदनन्तर बव 01.45 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 11.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16°57'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872427
जूलियन दिन 2460892.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर **तारीख** 10
विशेष श्रावण पुत्रदा एकादशी, मंगला गौरी व्रत।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.27 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कन्या	08.39 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.50 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.05 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.21 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.26 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.12 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.45 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.15 बजे से
राहुकाल		वृष	23.56 बजे से
3.00 से 4.30 बजे तक		मिथुन	01.54 बजे से
		कर्क	04.07 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7368

बाएँ से दाएँ
1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब, शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश, बरखा-4
11. शांति, सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला, मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां, मम्मी, मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार, अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे
1. नाज, नखरा, चौंचला-2
2. भाग्य, किस्मत-3
3. अचानक, अकस्मात -3
4. देह, बदन-2
5. बिजली, विद्युत रश्मि-3
7. दबाना, कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत, युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा, शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र, आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

शब्द पहेली -7367 का हल

■	कु	ली	न	■	■	ह	■	श
शा	■	प	■	क	म	ल	■	र
दी	न	ई	मा	न	■	क	स	म
■	■	य	■	क	ल	■	हा	■
क	ल	र	व	■	त	क	रा	र
■	की	■	ध	न	■	मा	■	■
भ	र	म	■	क	हा	नी	का	र
ला	■	का	ज	ल	■	दा	■	ण
ई	■	न	■	■	का	र	ण	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1962 अमरीकी अभिनेत्री मर्लिन मुनरो को लास एंजेल्स में मृत पायी गई.
1976 सुडान में असफल क्रांति में भाग लेने वाले कमांडर और 16 अन्य को मौत के घाट उतारा
1992 दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला ने लाखों लोगों के साथ श्वेतों का शासन समाप्त करने के लिए प्रदर्शन किया.
1996 सरकार द्वारा स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस व अन्य राजकीय समारोह के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज में फूल बांध कर फहराने की प्रथा समाप्त कर दी गई.
2001 असम के बोंगाई गांव के बिजनी क्षेत्र में हुए एक शक्तिशाली बम विस्फोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सात जवान सहित नौ लोग मारे गए.
2005 बंगाल की नेता ममता बनर्जी ने लोकसभा उपाध्यक्ष पर कागज फैंकते हुए त्यागपत्र दिया जिसे स्पीकर सोमनाथ चटर्जी ने अस्वीकार कर दिया

अंकजाल - 6909

■	13	13	35	19	19	■	22	26	■
30		8		5		■		2	11
32	7		8		5	■	3		11
■	■	■		7		4		6	24
19	7		3	■	7		5		16
29		7		9	■	2		8	13
31	5		7		6		■	■	■
10		5	■	6		4		8	28
13	8		■		6		4		27
■	30	32	■	26	15	20	11	13	■

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 6908 का हल

■	18	11	37	37	■	■	14	17	■
22	3	4	7	8	■	7	2	5	14
14	7	2	5	7	■	9	2	3	14
■	8	5	6	7	3	6	4	5	44
■	■	■	2	5	5	8	6	4	30
32	6	8	7	3	5	6	■	■	■
34	7	3	2	7	1	5	6	3	■
16	7	8	1	■	8	2	3	4	17
18	5	6	7	■	8	9	1	2	20
■	25	25	■	■	30	52	10	9	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 5853

	4		7	2		3
5	33		32		27	7
	3		5		1	2
3	35	2	37	7	32	
	4			3		1
2	32	4	36		30	5
1			7			

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5852 का हल

7	5	1	3	6	4	2
1	33	6	32	1	28	5
2	4	7	5	3	6	1
6	30	2	37	4	34	7
5	1	3	6	7	2	4
3	26	4	38	5	36	6
4	1	5	6	2	7	3

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 5213

5		11		55		35	=	35
	■		■		■		■	
25		22		50		30	=	23
	■		■		■		■	
50		10		2		5	=	35
	■		■		■		■	
40		10		4		4	=	20
=	■	=	■	=	■	=	■	=
35		33		14		21	=	27 / 37

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत
खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णत: मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5212

50	+	30	-	50	-	20	=	10
-	■	+	■	-	■	x	■	+
20	÷	4	+	45	-	20	=	30
+	■	-	■	+	■	÷	■	-
40	-	20	x	2	÷	2	=	20
-	■	x	■	+	■	÷	■	+
30	x	1	-	20	+	10	=	20
=	■	=	■	=	■	=	■	=
40	-	14	+	27	-	20	=	40 / 33

शब्दजाल- 6900

अ	ज	प	रे	दा	मि	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	यू	न	आ	स्र	वै	द	इ	ह	मे
सिं	व	ना	पू	ग	खा	थ	दि	ग	क	सो
धु	ची	न	ते	र्व	ज	का	म	क	त	पो
घा	त	र	दा	री	लं	ग	गो	ग	व	टा
टी	अ	म	सु	य	अ	पू	न	रो	र	मि
ती	जं	सी	मे	हि	प	नु	श	म	ज	या
क	ल	ग	रि	वि	व	नी	प	ल	न	ण
ने	ब	म	य	या	चि	त्या	री	म	प	क
ज	ग	त	न	ज	ज	त्र	दा	जी	र्य	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	ज	र	वा	त	थ

शब्दजाल में 'दुनिया की प्राचीन 10 सभ्यताए' ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

मिस्र, मेसोपोटामिया, सुमेरियन, असीरिया, यूनान, बेबीलोनिया, रोम, चीन, सिंधु घाटी, वैदिक

शब्दजाल - 6899 का हल

श	रा	अ	र	क्षा	बं	ध	न	झ	क	श
ना	वै	र	ह	र	म	त	द	हो	ली	त
ग	र	शा	झ	श	शि	हा	र	ल	ल	त्रा
पं	म	द	खी	श	मी	डो	शि	श	रा	क
च	र	द	ष	व	मि	री	श	व	र	ट
मी	ह	प	न	पे	पू	ह	न	शि	रा	ती
शं	र	म	अं	प	स	थ	दी	ल	बिं	त्रि
ब	रा	व	ल	ध	ड़	क	पा	कां	ज	दू
ग	ण	गौ	र	जी	ल	ड़ी	व	गो	र	द
र	ल	प	चा	गैं	ब	ल	ली	री	रु	थो
ग	णे	श	च	तु	र्थी	ब	श	त्रु	घ्न	ट

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त खबरें

बाबा सिर्फ हमारे घर के मुखिया नहीं थे, वे हमारे जीवन के प्रकाश थेः सीता सोरेन

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर उनकी बड़ी बहू सह पूर्व विधायक सीता सोरेन ने दुःख जताया है। उन्होंने शिबू सोरेन के साथ बिताये पलों को याद करते हुए उन्हें नमन किया। सीता सोरेन ने कहा है कि बाबा (शिबू सोरेन) सिर्फ हमारे घर के मुखिया नहीं थे। वे हमारे जीवन के प्रकाश थे। हमारे अपने, हमारे मार्गदर्शक और हमारा सबसे बड़ा सहारा थे। आज जब वो हमारे बीच नहीं हैं, तो ऐसा लग रहा है, जैसे एक पूरा युग समाप्त हो गया हो। उन्होंने कहा कि उनके बिना ये घर अब वैसा नहीं रहेगा, उनकी हंसी, उनका स्नेह, उनकी डांट तक, सब कुछ अब यादों में रह गया है।

सीसीएल परिवार ने दिशोम गुरु को दी श्रद्धांजलि

रांची। झारखंड राज्य और पूरे देश के लिए एक अत्यंत दुःखद क्षण में सीसीएल परिवार ने आदिवासी समाज के मसीहा, भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय कोयला मंत्री, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उनके निधन को राज्य की सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना के लिए अपूर्णीय क्षति के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर पर सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस, रांची में /अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। श्रद्धांजलि सभा में सीसीएल के निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, तथा निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्रशेखर तिवारी सहित क्षेत्रीय महाप्रबंधकगण ,मुख्यालय के विभिन्न विभागाध्यक्ष, एवं अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

दिशोम गुरु के निधन पर कोड़ा दंपती ने जताया शोक

पश्चिम सिंहभूम। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके असामयिक निधन पर झारखंड के प्रमुख नेताओं ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे राज्य और विशेष रूप से आदिवासी समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया है। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि शिबू सोरेन का जाना केवल झारखंड की राजनीति के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक गहरी क्षति है। उन्होंने अपना पूरा जीवन आदिवासी समाज और गरीबों के अधिकारों के लिए समर्पित किया। उनकी सरलता, संघर्षशीलता और दूरदर्शिता हम सभी के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।

गुरूजी के निधन से पूरा झारखंड शोकाकुल : राजद

रांची। दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन पर राजद के प्रदेश महासचिव कैलाश यादव ने गहरा शोक प्रकट किया है। उन्होंने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर शोक प्रकट करते हुए कहा कि राज्य निर्माण के अगुआ संघर्ष और आंदोलन के जीवंत प्रतीक गुरुजी शिबू सोरेन का निधन होने से पूरा झारखंड शोकाकुल है। उन्होंने गुरुजी के साथ एक पुरानी तस्वीर साझा कर कहा कि उनका गुरुजी से निजी लगाव रहा। यादव ने कहा कि उनके जन्मदिन पर अक्सर हम बधाई देने जाते थे जब वे 2005 में मुख्यमंत्री थे तो मुझे बुलाकर बात किया करते थे। यादव ने कहा कि हम दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं और पार्टी की ओर से उन्हेंम भावपूर्ण नमन करते हुए गुरूजी के प्रति विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

दिशोम गुरु के निधन से पूरे झारखंड को अपूरणीय क्षति : भाकपा

रांची। भाकपा के राज्य कार्यालय में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्य सभा सांसद दिशोम गुरू शिबू सोरेन के निधन को लेकर सोमवार को पार्टी के मेन रोड स्थित राज्य कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। श्रद्धांजलि सभा में पार्टी के राज्य सचिव महेंद्र पाठक, राष्ट्रीय परिषद के सदस्य पीके पांडे, जिला सचिव अजय कुमार सिंह, वरिष्ठ नेता बाबूलाल झा, प्रोफेसर अली अंसारी, इम्तियाज़ खान, मजदूर नेता लालदेव सिंह सहित अन्यन ने उन्हेंष भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

गुरूजी के निधन पर जिला बार एसोसिएशन ने जताया दुख

रांची। जिला बार एसोसिएशन ने पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया है। बार एसोसिएशन की ओर से सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा गया गुरूजी का पूरे राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है। वे न केवल झारखंड आंदोलन के प्रणेता रहे, बल्कि आदिवासी, वंचित और शोषित वर्गों की आवाज को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने वाले सशक्त जननायक थे। एसोसिएशन की ओर से कहा गया कि गुरूजी की राजनीतिक दृष्टि, सरल जीवनशैली और जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता सदैव स्मरणीय रहेगी। झारखंड राज्य की स्थापना और अस्मिता की लड़ाई में उनका योगदान अतुलनीय है। उनके निधन से पूरे राज्य में शोक की लहर है और अधिवक्ता समुदाय भी इस क्षति को गहराई से महसूस कर रहा है।

दिशोम गुरु हमारे पिता तुल्य पथप्रदर्शक थे : विनोद

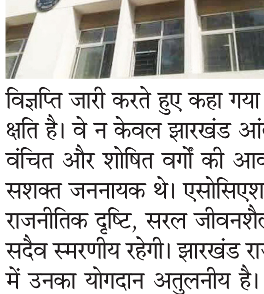

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक और झारखंड के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने गहरी संवेदना प्रकट करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि झारखंड की आत्मा आज शोकाकुल है। दिशोम गुरु, हमारे पिता तुल्य पथप्रदर्शक थे। आदिवासी चेतना के प्रतीक आदरणीय शिबू सोरेन का निधन एक युग के अंत जैसा है। उन्होंने न केवल झामुमो की नींव रखी, बल्कि एक समतामूलक और स्वाभिमानी झारखंड की कल्पना को साकार किया।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर पहुंचा रांची

अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़ा जनसैलाब, मंगलवार को नेमरा में होगा अंतिम संस्कार

रांचीः झारखंड के आंदोलनकारी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरू शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर सोमवार की शाम को दिल्ली से रांची लाया गया. रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर उनके अंतिम दर्शन के लिए हजारों लोग जुटे. दिशोम गुरु' को अंतिम विदाई देने पहुंचे हर व्यक्ति की आंखें नम थीं, माहौल गमगीन था और 'गुरुजी अमर रहें' के नारे गूंज रहे थे. बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से फूलों से सजे वाहन से उनके पार्थिव शरीर को मोरहाबादी स्थित गुरुजी आवास के लिए रवाना किया गया.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, झामुमो विधायक और सीएम के भाई बसंत सोरेन, सीएम की पत्नी विधायक कल्पना सोरेन सहित परिवार के कई सदस्य साथ में रांची एयरपोर्ट पहुंचे. एयरपोर्ट पर झारखंड सरकार के कई मंत्री राज्य के कई विधायक और सरकारी महकमा के कई पदाधिकारी मौजूद थे, वहीं काफी संख्या में झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता भी अपने नेता की अंतिम झलक पाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे थे. उपस्थित लोगों ने दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि दी.

सभी दलों के नेताओं ने जताया सम्मान

शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर के दर्शन के लिए न सिर्फ झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता बल्कि कांग्रेस, और अन्य दलों के नेता भी एयरपोर्ट पहुंचे. कई वरिष्ठ नेताओं ने गुरुजी को श्रद्धांजलि दी और झारखंड आंदोलन में उनके योगदान को याद किया.

एयरपोर्ट पर झामुमो के कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ उमड़ी थी. हाथों में पार्टी झंडा और आंखों में आंसू लिए कार्यकर्ता 'गुरुजी' को अंतिम प्रणाम करने पहुंचे. कई लोगों ने सड़कों पर बैठकर पार्थिव शरीर के आने की प्रतीक्षा की. गौरतलब है कि शिबू सोरेन पिछले कई महीनों से दिल्ली के एक अस्पताल में इलाजरत थे. उम्र और बीमारियों के चलते उनकी तबीयत लगातार नाजुक बनी हुई थी. सोमवार को उनके निधन की खबर आते ही पूरे झारखंड में शोक की लहर दौड़ गई थी. सरकार ने राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी है. झारखंड में तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है।

रामगढ़ में आज अंतिम संस्कार किया जाएगा, छोटे बेटे बसंत सोरेन मुखाग्नि देंगे।

गुरुजी भले नहीं रहें लेकिन उनकी विचारधारा रहेगी हमेशा जीवित : झामुमो

रांचीः झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने झामुमो के संस्थापक संरक्षक और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन को हिमालय के स्खलन की उपमा देते हुए अपूरणीय क्षति बताया है। भट्टाचार्य ने कहा कि गुरुजी भले ही शारीरिक रूप से अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी विचारधारा और शिक्षाएं हम सभी के लिए एक मजबूत प्रेरणा स्तम्भ के रूप में हमेशा हमेशा जीवित रहेंगी।

उन्होंने कहा कि गुरुजी का जीवन एक सतत संघर्ष की मिसाल रहा। उन्होंने हमेशा धारा के विपरीत जाकर सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ी और कभी पराजित नहीं हुए। उनके संघर्ष से आदिवासी, मूलवासी, दलित, शोषित, मजदूर, किसान और महिलाएं जागरूक होकर अपने अधिकारों के लिए खड़ी हुईं। भट्टाचार्य ने कहा कि गुरुजी ने अज्ञानता के खिलाफ शिक्षा, शोषण के खिलाफ संघर्ष, और सम्मानजनक जीवन के लिए जुझारू मार्ग दिखाया।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। कांग्रेस नेताओं ने शिबू सोरेन को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी के प्रदेश प्रभारी के राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने सोमवार को जारी संयुक्त शोक संदेश में कहा कि शिबू सोरेन का जीवन सामाजिक न्याय, संघर्ष और आत्मसम्मान की एक जीवित मिसाल रहा है। उन्होंने भूमि अधिग्रहण, शोषण, आदिवासी अधिकार और स्थानीय स्वशासन के लिए दशकों तक अथक संघर्ष किया।

उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलन के दौरान जब राज्य की अस्मिता खतरे में थी, तब शिबू सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के बैनर तले जनआंदोलन को दिशा दी। उनके नेतृत्व में गरीब, वंचित, आदिवासी, दलित और किसान समुदाय को एक नई पहचान और संघर्ष का रास्ता मिला।

प्रभारी के राजू ने उन्हें झारखंड की आत्मा बताते हुए कहा कि उनका जाना झारखंड राज्य की क्षति है, लेकिन उनके विचार और सिद्धांत हमें सदा प्रेरित करते रहेंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि शिबू सोरेन का जीवन एक आंदोलन है। संघर्ष से सत्ता तक पहुंकर भी ज़मीन से जुड़े रहना उनकी सबसे बड़ी विरासत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करती है और शोक-संतप्त परिजनों, समर्थकों और समस्त झारखंडवासियों की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त करती है।

शोक प्रकट करने वालों में पार्टी नेता राजेश ठाकुर, रविन्द्र सिंह, राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुंजनी, संजय पांडे, सोनाल शांति, गजेंद्र सिंह, केदार पासवान, अभिलाष साहू और राजन वर्मा सहित कई अन्य शामिल रहे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर झारखंड के राज्यपाल और नेता प्रतिपक्ष ने जताया शोक

रांचीः झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर प्रदेश के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने शोक जताया है।

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने अपने शोक संदेश में कहा कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का निधन अत्यंत दुखद व पीड़ादायक है। वे जनजातीय अस्मिता और अधिकार के सशक्त स्वर थे। राजनीतिक और सामाजिक जगत में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा। शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना।

झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शिबू सोरेन के निधन को अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं झामुमो के संरक्षक शिबू सोरेन के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। उनका जाना झारखंड के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मैं ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना करता हूं।

उल्लेखनीय है कि शिबू सोरेन का सोमवार को दिल्ली में इलाज के दौरान निधन हो गया। दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांसें ली।तबीयत खराब होने के बाद उन्हें इलाज के लिए दिल्ली ले जाया गया था। जहां उनकी तबीयत और भी खराब हो गई। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया। उनके किडनी में इंफेक्शन हो गया था। उनको ब्रोंकाइटिस भी डिटेक्ट हुआ था।

सर गंगाराम अस्पताल में नेफ्रोलॉजी (गुर्दे (किडनी) के रोगों और उनकी कार्यप्रणाली से संबंधित विभाग) विभाग के प्रमुख डॉ. एके भल्ला ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उन्हें यह बताते हुए दुख हो रहा है कि शिबू सोरेन जी को लंबी बीमारी के बाद आज सुबह 8ः 56 बजे मृत घोषित कर दिया गया।

ऑनर किलिंग में प्रेमी-प्रेमिका की हत्या, पिता-मां और तीन चाचा हुए गिरफ्तार

पलामूः पलामू जिले के तरहसी थाना क्षेत्र के टरिया गांव में ऑनर किलिंग में प्रेमी-प्रेमिका की हत्या कर दी गयी। दोनों का शव टरिया गांव के ही एक कुएं से बरामद किया गया। घटना सामने आने के कुछ ही घंटे के भीतर पुलिस ने लड़की के पिता-मां और तीन चाचा को गिरफ्तार किया। सोमवार दोपहर दो बजे पांचों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

एसपी रीष्मा रमेशन ने इसकी पुष्टि की। प्रेमी की पहचान भंडरा के वीरेन्द्र सिंह (22) वर्षीय पुत्र सुभाष कुमार उर्फ कारू सिंह और पूर्णी टरिया गांव के उपेन्द्र सिंह (21) वर्षीया पुत्री विभा कुमारी के रूप में हुई है। कारू मेहता ट्रैक्टर चलाता था। वह शुक्रवार एक अगस्त से लापता था। रविवार शाम दोनों का शव बरामद किया गया। इस संबंध में सुभाष के भाई जयप्रकाश कुमार ने मामला दर्ज कराया।

दोनों का शव मिलने के बाद पुलिस ने जांच तेज की और कुछ ही घंटे के भीतर हत्याकांड से पर्दा उठाते हुए घटना में शामिल पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में प्रेमिका के पिता उपेन्द्र महतो, मां कलावती देवी, चाचा जनेश्वर महतो, विमलेश महतो उर्फ राजेश महतो शामिल हैं।

लेस्लीगंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनोज झा ने लेस्लीगंज में घटना को लेकर कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुभाष और विभा के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। करीब डेढ महीने पहले प्रेमिका के पिता और परिवार ने दोनों प्रेमी-प्रेमिका को समझाया था, परंतु दोनों का प्रेम संबंध पूर्व की तरह चल रहा था।

एक अगस्त की रात में लड़की को दबाव देकर लड़के को पूर्णी टरिया घर पर बुलाया गया और योजना के तहत प्रेमिका के पिता और चाचा ने प्रेमी को लाठी एवं लोहे के छड़ से पीट पीट कर हत्या कर दी। बाद में लड़की को भी मार डाला। साक्ष्य छुपाने के लिए दोनों का शव विपन महतो के कुएं में फेंक दिया।

नक्सलियों के खिलाफ खुफिया जानकारी इकट्ठा कर रही पुलिस, कई रडार पर

पलामूः नक्सली संगठनों के खिलाफ झारखंड पुलिस कई बिंदुओं पर खुफिया जानकारी इकट्ठा कर रही है. पुलिस अधिकारी नक्सलियों की गतिविधि से जुड़ी जानकारी के अलावा उनके समर्थक, नेटवर्क, परिजन, दोस्त, हथियार, संपत्ति के बारे में भी खुफिया जानकारी इकठ्ठा कर रहे हैं. पलामू जोन के तीनों जिलों में पुलिस अधिकारी नक्सलियों के खिलाफ जानकारी इकट्ठा करने में लगे हुए हैं.

दरअसल, पलामू जोन में प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी, तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी), झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) अंतिम सांसें गिन रहे हैं. झारखंड जनमुक्ति परिषद लगभग लगभग खत्म हो चुका है. जेजेएमपी के बचे हुए टॉप कमांडर पुलिस अधिकारियों के संपर्क में हैं और जल्द ही सभी एक साथ आत्मसमर्पण करेंगे.

रडार पर आधा दर्जन से अधिक टॉप कमांडरः पलामू जोन में पुलिस एवं सुरक्षाबलों ने आधा दर्जन से अधिक नक्सल टॉप कमांडरों को रडार पर लिया है. भाकपा माओवादी के 15 लाख के इनामी कमांडर नितेश यादव, संजय गोदराम, मृत्युंजय भुईयां और मनोहर गंझू के खिलाफ जानकारी इकट्ठा की जा रही है. वहीं, टीएसपीसी के टॉप कमांडर शशिकांत गंझू, मुखदेव यादव को भी रडार पर लिया गया है. खुफिया सूचना के आधार पर ही पिछले दो महीने में कई अभियान चलाए गए हैं. जिसमें टॉप नक्सली कमांडर मारे गए.

सावन की अंतिम सोमवारी को बाबा आम्रेश्वर धाम में उमड़ी भक्तों की भारी भीड़

खूंटीः भगवान भोलनाथ के सबसे प्रिय और पवित्र सावन महीने की अंतिम सोमवारी को बाबा आम्रेश्वर धाम सहित अन्य शिवालयों में भगवान आशुतोष के जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए हजारों भक्तों का सैलाब उमड पड़ा। रात से ही तजना नदी पर स्नान करने और वहां का पवित्र जल लेने के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रात भर पूरा क्षेत्र बोल बम, हर हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान रहा। जलार्पण के लिए मंदिर परिसर में आधी रात के बाद ही श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें लगने लगी थी। लोगों को घंटों कतार में लग कर अपनी बारी को इंतजार भक्तों को करना पड़ा। खूंटी, तोरपा, कर्रा, भरनो, बसिया, सिमडेगा, मुरहू सहित अन्य जगहों के हजारों श्रद्धालु कांवर लेकर पैदल पांव ही बाबा आम्रेश्वर धाम पहुंचे। तड़के तीन बजे जैसे ही मुख्य मंदिर और अन्य मंदिरों के पट खुले, पूरा वातावरण बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। इस दौरान घंटों कतार में खड़े भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मंदिर परिसर में शांति और सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस के जवान और प्रबंध समिति के सदस्य व्यवस्था को संभालते हुए भक्तों को कतारबद्ध मंदिर में प्रवेश कराते रहे। बोल बम तथा हर हर महादेव के नारों से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। इस दौरान पुलिस प्रशासन के साथ ही बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के अधिकारी व सदस्य भी दिन भर सक्रिय रहे। पूजा अर्चना के बाद दूरदराज क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने धाम परिसर में लगे श्रावणी मेला का आनंद उठाया। मेला परिसर में सुरक्षा व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन द्वारा कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। साथ ही दंडाधिकारियों के साथ काफी संख्या में महिला और पुरुष बल के जवानों की तैनाती की गई है। मेले में लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कई सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। जलाभिषेक के लिए आनेवाले भक्तों को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो इसे ध्यान में रख बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के अध्यक्ष लाल ज्ञानेंद्रनाथ शाहदेव और महामंत्री मनोज कुमार, सत्यजीत कुंडू सहित समिति के अन्य सदस्य पूरे दिन धाम परिसर में मौजूद रहकर व्यवस्था की निगरानी करते रहे। पूजा-अर्चना और जलार्पण के बाद लोगों ने धाम परिसर में लगे श्रावणी मेले का लुत्फ उठाया। झूला और अन्य मनोरंजन के साधन बच्चों कें लिए विशेष आकर्षण के केंद्र रहे।

नागेश्वर धाम सहित अन्य शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ः सावन माह की अंतिम सोमवारी को शहर के पुरातन महादेव मंडा, नामकों के बूचा महोदव, पिपराटोली शिवालय, तोरपा के बाबा नागेश्वर धाम, जरिया महादेव टोली धाम, बिकुवादाग शिवालय सहित जिले के सहित अन्य शिवालयों में भी जलाभिषेक व पूजन अर्चन के लिए सोमवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।